नई दिल्ली
शुक्रवार
18 सितंबर 2026
वर्षः 13, अंकः 15
पृष्ठः 08, मूल्य 2 रु0

E-mail
story@sadbhawna.today
sadbhavnatoday@gmail.com
web: www.sadbhawna.today

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

सद्भावना टुडे

आवाज़ अधिकार की

सोनपुर में उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने की...पेज-05

DELHIN/2014/58158

भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे टी-20 में...पेज-06

एक नजर

राष्ट्रपति, उपराष्ट्रपति, लोस अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्रियों ने मोदी को दी जन्मदिन की शुभकामनाएं

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु, उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन, लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह समेत कई पक्ष विपक्ष नेताओं ने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर उनको हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। राष्ट्रपति मुर्मु ने एक्स पर लिखा, 'प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं। विगत 25 वर्षों में मुख्यमंत्री और प्रधानमंत्री के कार्यकाल में आपने सुशासन के अनेक नए प्रतिमान स्थापित किए हैं तथा समावेशी विकास को अभूतपूर्व गति एवं नई दिशा प्रदान की है। सांस्कृतिक गौरव की भावना के साथ आधुनिक प्रगति के मार्ग पर चलते हुए हमारे देशवासी, विरासत और विकास के समन्वय को साकार कर रहे हैं। मैं ईश्वर से आपके उत्तम स्वास्थ्य एवं दीर्घायु की प्रार्थना करती हूं, ताकि आप जन-सेवा और राष्ट्र-निर्माण के अपने अभियान को निरंतर आगे बढ़ाते रहें। उपराष्ट्रपति ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के दृढ़ और दूरदर्शी नेतृत्व में, भारत दुनिया में एक चमकते हुए सितारे और सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्थाओं में से एक के रूप में उभर रहा है। 25 करोड़ से ज्यादा भारतीय घोर गरीबी से बाहर निकले हैं। एक क्रांतिकारी डिजिटल क्रांति ने लाखों लोगों को सशक्त बनाया है, और अंतरिक्ष, टेक्नोलॉजी और हेल्थकेयर से लेकर इंफ्रास्ट्रक्चर और मैन्युफैक्चरिंग तक हर क्षेत्र में ज़बरदस्त विकास हुआ है। पिछड़े ज़िलों को 'आकांक्षी ज़िले', सीमावर्ती गाँवों को 'वाइब्रेंट और पहले गाँव' और नॉर्थ-ईस्ट को 'अष्टलक्ष्मी' कहना आपकी दूरदर्शी सोच को दर्शाता है। इस सोच ने भौगोलिक रूप से पिछड़े इलाकों को सशक्तिकरण में बदल दिया है, जिससे 'विकसित भारत' की हमारी यात्रा में अलग-अलग क्षेत्रों के लोगों की सक्रिय भागीदारी संभव हो पाई है। बिरला ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारत आज आत्मविश्वास के साथ वैश्विक पटल पर अपनी नई पहचान बना रहा है। विकास, आत्मनिर्भरता, नवाचार, डिजिटल प्रगति, बुनियादी ढाँचे के विस्तार और जनकल्याण की दिशा में देश निरंतर नए आयाम स्थापित कर रहा है।

केंद्र ने पेट्रोल, डीजल और एटीएफ के निर्यात पर विंडफॉल टैक्स घटाया, नई दरें लागू

नई दिल्ली। केंद्र सरकार ने पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल) टैक्स में कटौती की है। नई दरें लागू हो गई है। वित्त मंत्रालय ने जारी एक अधिसूचना में कहा कि 16 सितंबर से शुरू हुए पखवाड़े के लिए पेट्रोल, डीजल और विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर अप्रत्याशित लाभ कर (विंडफॉल) टैक्स में कटौती की गई है। शुल्क की नई दरें प्रभावी हो गई है। मंत्रालय की तरफ से जारी अधिसूचना के मुताबिक डीजल के निर्यात पर सड़क एवं बुनियादी ढांचा उपकर समेत विशेष अतिरिक्त उत्पाद शुल्क (एसएईडी) की दर अब 25 रुपये से घटाकर 20 रुपये प्रति लीटर कर दी गई है। वहीं, विमान ईंधन (एटीएफ) के निर्यात पर एसएईडी 19 रुपये से घटाकर 15 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। इसी तरह पेट्रोल के निर्यात पर शुल्क घटाकर 0.5 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है, जो पिछले पखवाड़े में 1.5 रुपये प्रति लीटर था। मंत्रालय ने यह भी कहा कि घरेलू खपत वाले पेट्रोल और डीजल पर मौजूदा शुल्क दरों में कोई बदलाव नहीं किया गया है।

मोदी ने सेमीकॉन इंडिया का उद्घाटन किया

सेमीकंडक्टर मिशन के दूसरे चरण के लिए 13.5 अरब डॉलर की घोषणा की

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा है कि देश में सेमीकंडक्टर तंत्र का तेजी से विस्तार हो रहा है और स्वदेशी चिप अब देश और दुनिया के ग्राहकों तक पहुंचने लगी है। मोदी ने गुरुवार को यहां सेमीकॉन इंडिया 2026 के पांचवें संस्करण का उद्घाटन किया और कहा कि सेमीकंडक्टर क्षेत्र के दिनों दिन बढ़ने से देश में नवाचार, निवेश और विकास के नए अवसर खुल रहे हैं। उन्होंने युवाओं और उद्योग जगत से इस सेमीकंडक्टर मिशन से जुड़ने का आह्वान किया। सेमीकंडक्टर क्षेत्र में भारत की बढ़ती क्षमता का जिक्र करते हुए प्रधानमंत्री ने मिशन के दूसरे चरण के लिए 13.5 अरब डॉलर की योजना की घोषणा की। प्रधानमंत्री ने कहा कि 2022 में शुरू हुई सेमीकॉन इंडिया की यात्रा अब नीति और योजना से आगे बढ़कर पायलट लाइन से होते हुए वाणिज्यिक उत्पादन तक पहुंच गई है। मोहाली और सूरत में दो नए संयंत्रों में वाणिज्यिक उत्पादन शुरू हो गया है। उन्होंने कहा कि सेमीकंडक्टर का पूरा तंत्र विकसित करने के लिए चिप डिजाइन, उपकरण निर्माण और परीक्षण की क्षमता जरूरी है। उन्होंने फैबलेस कंपनियों (काफी कम कर्मचारियों वाली कंपनियों), बौद्धिक संपदा और सिलिकॉन फोटोनिक्स पर जोर दिया।

उन्होंने उपकरण, रसायन, गैस और सामग्री क्षेत्र की कंपनियों से 12 स्वीकृत परियोजनाओं और बढ़ती मांग का लाभ उठाने को कहा। प्रधानमंत्री ने कहा कि दुनिया को विनिर्माण के लिए नयी और भरोसेमंद जगह की जरूरत महसूस हो रही है और भारत इसके लिए खुद को लगातार तैयार कर रहा है। उन्होंने कहा कि भारत हर वो कदम उठा रहा है जो हमें सेमीकंडक्टर उद्योग के लिए एक पसंदीदा स्थल बनाता है। कुछ साल पहले ही देश के संविधान के 75 वर्ष पूरे हुए हैं। ऐसा देश जब एक महत्वपूर्ण उद्योग में आगे बढ़ता है तो इससे पूरी दुनिया की आपूर्ति श्रृंखला को ताकत मिलती है। उन्होंने कहा, 'आज जब आपूर्ति श्रृंखला को हथियार बनाया जा रहा है तब तो इसकी महत्ता बहुत बढ़ जाती है। भारत में हो रहे इस विकास को हमें इस बड़े नजरिये से भी देखना है।' प्रधानमंत्री ने भारत की इंजीनियरिंग प्रतिभा का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि चिप डिजाइन के लिए एक लाख इंजीनियरिंग छात्रों को प्रशिक्षित करने का लक्ष्य रखा गया है, जिनमें 70 हजार को प्रशिक्षण दिया जा चुका है। उन्होंने युवाओं और शोधकर्ताओं से देश में उन्नत तकनीक विकसित करने में भाग लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'जो युवा प्रतिभा भारत में अनुसंधान से जुड़े हैं वे आगे आएं। जो युवा विदेशों में अनसंधान कर रहे हैं वे भी भारत में उन्नत प्रौद्योगिकी के विकास से जुड़ें।' उन्होंने प्रमुख उद्योगपतियों का आह्वान, 'मैं उद्योग जगत से आग्रह करता हूं। आप देश में अनुसंधान और विकास के लिए आगे आएं। इसमें उद्योगों का भी फायदा है और भारत की युवाशक्ति को भी इससे ताकत मिलेगी।' श्री मोदी ने कहा कि कृत्रिम बुद्धमत्ता (एआई) की बढ़ती मांग से सेमीकंडक्टर क्षेत्र की जरूरतें बदल रही हैं। अब केवल ट्रांजिस्टर के आकार पर ध्यान नहीं है, बल्कि मेमोरी की जगह और गर्मी के प्रबंधन समेत पूरे सिस्टम के एकीकरण पर भी जोर है। उन्होंने कहा कि भारत इन नई वैश्विक विनिर्माण जरूरतों के लिए लगातार तैयारी कर रहा है। उन्होंने एआई डेटा सेंटर और सेमीकंडक्टर संयंत्रों के लिए लगातार बिजली की जरूरत का भी उल्लेख किया। प्रधानमंत्री ने कहा कि भारत की सौर ऊर्जा क्षमता 160 गीगावाट से अधिक हो गई है। साथ ही परमाणु ऊर्जा क्षेत्र को निजी क्षेत्र के लिए खोलने और छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर विकसित करने की दिशा में काम हो रहा है।

अन्नपूर्णा योजना पश्चिम बंगाल की महिलाओं के आत्मविश्वास को मजबूती देने का महत्वपूर्ण प्रयास: मोदी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि अन्नपूर्णा योजना बंगाल की महिलाओं के आत्मविश्वास को मजबूती देने का महत्वपूर्ण प्रयास है। योजना के तहत करीब डेढ़ करोड़ महिलाओं के बैंक खातों में गुरुवार को चौथी किस्त पहुंचाई जा रही है। प्रत्येक लाभार्थी महिला को हर महीने 3,000 रुपये मिलेंगे, जिससे उन्हें परिवार के जरूरी खर्चों के लिए किसी पर निर्भर नहीं रहना पड़ेगा। प्रधानमंत्री ने पश्चिम बंगाल में अन्नपूर्णा दिवस पर आयोजित कार्यक्रम को वीडियो संदेश के माध्यम से संबोधित करते हुए कहा कि घर में माताओं और बहनों के कंधों पर अनेक जिम्मेदारियां होती हैं। जब जरूरी खर्चों की चिंता कम होती है तो उनका आत्मविश्वास भी बढ़ता है। अन्नपूर्णा योजना इसी सोच के साथ बंगाल की महिलाओं को आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। उन्होंने कहा कि योजना की राशि सीधे महिलाओं के बैंक खातों में पहुंच रही है, इसलिए उन्हें इसके लिए किसी से कहने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने जोर देकर कहा कि योजना में न कोई 'कटमनी' है और न कोई बिचौलिया। मोदी ने कहा कि सरकार का लक्ष्य है कि एक भी पात्र महिला अन्नपूर्णा योजना के लाभ से वंचित न रहे। उन्होंने कहा कि बंगाल की महिलाओं के पास अपने फैसले लेने की ताकत और आगे बढ़ने का हौसला होना चाहिए तथा इसमें अन्नपूर्णा योजना की बड़ी भूमिका है। प्रधानमंत्री ने कहा कि माताओं, बहनों और बेटियों के जीवन से जुड़ी विभिन्न जरूरतों को ध्यान में रखते हुए केंद्र सरकार ने कई योजनाएं शुरू की हैं। इनमें गर्भावस्था के दौरान पोषण के लिए प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना, बेटियों की सुरक्षा और शिक्षा के लिए बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, सुकन्या समृद्धि योजना, स्वरोजगार के लिए मुद्रा योजना, उज्ज्वला योजना, हर घर जल, सौभाग्य, आयुष्मान भारत और जनधन योजना शामिल हैं।

नरेंद्र मोदी ने नक्सलवाद से मुक्ति दिलाई, जम्मू-कश्मीर से हटाया अनुच्छेद 370: राजनाथ

- प्रधानमंत्री मोदी के 76वें जन्मदिन पर वाराणसी में सेवा संकल्प अभियान का शुभारंभ

वाराणसी,एजेंसी। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने गुरुवार को कहा कि भविष्य में जब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की विरासत लिखी जाएगी तो उसमें नक्सलवाद से निपटने, जम्मू-कश्मीर से अनुच्छेद 370 हटाने, करोड़ों लोगों को गरीबी से बाहर निकालने, संसद में महिलाओं की भागीदारी बढ़ाने और युवाओं के सपनों को अवसर देने का भी उल्लेख होगा। उन्होंने कहा कि महान नेता लोगों को स्वावलंबी बनाता है और प्रधानमंत्री मोदी ने इसी दिशा में काम किया है। राजनाथ सिंह वाराणसी के सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में प्रधानमंत्री मोदी के जन्मदिन और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ वाराणसी से गुजरात के वडनगर तक आयोजित 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा' को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया।

राजनाथ सिंह ने अपने संबोधन में कहा कि काशी और वडनगर को जोड़ने वाली यह यात्रा प्रधानमंत्री की जन्मभूमि को उनकी कर्मभूमि से जोड़ने वाली यात्रा है। एक ओर काशी है, जहां से उनके सार्वजनिक जीवन को नई ऊर्जा मिली, जबकि दूसरी ओर वडनगर है, जहां उन्हें मां हीराबेन के संस्कार और आशीर्वाद मिले। उन्होंने इसे सेवा, संस्कार और साधना के संगम की यात्रा बताया। रक्षा मंत्री ने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि 2014 से पहले भारत के हाथ से कई अवसर निकल जाते थे। उन्होंने दावा किया कि तत्कालीन सरकारों को अपनी कुर्सी बचाने की चिंता रहती थी। सेमीकंडक्टर उद्योग का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा कि दुनिया की एक बड़ी चिप निर्माता कंपनी भारत में फैक्टरी लगाना चाहती थी, लेकिन तत्कालीन कांग्रेस सरकार ने उसे दो बार अनुमति नहीं दी, जिससे देश ने रोजगार का बड़ा अवसर खो दिया। राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री मोदी की स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देने की पहल का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री दुनिया के बड़े नेताओं से मुलाकात के दौरान उन्हें भारत में बने उत्पाद उपहार में देते हैं। उन्होंने अमेरिका के तत्कालीन राष्ट्रपति जो बाइडेन को वाराणसी की गुलाबी मीनाकारी से बना पिकॉक ब्रोच दिए जाने का भी जिक्र किया। कार्यक्रम के दौरान राजनाथ सिंह ने उपस्थित लोगों से मोबाइल फोन की टॉर्च जलाकर प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की बधाई देने का आह्वान किया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि काशी से वडनगर तक की यात्रा प्रधानमंत्री मोदी की सार्वजनिक सेवा यात्रा को स्मरण करने का अवसर है।

दिशा सालियान के पिता ने आदित्य ठाकरे और अनिल देशमुख को भेजा 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस

मुंबई,एजेंसी। सेलेब्रिटी मैनेजर दिशा सालियान के पिता सतीश सालियान ने अपनी बेटी की मौत के संबंध में कथित बयानों को लेकर शिवसेना (यूबीटी) नेता आदित्य ठाकरे और महाराष्ट्र के पूर्व गृह मंत्री अनिल देशमुख को 500 करोड़ रुपये का मानहानि नोटिस भेजा है। श्री सालियान नोटिस में दोनों नेताओं से सात दिनों में बिना शर्त लिखित और सार्वजनिक रूप से माफी मांगने की मांग की है और कहा है कि ऐसा नहीं करने पर दीवानी और आपराधिक मानहानि की कार्यवाही शुरू की जाएगी। नोटिस के अनुसार श्री सालियान ने आरोप लगाया है कि श्री ठाकरे ने उनकी बेटी के लिए न्याय की मांग करने के उनके अभियान को राजनीतिक उद्देश्य से प्रेरित बताने और उनकी प्रतिष्ठा को नुकसान पहुंचाने का प्रयास किया। नोटिस में कथित बयानों को गलत, निराधार और मानहानिकारक बताया गया है। इसमें कहा गया है कि इन बयानों से अपनी बेटी की मौत से जुड़े आरोपों की कानूनी जांच की मांग कर रहे शोकाकुल पिता की निष्ठा और मंशा पर सवाल उठते हैं। नोटिस में कथित तौर पर किए गये इस दावे पर भी आपत्ति जताई गई है कि केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) पहले ही मामले की जांच कर चुका है और ठाकरे को क्लीन चिट दे चुका है। नोटिस में दो सितंबर को बंबई उच्च न्यायालय में हुई कार्यवाही का उल्लेख किया गया है। इसमें कहा गया है कि सीबीआई ने स्पष्ट किया था कि उसने इस मामले में पहले कोई जांच नहीं की थी। नोटिस में 23 मार्च 2025 को देशमुख के कथित बयान का भी उल्लेख किया गया है, जिसमें उन्होंने दिशा सालियान मामले को श्री ठाकरे को बदनाम करने की साजिश बताया था। श्री सालियान ने प्रमुख प्रिंट, टेलीविजन और डिजिटल मंचों पर बिना शर्त माफी प्रकाशित करने के साथ-साथ संबंधित आधिकारिक सोशल मीडिया खातों पर कम से कम तीन मिनट का वीडियो जारी कर माफी मांगने की मांग की है।

भूपेन्द्र यादव की फिनलैंड की मंत्री से मुलाकात, जलवायु सहयोग बढ़ाने पर हुई चर्चा

नई दिल्ली। केन्द्रीय वन, पर्यावरण एवं जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेन्द्र यादव ने गुरुवार को फिनलैंड की जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला से मुलाकात की। इस दौरान दोनों देशों के बीच जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की गई। बैठक के बाद भूपेन्द्र यादव ने एक्स पोस्ट में कहा कि भारत और फिनलैंड ने सर्कुलर इकोनॉमी, जलवायु कार्रवाई, जैव विविधता संरक्षण और सतत विकास के क्षेत्र में सहयोग को और मजबूत करने पर चर्चा की। नई दिल्ली में फिनलैंड की जलवायु एवं पर्यावरण मंत्री सारी मुल्ताला के साथ द्विपक्षीय बैठक में इन मुद्दों पर विचार-विमर्श हुआ। बैठक में हाल ही में संपन्न वर्ल्ड सर्कुलर इकोनॉमी फोरम के प्रमुख निष्कर्षों पर चर्चा की गई। साथ ही सर्कुलर इकोनॉमी के क्षेत्र में भारत-फिनलैंड साझेदारी को आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार किया गया।

दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ चुनाव प्रचार थमा, आज मतदान, शनिवार को मतगणना

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्र संघ (डूसू) चुनाव के लिए प्रचार अभियान आधिकारिक रूप से आज थम गया। बीते कई दिनों से पर्चों, रैलियों, लाउडस्पीकरों और शक्ति प्रदर्शन से गुलजार रहने वाली कैंपस की सड़कों पर अब गहमागहमी कम हो गई थी। मतदान की पूर्व संध्या पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप), नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) और अन्य छात्र संगठनों के प्रत्याशी और कार्यकर्ता व्यक्तिगत संपर्क अभियान के जरिए अपनी-अपनी जीत के दावे मजबूत करने में लगे हुए थे। मतदान शुक्रवार को कराया जाएगा।

मतदान के दौरान व परिणाम आने तक किसी भी संभावित हिंसक झड़प को रोकने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन और दिल्ली पुलिस ने सुरक्षा के कड़े बंदोबस्त किए हैं। नॉर्थ और साउथ कैंपस के संवेदनशील इलाकों, प्रमुख फैकल्टी और कॉलेजों के बाहर भारी पुलिस बल और बैरिकेडिंग तैनात की गई है। शांति व्यवस्था बनाए रखने और आचार संहिता का उल्लंघन रोकने के लिए पुलिस लगातार गश्त कर रही थी। प्रचार के अंतिम दौर में झड़प की घटनाओं को लेकर पुलिस की जांच तेज हो गई है। प्रॉक्टर कार्यालय परिसर में बीते दिन कथित तौर पर एनएसयूआई कार्यकर्ताओं द्वारा अभाविप सदस्यों पर किए गए कथित हमले के मामले में पुलिस गहन जांच पड़ताल कर रही है। जांच अधिकारी प्रॉक्टर कार्यालय और आसपास के रास्तों पर लगे सीसीटीवी कैमरों के फुटेज खंगाल रहे हैं, ताकि उपद्रवियों और हमलावरों की स्पष्ट पहचान कर उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की जा सके। खुले प्रचार पर पाबंदी लगने के बाद छात्र संगठनों ने हॉस्टलों और पीजी (पेइंग गेस्ट) में 'डोर-टू-डोर' मौन संपर्क साधना शुरू कर दिया दिया था। यूनियनों के नेताओं का दावा है कि है कि छात्र समुदाय उनके घोषणापत्र और विश्वविद्यालय के मुद्दों पर उनके साथ खड़ा है।भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से जुड़े अभाविप के अध्यक्ष पद के लिए उम्मीदवार यश डबास, उपाध्यक्ष पद के इशू मौर्य, सचिव पद के रिया छाबड़ी और संयुक्त सचिव पद के लक्ष्यराज सिंह का मुकाबला एनएसयूआई के अध्यक्ष पद के उम्मीदवार विजय शंकर मीणा, उपाध्यक्ष पद के वीर छत्रथ, सचिव पद के नम्रता चौधरी और सह-सचिव पद के गोपाल चौधरी से होगा। डूसू चुनाव की मतगणना शनिवार को होगी।

सरदार पटेल की बदौलत ही एक सशक्त व एकीकृत 'एक भारत' की नींव रखी गयी: सी.पी. राधाकृष्णन

हैदराबाद,एजेंसी।

उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने गुरुवार को कहा कि स्वतंत्रता के बाद देशी रियासतों के भारत संघ में विलय में देश के प्रथम उप प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने असाधारण जिम्मेदारी निभाई और एक सशक्त व एकीकृत 'एक भारत' की नींव रखी। सरदार पटेल के दूरदर्शी नेतृत्व के कारण ही 'एक भारत' हमेशा के लिए 'एक भारत' रहेगा। यह बात उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने आज यहां सिकंदराबाद स्थित परेड ग्राउंड में केंद्र सरकार द्वारा आयोजित 'हैदराबाद मुक्ति दिवस' समारोह को संबोधित करते हुए कही। यह कार्यक्रम 17 सितंबर 1948 को तत्कालीन हैदराबाद रियासत के भारतीय संघ में औपचारिक विलय की याद में आयोजित किया गया था। उपराष्ट्रपति ने कहा कि हैदराबाद का विलय उस दौर की सबसे कठिन और जटिल चुनौतियों में से एक था। जब कूटनीतिक वार्ताएं विफल हो गईं, तब भारत सरकार ने 13 सितंबर 1948 को 'ऑपरेशन पोलो' शुरू किया, जो 17 सितंबर 1948 को निजाम की सेना के आत्मसमर्पण के साथ समाप्त हुआ। उन्होंने हैदराबाद मुक्ति को स्वतंत्र भारत के इतिहास का एक निर्णायक अध्याय करार दिया और इस संघर्ष में साहस व बलिदान देने वाले सभी देशभक्तों को श्रद्धांजलि अर्पित की। उन्होंने जोर देकर कहा कि सरदार पटेल जानते थे कि जिस समय नव-स्वतंत्र राष्ट्र की नींव रखी जा रही हो, उस समय भारत किसी भी प्रकार के राजनीतिक बिखराव को सहन नहीं कर सकता।

तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी, ऐसा नहीं हो सकता: सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली,एजेंसी। उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार से कहा कि हिंदी को लेकर आपको अपनी सोच बदलने की जरूरत है। जस्टिस बीवी नागरत्ना की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि ऐसा नहीं हो सकता कि तमिलनाडु की धरती पर हिंदी नहीं पढ़ाई जाएगी।उच्चतम न्यायालय ने चेन्नई और दिल्ली को एक-दूसरे से अलग-थलग करने की सोच पर भी सवाल उठाया। न्यायालय ने कहा कि चेन्नई में बैठे लोगों को दिल्ली में बैठे लोगों से अलग नहीं होना चाहिए और न ही दिल्ली को चेन्नई से।

कोर्ट ने ये टिप्पणी तमिलनाडु सरकार की एक याचिका पर सुनवाई के दौरान की। तमिलनाडु सरकार ने मद्रास उच्च न्यायालय के उस फैसले को चुनौती दी है, जिसमें हर जिले में नवोदय विद्यालय शुरू करने का आदेश दिया गया था। राज्य सरकार का कहना है कि नवोदय विद्यालयों की व्यवस्था उसकी शिक्षा और भाषा नीति से मेल नहीं खाती।इसके पहले 15 दिसंबर 2025 को उच्चतम न्यायालय ने तमिलनाडु सरकार को

निर्देश दिया था कि वो राज्य में नवोदय विद्यालयों की स्थापना के लिए केंद्र के साथ मिलकर भूमि की पहचान करे। कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार से कहा था कि आप राज्य में नवोदय विद्यालयों की स्थापना के मुद्दे को भाषा विवाद में न बदलें।सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार ने कहा था कि नवोदय विद्यालय तीन भाषा फार्मूला अपनाते हैं, जबकि तमिलनाडु में कानूनी रुप से दो भाषा नीति लागू है। इस पर कोर्ट ने कहा था कि आप भाषा को मुद्दा मत बनाइए। हम एक संघीय व्यवस्था में हैं और आप गणराज्य का हिस्सा हैं। यह एक संघीय चर्चा का विषय है और राज्य पर कुछ भी थोपने की बात नहीं है। कोर्ट ने कहा था कि उसका आदेश तमिलनाडु के ग्रामीण छात्रों के हित में है, जो इन विद्यालयों में दाखिले के हकदार हैं।सुनवाई के दौरान तमिलनाडु सरकार ने कहा था कि केंद्र सरकार पर समग्र शिक्षा अभियान के तहत तीन हजार करोड़ रुपये से अधिक की राशि बकाया है। कोर्ट ने तमिलनाडु सरकार को सुझाव दिया था कि वो केंद्र से विचार-विमर्श के दौरान अपनी शर्तें रख सकती है जिनमें दो भाषा नीति का पालन और वित्तीय बकाया राशि का भुगतान शामिल हो सकता है।

सुप्रीम कोर्ट पहुंचा दिल्ली में एसआईआर का मामला

नई दिल्ली। दिल्ली में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) का मामला भी उच्चतम न्यायालय पहुंच गया है। आज वकील प्रशांत भूषण ने चीफ जस्टिस सूर्यकांत की अध्यक्षता वाली बेंच के समक्ष मेंशन करते हुए कहा कि दिल्ली में एसआईआर के दौरान पहले ही 47 लाख मतदाताओं के नाम ड्राफ्ट मतदाता सूची के बाहर कर दिया गया था। अब निर्वाचन आयोग ने तार्किक विसंगति के तहत 33 लाख लोगों को नोटिस जारी किया है। प्रशांत भूषण ने कहा कि ये पूरी प्रक्रिया ही अस्पष्ट है। उसके बाद कोर्ट ने कहा कि इस याचिका पर 21 सितंबर को सुनवाई होगी जब एसआईआर से जुड़े बाकी राज्यों के मामले पहले से लिस्ट हैं। मेंशनिंग के दौरान प्रशांत भूषण ने कहा कि निर्वाचन आयोग ने किस आधार पर वोटर लिस्ट से नाम काटा है इसका खुलासा नहीं किया है जबकि इसका खुलासा निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर करने का नियम है।

विजय चौक पर 'आशीर्वाद का दीया', एनडीएमसी ने जलाए 1.25 लाख दीये

सैफुल्लाह सिद्दीकी, वरिष्ठ पत्रकार

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् (एनडीएमसी) ने 17 सितंबर को 'सेवा दिवस' के रूप में मनाते हुए नई दिल्ली के विजय चौक पर 'आशीर्वाद का दीया' कार्यक्रम का आयोजन किया। कार्यक्रम के दौरान कर्तव्य पथ से सेवा तीर्थ तक 1.25 लाख मिट्टी के दीये प्रज्ज्वलित किए गए। 'आशीर्वाद का दिया' कार्यक्रम में दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता, केंद्रीय राज्य मंत्री एवं दिल्ली प्रदेश भाजपा अध्यक्ष हर्ष मल्होत्रा, नई दिल्ली की सांसद बांसुरी स्वराज, एनडीएमसी अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी, उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल, एनडीएमसी परिषद् सदस्य दिनेश प्रताप सिंह, एनडीएमसी सचिव राहुल सिंह सहित हजारों एनडीएमसी कर्मचारी, विद्यार्थी एवं शिक्षक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी ने देश के 140 करोड़ नागरिकों की निरंतर सेवा की है। उनके जन्मदिवस पर हम सभी भारतीय उनकी सेवाओं के प्रति अपनी कृतज्ञता व्यक्त करते हुए उन्हें केवल अपना आशीर्वाद दे सकते हैं। ऐसा आशीर्वाद, जिसमें उनकी दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर ऊर्जावान जीवन की कामना निहित है।

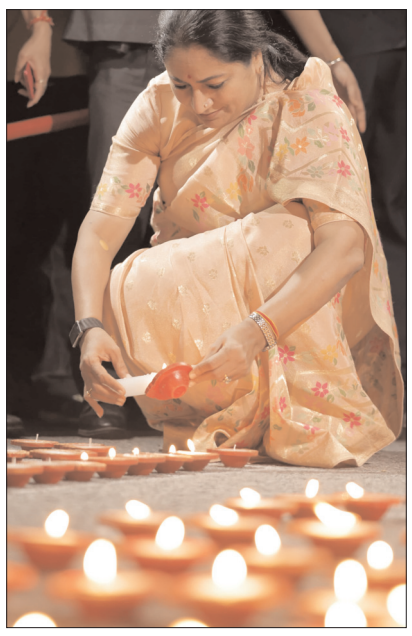

उन्होंने कहा कि सभी की यही कामना है कि प्रधानमंत्री जी स्वस्थ रहें और इसी प्रकार निरंतर देश की सेवा करते हुए भारत को विकसित भारत बनाने की दिशा में आगे बढ़ाते रहें तथा राष्ट्र निर्माण में हम सभी का मार्गदर्शन करते रहें। मुख्यमंत्री ने कहा कि आज कर्तव्य पथ पर, सेवा तीर्थ के बाहर जिस प्रकार दिल्लीवासियों ने अपने घरों से 'आशीर्वाद का एक दीया' जलाया, वह प्रधानमंत्री जी के प्रति जनमानस के स्नेह, सम्मान और विश्वास की सुंदर अभिव्यक्ति है। उन्होंने दिल्ली की जनता का कोटि-कोटि धन्यवाद करते हुए कहा कि नागरिकों ने अपने आशीर्वाद के माध्यम से न केवल प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को शुभकामनाएं दी हैं, बल्कि निरंतर कार्य करने वाली सरकार और ऐसे नेतृत्व को भी अपना आशीर्वाद दिया है, जिसने बिना रुके और बिना थके देश की सेवा की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पूरा देश प्रधानमंत्री मोदी को कोटि-कोटि नमन करता है।

उन्होंने दिल्ली के प्रत्येक घर से जलाए गए 'आशीर्वाद के दीये' के लिए दिल्लीवासियों का हृदय से आभार व्यक्त किया। हर्ष मल्होत्रा ने कहा कि इस बार प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का जन्मदिवस विशेष महत्व रखता है, क्योंकि उनके सार्वजनिक जीवन में राष्ट्रसेवा के 25 वर्ष पूर्ण हुए हैं। इसी विशेष अवसर पर देशभर के लोग उन्हें अपनी शुभकामनाएं और शुभाशीष देने के लिए 'आशीर्वाद का दिया' जला रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह दीया देशवासियों के स्नेह, सम्मान और प्रधानमंत्री के प्रति कृतज्ञता का प्रतीक है। मल्होत्रा ने कहा कि वे प्रभु से प्रार्थना करते हैं कि प्रधानमंत्री जी को दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य और निरंतर राष्ट्रसेवा के लिए ऊर्जा प्रदान करें, ताकि वे इसी समर्पण के साथ देश को विकसित भारत के संकल्प की दिशा में आगे बढ़ाते रहें। इस अवसर पर नई दिल्ली सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि प्रधानमंत्री का आज मनाया जाने वाला जन्मदिन इस मायने में महत्वपूर्ण है क्योंकि इसी वर्ष उनके राष्ट्रीय सेवा में निरन्तर कार्य करते हुए उनको 25 वर्ष भी पूर्ण हो रहे है। उन्होंने अपना सम्पूर्ण जीवन मां भारती के के लिए समर्पित किया हुआ है, उन्हें आज आशीर्वाद के दिए से देशवासी और खासकर दिल्लीवासी उनकी स्वस्थ, कर्मशील दीर्घायु की कामना करते हुए विजय चौक पर एकत्र हुए, उसके सभी का आभार है। उन्होंने यह भी कहा कि मोदी के कार्यकाल में विजय चौक के चारों ओर जो नई संसद, सेवा तीर्थ और कर्तव्य भवनों का निर्माण हुआ है, वह केवल इमारतों का ही निर्माण नहीं है अपितु विकसित भारत की ओर एक अग्रसर कदम है। नई दिल्ली नगरपालिका परिषद् के अध्यक्ष मनोज कुमार द्विवेदी ने कहा कि सेवा दिवस के अवसर पर विजय चौक पर एक साथ सवा लाख दीयों का प्रज्ज्वलन सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना का प्रतीक बना। इन दीपों की रोशनी ने सेवा के संकल्प को और मजबूत करते हुए देशवासियों को विकसित भारत के निर्माण की दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। उन्होंने कहा कि इन दीयों को प्रज्ज्वलित करने के लिए एनडीएमसी के अधिकारी, कर्मचारी और अन्य सहभागी सेवा भाव के साथ एकजुट हुए। यह सामूहिक प्रयास केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि कर्तव्य, सेवा और जनकल्याण के प्रति प्रतिबद्धता का संदेश है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि इस आयोजन से प्राप्त प्रेरणा के साथ एनडीएमसी के अधिकारी एवं कर्मचारी अपने-अपने दायित्वों का पूरी निष्ठा और ऊर्जा के साथ निर्वहन करेंगे तथा सामूहिक प्रयासों से एनडीएमसी क्षेत्र को और अधिक स्वच्छ, हरित, सुंदर, सुरक्षित और समृद्ध बनाने में योगदान देंगे।

इस अवसर नई दिल्ली नगरपालिका परिषद के उपाध्यक्ष कुलजीत सिंह चहल ने कहा कि, 'आशीर्वाद का दिया' केवल दीये जलाने का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह उन लोगों की भावनाओं को व्यक्त करने का माध्यम है, जिन्हें अलग-अलग सरकारी योजनाओं और सुविधाओं का लाभ मिला है। चहल ने कहा कि कार्यक्रम में शामिल लाभार्थियों की अपनी-अपनी कहानियां हैं। किसी को रोजगार मिला है, किसी को स्वास्थ्य सुविधाओं और मेडिकल कार्ड का लाभ मिला है, तो कई लोग केंद्र सरकार की विभिन्न योजनाओं से लाभान्वित हो रहे हैं। उनके लिए जलाया गया हर दिया खुशी, संतोष, आभार और शुभकामनाओं का प्रतीक है।

कॉमनवेल्थ का मूल्यांकन घोषणापत्रों से नहीं, समाधानों से होना चाहिए : विजेंद्र गुप्ता

शाहनवाज सैफ, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कॉमनवेल्थ का मूल्यांकन उसके द्वारा अपनाए गए घोषणापत्रों से नहीं, बल्कि इस आधार पर होना चाहिए कि हम किन संस्थाओं को मजबूत करते हैं और क्या समाधान प्रदान करते हैं। यह बात विजेंद्र गुप्ता ने दक्षिण अफ्रीका के केप टाउन में आयोजित 69वें कॉमनवेल्थ संसदीय सम्मेलन में कही। उन्होंने 'कॉमनवेल्थ के लिए नए नेतृत्व के अवसर: लोकतंत्र और अंतरराष्ट्रीय कानून को मजबूत करने के लिए संसदीय कार्रवाई' विषय पर सत्र को संबोधित किया। यह जानकारी आज एक बयान में दी गई।

सशस्त्र संघर्ष, भू-राजनीतिक प्रतिस्पर्धा, संस्थाओं में घटते विश्वास, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और जलवायु परिवर्तन जैसे मुद्दों पर गुप्ता ने कहा कि संसदों को ऐसे संस्थानों के रूप में काम करना होगा, जो जनता की चिंताओं और अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताओं को कानून, निगरानी और जवाबदेह कार्रवाई में बदल सकें। चुनाव लोगों को लोकतांत्रिक अधिकार देते हैं, लेकिन लोकतंत्र की वास्तविक मजबूती चुनावों के बीच की अवधि में दिखाई देती है। इसके लिए विधायी समीक्षा, सरकारी खर्च में पारदर्शिता, प्रभावी समितियां और नागरिकों की सार्थक भागीदारी जरूरी है। लगभग 56 देशों वाले कॉमनवेल्थ में दुनिया की लगभग एक-तिहाई आबादी रहती है। इसकी विविधता के कारण कॉमनवेल्थ के पास यह दिखाने का महत्वपूर्ण अवसर है कि लोकतंत्र, मानवाधिकार और कानून के शासन के प्रति साझा प्रतिबद्धताओं को केवल घोषणाओं तक सीमित न रखकर वास्तविक और मापनीय संस्थागत बदलावों में कैसे बदला जा सकता है। अंतरराष्ट्रीय व्यवस्था का उल्लेख करते हुए विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय प्रतिबद्धताएं स्वयं लागू नहीं होतीं। वैश्विक दायित्वों को लागू करने के लिए घरेलू कानून, बजटीय सहयोग और संसदीय निगरानी आवश्यक है। भारत के संविधान के अनुच्छेद 51 का उल्लेख करते हुए उन्होंने कहा कि अंतरराष्ट्रीय संधियों, विदेश नीति और अंतरराष्ट्रीय दायित्वों के क्रियान्वयन की समीक्षा में विधायिकाओं की महत्वपूर्ण भूमिका है। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र और उसकी सुरक्षा परिषद तथा विश्व व्यापार संगठन जैसी वैश्विक संस्थाओं में सुधार की आवश्यकता पर भी जोर दिया। पिछली सदी में बनाई गई इन संस्थाओं को आज की वास्तविकताओं के अनुरूप बनाया जाना चाहिए और उभरती अर्थव्यवस्थाओं, छोटे देशों तथा कमजोर समुदायों के हितों की भी रक्षा होनी चाहिए। विधायिकाओं में तकनीक के बढ़ते उपयोग पर विजेंद्र गुप्ता ने कहा कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता अनुसंधान और जानकारी तक लोगों की पहुंच को आसान बना सकती है, लेकिन इसके साथ गलत सूचना, हेरफेर और लोगों के बाहर रह जाने का खतरा भी है।

मालवीय नगर अग्निकांड के दो आरोपितों की न्यायिक हिरासत बढ़ी

नई दिल्ली। दिल्ली के साकेत कोर्ट ने मालवीय नगर अग्निकांड के मामले के दो आरोपितों की न्यायिक हिरासत बढ़ा दिया है। जुडिशियल मजिस्ट्रेट फर्स्ट क्लास भानु प्रताप सिंह ने दोनों आरोपितों की न्यायिक हिरासत 24 सितंबर तक बढ़ाने का आदेश दिया।

आज सुनवाई के दौरान इस मामले के तीनों आरोपित कोर्ट में पेश हुए। होटल मालिक लवकेश बजाज और होटल के मैनेजर जय मिश्रा फिलहाल न्यायिक हिरासत में हैं, जबकि कुक केसर नेगी को जमानत मिल चुकी है। साकेत कोर्ट ने 27 जुलाई को केसर नेगी को जमानत दी थी। इस मामले में कोर्ट ने 3 सितंबर को दिल्ली पुलिस की ओर से तीनों आरोपितों के खिलाफ दायर चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। दिल्ली पुलिस ने इस मामले में 1 सितंबर को चार्जशीट दाखिल किया था। दिल्ली पुलिस ने आरोपितों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 105, 326(जी), 324(5), 125 और 287 के तहत आरोप लगाया था। दिल्ली पुलिस ने लवकेश बजाज को 4 जून को और केसर नेगी को छह जून को गिरफ्तार किया था। आठ जून को जय मिश्रा ने भी कोर्ट में सरेंडर किया था। बताया जा रहा है कि होटल में आग कुक केशव नेगी की लापरवाही की वजह से फैला। आग लगने के बाद केशव नेगी खुद को बचाने के लिए भाग गया। पुलिस के मुताबिक केशव नेगी इलेक्ट्रिक स्टोव पर खाना बना रहा था तभी उसमें ब्लास्ट हुआ। ब्लास्ट के बाद नेगी ने पावर सप्लाई बंद कर दी जिससे होटल के इलेक्ट्रॉनिक दरवाजे बंद हो गए और कई लोग होटल के अंदर ही फंसे रह गए।

अभाविप कार्यकर्ता के घर एनएसयूआई के कार्यकर्ताओं के हमले का आरोप, एक हिरासत में

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली विश्वविद्यालय छात्रसंघ चुनाव के बीच अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (अभाविप) ने नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) के कार्यकर्ताओं पर बुधवार को उनके एक कार्यकर्ता के आवास पर सुनियोजित तरीके से हमला करने का गंभीर आरोप लगाया है। अभाविप का दावा है कि कार्यकर्ताओं ने मौके से भाग रहे एक हमलावर को पकड़कर स्थानीय पुलिस के हवाले कर दिया, जिसने कथित तौर पर एनएसयूआई का सोशल मीडिया कार्यकर्ता होने की बात स्वीकार की है।

अभाविप के अनुसार यह घटना विश्वविद्यालय क्षेत्र के हरि मंदिर स्थित अभाविप कार्यकर्ताओं के निवास पर हुई। संगठन का कहना है कि आवास पर छात्र कार्यकर्ताओं के साथ छात्राएं भी मौजूद थीं और सभी मिलकर शांतिपूर्ण बैठक कर रहे थे। परिषद का आरोप है कि बिना किसी उकसावे के बाहर से आए एनएसयूआई कार्यकर्ताओं ने अचानक बैठक पर हमला कर दिया। हमले के तुरंत बाद कई हमलावर मौके से फरार हो गए, जबकि एक व्यक्ति को अभाविप कार्यकर्ताओं ने मौके पर ही रोक लिया और कानून अपने हाथ में लिए बिना पुलिस को सौंप दिया। मामले पर कड़ा ऐतराज जताते हुए अभाविप दिल्ली के प्रदेश मंत्री सार्थक शर्मा ने कहा, 'लोकतांत्रिक छात्र राजनीति को हिंसा के जरिए दबाने का प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने सवाल किया कि एनएसयूआई के कार्यकर्ता अभाविप कार्यकर्ताओं के निवास तक क्यों पहुंचे और छात्रा कार्यकर्ताओं की मौजूदगी के बावजूद हमला क्यों किया गया। शर्मा ने आरोप लगाया कि जब विद्यार्थियों के बीच संवाद और जनसमर्थन का अभाव दिखता है, तब कांग्रेस, आईवाईसी और एनएसयूआई की राजनीतिक मशीनरी छात्र राजनीति में हिंसा का सहारा लेती है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से भी अपनी छात्र और युवा इकाइयों की गतिविधियों पर जवाबदेही तय करने को कहा। उन्होंने ने स्पष्ट किया कि वह किसी भी प्रकार के हिंसक दबाव के आगे नहीं झुकेगी। शर्मा ने दिल्ली पुलिस से पूरे घटनाक्रम की निष्पक्ष जांच करने, हमले में शामिल अन्य सभी आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने और दिल्ली विश्वविद्यालय परिसर में विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की है।

दिल्ली नगर निगम का ध्वस्तीकरण अभियान जारी; 39 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गई

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। दिल्ली नगर निगम ने खतरनाक इमारतों, अनधिकृत निर्माण तथा दिल्ली के मास्टर प्लान और भवन उपविधियों के उल्लंघन के विरुद्ध दिल्ली में व्यापक प्रवर्तन अभियान को जारी रखा है। भवन निर्माण संबंधी नियमों का अनुपालन सुनिश्चित करने तथा जन सुरक्षा की दृष्टि से निगम के सभी 12 क्षेत्रों में सख्त प्रवर्तन कार्रवाई की जा रही है। आज चलाए गए गहन प्रवर्तन अभियान के दौरान निगम के सभी 12 क्षेत्रों में 39 ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गईं। इसके अतिरिक्त, 6 संपत्तियों को सील किया गया, जबकि भवन निर्माण संबंधी नियमों एवं प्रावधानों का उल्लंघन पाए जाने पर 5 ध्वस्तीकरण आदेश जारी किए गए। नगर निगम द्वारा कल भी व्यापक प्रवर्तन अभियान चलाया गया था, जिसके दौरान दिल्ली के मास्टर प्लान और भवन उपविधियों के उल्लंघन के मामलों में 46 संपत्तियों का ध्वस्तीकरण किया गया तथा 11 संपत्तियों को सील किया गया। आज के प्रवर्तन अभियान के दौरान दिल्ली के विभिन्न क्षेत्रों में प्रमुख ध्वस्तीकरण कार्रवाई की गईं। इनमें पूर्वी क्षेत्र के शकरपुर, गीता कॉलोनी और पांडव नगर, अशोक विहार चरण-दो, केशवपुरम, रमेश नगर, बलजीत नगर, मानकपुरा, पहाड़गंज, शाहीन बाग, संत नगर तथा तुगलकाबाद विस्तार सहित अन्य क्षेत्र शामिल हैं। नगर निगम ने स्पष्ट किया है कि उसके अधिकार क्षेत्र में किसी भी प्रकार के अनधिकृत निर्माण अथवा भवन निर्माण संबंधी नियमों के उल्लंघन की अनुमति नहीं दी जाएगी। अनधिकृत निर्माण, खतरनाक इमारतों तथा जन सुरक्षा के लिए जोखिम उत्पन्न करने वाले अन्य उल्लंघनों के विरुद्ध जारी प्रवर्तन अभियान पूरी सख्ती के साथ आगे भी जारी रहेगा। नगर निगम ने संबंधित क्षेत्रीय अधिकारियों को अपने-अपने क्षेत्रों में कड़ी निगरानी बनाए रखने तथा नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर आवश्यक कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं। यह कार्रवाई दिल्ली के मास्टर प्लान, भवन उपविधियों तथा अन्य लागू नियमों एवं प्रावधानों के अनुसार की जा रही है।

एमसीडी ने सभी 12 जोनों में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान की शुरुआत की

शबाना बेगम, सद्भावना टुडे

नई दिल्ली। नगर निगम दिल्ली (एमसीडी) ने आज शहर के सभी 12 जोनों में 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान की शुरुआत की। 17 सितंबर से 17 अक्टूबर, 2026 तक चलने वाले इस मासव्यापी अभियान का उद्देश्य स्वच्छता एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन को मजबूत करना, स्रोत पर कचरा पृथक्करण को बढ़ावा देना, सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता में सुधार करना तथा स्वच्छता संबंधी पहलों में नागरिकों की सक्रिय भागीदारी को प्रोत्साहित करना है।

आज आयोजित विभिन्न गतिविधियों के तहत सेंट्रल जोन द्वारा करमपुरा वार्ड में सफाई कर्मचारियों के लिए स्वास्थ्य शिविर आयोजित किया गया। पूर्वी जोन के वार्ड 214, आजाद नगर स्थित मलेरिया कार्यालय में स्वच्छता गतिविधियां आयोजित की गईं, जबकि हेडगेवार अस्पताल, विश्वास नगर में मलेरिया कर्मचारियों ने स्वच्छता की शपथ ली। इसके अलावा, ओखला डंपसाइट पर विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया, जिसमें जनप्रतिनिधियों और स्थानीय निवासियों को वहां चल रहे बायोमाइनिंग एवं बायोरेमेडिएशन कार्यों की जानकारी दी गई। कार्यक्रम में लगभग 50 लोगों ने भाग लिया, जिनमें जोन की वार्ड समिति के अध्यक्ष भी शामिल रहे। पश्चिमी जोन में स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान पर केंद्रित वार्ड समिति की बैठक भी आयोजित की गई, जिसका उद्देश्य

अभियान के प्रति अधिक जागरूकता और भागीदारी सुनिश्चित करना था। बैठक के माध्यम से जनभागीदारी को और मजबूत करने तथा जनप्रतिनिधियों को आरडब्ल्यूए, एमटीए और आम नागरिकों के साथ समन्वय कर स्वच्छता संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। अभियान के दौरान एमसीडी द्वारा 'सफाई मित्र सुरक्षा एवं सम्मान शिविर', बाजारों, सार्वजनिक स्थलों, झुग्गी बस्तियों, अस्पतालों, पार्कों, डीएमआरसी स्टेशनों, बस स्टेशनों तथा रेलवे पटरियों के आसपास विशेष स्वच्छता अभियान चलाए जाएंगे। इसके अलावा, चिन्हित क्लीनलिनेस टारगेट यूनिट्स को स्वच्छ एवं बेहतर बनाने पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा। अभियान के तहत चार-तरफा स्रोत पृथक्करण, होम कम्पोस्टिंग, कचरे का जिम्मेदारीपूर्वक हस्तांतरण, कूड़ा न फैलाने और प्लास्टिक-मुक्त व्यवहार को बढ़ावा दिया जाएगा। खुले में कचरा जलाने के खिलाफ भी विशेष अभियान चलाए जाएंगे। अभियान का एक प्रमुख फोकस जीरो वेस्ट कॉलोनियों के निर्माण और उन्हें सुदृढ़ करने पर रहेगा। 800 से अधिक कॉलोनियों को पहले ही जीरो वेस्ट कॉलोनी घोषित किया जा चुका है, जबकि अभियान के दौरान 400 से अधिक अतिरिक्त कॉलोनियों को जीरो वेस्ट कॉलोनी बनाने का लक्ष्य रखा गया है। एमसीडी कचरा बीनने वालों को औपचारिक कचरा संग्रहण व्यवस्था से जोड़ने, होटल, ढाबों और फूड स्टॉल्स को स्वच्छता गतिविधियों में शामिल करने, सार्वजनिक शौचालयों की स्वच्छता एवं रखरखाव में सुधार करने तथा ओखला, भलस्वा और गाजीपुर डंपसाइटों पर पुन:प्राप्त भूमि के उत्सव कार्यक्रम आयोजित करने की दिशा में भी कार्य करेगी। वार्ड स्तर पर निरंतर स्वच्छता और प्रभावी कचरा प्रबंधन को प्रोत्साहित करने के लिए 'स्वच्छता ही सेवा - सर्वश्रेष्ठ स्वच्छ वार्ड पुरस्कार' भी प्रदान किया जाएगा। अभियान का क्रियान्वयन एमसीडी के सभी संबंधित विभागों, जोनल टीमों, कचरा संग्रहण एजेंसियों और सहयोगी एजेंसियों के समन्वय से किया जाएगा। एमसीडी नागरिकों से स्वच्छता ही सेवा 2026 अभियान में सक्रिय रूप से भाग लेने और स्वच्छता को सामूहिक जिम्मेदारी बनाने की अपील करती है।

द्वारका कोर्ट ने उत्तम नगर होली हत्याकांड के आरोपितों की न्यायिक हिरासत 1 अक्टूबर तक बढ़ाई

नई दिल्ली। दिल्ली की द्वारका कोर्ट ने उत्तम नगर में होली के दौरान हुई हत्या के मामले के सभी आरोपितों की न्यायिक हिरासत 1 अक्टूबर तक बढ़ाने का आदेश दिया। एडिशनल सेशंस जज सुशांत चंगोट्रा ने ये आदेश दिया।

आज सुनवाई के दौरान इस मामले के सभी आरोपित वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश हुए। सुनवाई के दौरान इस मामले के आरोपितों रफीक और सुहैल ने दस्तावेजों के परीक्षण के लिए समय देने की मांग की। कोर्ट ने इस मांग को मंजूर करते हुए 24 सितंबर तक दोनों आरोपितों की ओर से दस्तावेजों का परीक्षण कर लेने का आदेश दिया। कोर्ट ने आरोपितों रफीक और सुहैल को 24 सितंबर को वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और शिकायतकर्ता की ओर से 10 अक्टूबर को आरोप तय करने के लिए दलीलें रखने का आदेश दिया। कोर्ट ने सभी आरोपितों को 1 अक्टूबर को मजिस्ट्रेट के समक्ष पेश होने का आदेश दिया। कोर्ट ने 22 मई को 17 आरोपितों के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर संज्ञान लिया था। कोर्ट ने जिन आरोपितों के खिलाफ चार्जशीट पर संज्ञान लिया है, उनमें उमरद्दीन, कमरुद्दीन, जुम्माद्दीन, मुश्ताक, ताहिर, मुजफ्फर ऊर्फ मौजी, सलमा, शरीफन, सायरा बानो ऊर्फ काली, साहिल, समीर चौहान, शकील, मोहम्मद इस्माइल, इमामुद्दीन ऊर्फ लाला खान, अमीन, इमरान और रेहान शामिल हैं। कोर्ट ने इमरान ऊर्फ बंटी को गलती से गिरफ्तार करने और उसके खिलाफ कोई साक्ष्य नहीं होने के बाद जेल से रिहा करने का आदेश दिया था। कोर्ट ने इस बात पर नाराजगी जताई थी की जांच अधिकारी ने इमरान ऊर्फ बंटी को गलत रुप से हिरासत में रखने के बावजूद चार्जशीट दाखिल होने तक कोई कदम नहीं उठाया।

नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान का शुभारंभ

नई दिल्ली। उत्तर रेलवे के महाप्रबंधक राजेश कुमार पाण्डेय ने गुरुवार को नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 'स्वच्छता ही सेवा 2026' अभियान का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने रेल अधिकारियों एवं कर्मचारियों को स्वच्छता की शपथ दिलाई। कार्यक्रम में दिल्ली मंडल के मंडल रेल प्रबंधक पुष्पेश रमण त्रिपाठी सहित उत्तर रेलवे के वरिष्ठ अधिकारी उपस्थित रहे। अभियान के शुभारंभ के अवसर पर महाप्रबंधक एवं वरिष्ठ अधिकारियों ने नई दिल्ली रेलवे स्टेशन के अजमेरी गेट की ओर श्रमदान किया। इस दौरान यात्रियों के बीच स्वच्छता का संदेश पहुंचाने के लिए नुक्कड़ नाटक का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर कहा गया कि यात्रियों में स्वच्छता के संस्कार विकसित करने से स्वच्छ भारत के लक्ष्य को अधिक प्रभावी ढंग से हासिल किया जा सकता है। 'स्वच्छता ही सेवा' अभियान यात्रियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करने और उन्हें जिम्मेदार नागरिक के रूप में अपनी भूमिका निभाने के लिए प्रेरित करने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। रेल प्रशासन ने यात्रियों से अभियान में सक्रिय रूप से सहभागिता करने तथा रेलवे परिसर को स्वच्छ रखने में सहयोग देने की अपील की। साथ ही स्वच्छ एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में योगदान देने का आह्वान किया।

जामिया ने 2 लाइफ साइंसेज कंपनियों के साथ MoU पर हस्ताक्षर किए

सद्भावना टुडे, संवाददाता

नई दिल्ली। जामिया मिल्लिया इस्लामिया (जेएमआई) ने दो लाइफ साइंसेज कंपनियों- NuLife Pvt. Ltd. और Ne&tGen Life Sciences Pvt. Ltd.-के साथ समझौता ज्ञापनों (MoUs) पर हस्ताक्षर किए हैं। यह कदम एकेडेमिया-इंडस्ट्री सहयोग को मजबूत करने और रिसर्च, स्किल डेवलपमेंट तथा इंडस्ट्री-ओरिएंटेड लर्निंग के लिए बेहतर अवसर पैदा करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इन स्ब्ष पर औपचारिक रूप से 14 सितंबर, 2026 को जेएमआई की फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज में आयोजित एक कार्यक्रम में हस्ताक्षर किए गए। इस मौके पर जेएमआई के वाइस चांसलर प्रो. मजहर आसिफ, जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. एम. महताब आलम रिज़वी और जेएमआई की फैकल्टी ऑफ लाइफ साइंसेज के डीन प्रो. मोहम्मद ज़ाहिद अशरफ मौजूद थे। NuLife Pvt. Ltd., नई दिल्ली, लेबोरेटरी, डायग्नोस्टिक और हेल्थकेयर प्रोडक्ट्स के डेवलपमेंट और डिस्ट्रीब्यूशन के काम के लिए जनि जाती है और रिसर्च व एकेडमिक संस्थानों और अस्पतालों की ज़रूरतों को पूरा करती है। इसके पोर्टफोलियो में बायोलॉजिकल प्रोडक्ट्स,

रिएजेंट्स, डायग्नोस्टिक किट्स और मॉलिक्यूलर बायोलॉजी व क्लिनिकल डायग्नोस्टिक्स में मदद करने वाले इंस्ट्रूमेंट्स शामिल हैं। कंपनी ड्रग डिस्कवरी और डेवलपमेंट के लिए AI/ML-बेस्ड हाई-थ्रूपुट स्मॉल-मॉलिक्यूल स्क्रीनिंग के साथ-साथ बायोमार्कर डिस्कवरी और डायग्नोस्टिक एप्लिकेशन्स के लिए मेटाबोलॉमिक, प्रोटिओमिक और जीनोमिक रिसर्च भी करती है। जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. एम. महताब आलम रिज़वी ने वाइस चांसलर की मौजूदगी में NuLife Pvt. Ltd. के मैनेजिंग डायरेक्टर श्री नदीम रहमान को औपचारिक रूप से स्ब्ष सौंपा। श्री रहमान ने कंपनी की विशेषज्ञता के क्षेत्रों और रिसर्च, इनोवेशन, प्रोफेशनल डेवलपमेंट और छात्रों के लिए करियर के अवसरों में जेएमआई के साथ सहयोग की संभावनाओं के बारे में बताया। दूसरा MoU Ne&tGen Life Sciences Pvt. Ltd. और जेएमआई के बीच हस्ताक्षर किया गया। NextGen Life Sciences कई तरह के लाइफ साइंस प्रोडक्ट्स और रिसर्च सॉल्यूशंस प्रदान करती है, और इसकी विशेषज्ञता मॉलिक्यूलर बायोलॉजी, जीनोमिक्स, सीक्वेंसिंग, बायोइनफॉरमैटिक्स और संबंधित डायग्नोस्टिक एप्लिकेशन्स में है। जेएमआई के रजिस्ट्रार प्रो. एम. महताब आलम रिज़वी ने वाइस चांसलर की मौजूदगी में NextGen Life Sciences Pvt. Ltd. की CEO और फाउंडर डॉ. नगमा अब्बासी को स्ब्ष सौंपा। डॉ. अब्बासी ने कंपनी की वैज्ञानिक क्षमताओं और रिसर्च, स्किल डेवलपमेंट, ट्रेनिंग और स्टूडेंट्स व रिसर्चर्स के लिए इंडस्ट्री-ओरिएंटेड मौकों में सहयोग की संभावनाओं पर ज़ोर दिया। इस इवेंट की कोऑर्डिनेटर, सेंटर फॉर इंटरडिसिप्लिनरी रिसर्च इन बेसिक साइंसेज की प्रो. शमा परवीन ने एकेडेमिया और इंडस्ट्री के बीच लगातार जुड़ाव को बढ़ावा देने में स्ब्ष के महत्व को बताया, खासकर नॉलेज एक्सचेंज, एप्लाइड रिसर्च, इनोवेशन और प्रोफेशनल डेवलपमेंट के क्षेत्र में।

एक नजर

पलवल में अवैध पटाखा बनाने के नेटवर्क का भंडाफोड़, 1.72 लाख पटाखा माचिस बरामद

पलवल,एजेंसी। पलवल पुलिस ने अवैध गतिविधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना चांदहट क्षेत्र के गांव घाघोट में अवैध रूप से पटाखे बनाने और पैक करने के एक बड़े नेटवर्क का भंडाफोड़ किया है। पुलिस ने तीन मकानों पर छापेमारी कर 360 पेटियों में 1,72,800 पटाखा माचिस बरामद की हैं। कार्रवाई के दौरान तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। पुलिस उनकी गिरफ्तारी के लिए दबिश दे रही है। थाना चांदहट प्रभारी निरीक्षक भगवान ने गुरूवार को जानकारी देते हुए बताया कि पुलिस टीम गश्त और अपराध तलाश के दौरान कटेसरा गांव के पास मौजूद थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि घाघोट निवासी लियाकत, जहीर और सकुर, तीनों पुत्र फजरुदीन, बिना लाइसेंस और परमिट के अपने-अपने मकानों में अवैध रूप से पटाखे यानी कलर माचिस बनाने और पैक करने का काम कर रहे हैं। टीम को देखकर तीनों आरोपी मौके से फरार हो गए। ड्यूटी मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पुलिस ने आरोपियों के मकानों की तलाशी ली। इस दौरान लियाकत के मकान से 124 पेटी, जहीर के मकान से 139 पेटी और सकुर के मकान से 97 पेटी पटाखे बरामद किए गए। पुलिस के अनुसार, कुल 360 पेटियों में प्रत्येक पेटी में 48 बॉक्स और प्रत्येक बॉक्स में 10 माचिस थीं। इस हिसाब से कुल 17,280 बॉक्स और 1,72,800 पटाखा माचिस बरामद की गई हैं। पुलिस ने बरामद सामग्री को कब्जे में लेकर नियमानुसार सील कर दिया। पुलिस ने लियाकत, जहीर और सकुर के खिलाफ थाना चांदहट में विस्फोटक अधिनियम तथा भारतीय न्याय संहिता की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। फरार आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए पुलिस टीम लगातार उनके संभावित ठिकानों पर दबिश दे रही है।

पूर्व मंत्री गोपाल कांडा के तीन ठिकानों पर ईडी की छापेमारी

गुरुग्राम। ईडी ने गुरुवार को हरियाणा के पूर्व गृह राज्य मंत्री गोपाल कांडा के गुरुग्राम स्थित तीन ठिकानों पर छापामारी की है। इस कार्रवाई के दौरान ईडी द्वारा कांडा के आवास, फार्महाउस और कार्यालय की तलाशी ली गई। ईडी की यह छापामारी रियल एस्टेट कंपनी की ओर से की गई कथित हेराफेरी को लेकर की जा रही है। ईडी के अधिकारियों के अनुसार जांच के दायरे में वाटिका लिमिटेड के चार रियल एस्टेट प्रोजेक्ट हैं। इन परियोजनाओं में करीब 661 निवेशकों से लगभग 248.46 करोड़ रुपये जुटाए गए थे। निवेशकों को समय पर कब्जा देने, सुनिश्चित रिटर्न, लीज रेंटल और सेल डीड पूरा करने का भरोसा दिया गया था, लेकिन आज तक निवेशकों को ना तो कब्जा दिया गया और ना ही सेल डीड पूरी की गई।

जांच में सामने आए वित्तीय लेन-देन के आधार पर ईडी यह पता लगाने में जुटी है कि निवेशकों से ली गई रकम कहां-कहां ट्रांसफर की गई है। ईडी इस मामले में फंड की मूवमेंट को ट्रेस करन में जुटी है। एजेंसी के मुताबिक, डायवर्ट की गई रकम बाद में गोपाल कांडा से जुड़ी विभिन्न कंपनियों में स्थानांतरित किए जाने का संदेह है। ईडी कार्रवाई के दौरान वित्तीय लेन-देन से जुड़े दस्तावेज और अन्य डिजिटल साक्ष्यों की जांच की जा रही है। एजेंसी यह भी खंगाल रही है कि निवेशकों से जुटाई गई रकम किन-किन खातों और कंपनियों में ट्रांसफर की गई है। बता दें कि यह गोपाल कांडा से जुड़े परिसरों पर ईडी की पहली कार्रवाई नहीं है। इससे पहले भी 2023 में एजेंसी उनके ठिकानों पर कार्रवाई कर चुकी है। मौजूदा कार्रवाई वाटिका लिमिटेड से जुड़े कथित रियल एस्टेट धोखाधड़ी और मनी लॉन्ड्रिंग की जांच को लेकर की जा रही है।

द्वारका एक्सप्रेस-वे पर चार युवकों को कार ने कुचला, दो की मौत

गुरुग्राम। द्वारका एक्सप्रेसवे पर बुधवार देर रात तेज रफ्तार कार का कहर देखने को मिला। श्रीराम चौक के पास डिवाइडर पर लोहे की ग्रील लगा रहे चार मजदूर युवकों को कार ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि दो अन्य युवक और कार चालक गंभीर रूप से घायल हो गए। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि कार बेकाबू होकर ग्रीन बेल्ट में जा घुसी और इसके बाद रेलिंग से टकराकर रुक गई। मृतकों की पहचान उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर निवासी बिजेंद्र और पप्पू के रूप में हुई है। वहीं सतीश चंद और राम कुमार गंभीर रूप से घायल हुए हैं। कार चालक की पहचान गुरुग्राम के इंडिया बुल्स एनिग्मा, सेक्टर-110 निवासी 20 वर्षीय वेदान्त खन्ना के रूप में हुई है। वह दिल्ली विश्वविद्यालय का छात्र बताया जा रहा है।

पुलिस के अनुसार, श्रीराम चौक के पास एक्सप्रेसवे के डिवाइडर को सुरक्षित करने के लिए लोहे की ग्रील लगाने का काम चल रहा था। चारों युवक इसी काम में जुटे थे। ग्रील लगाने के बाद बिजेंद्र और पप्पू उसके पेच कस रहे थे, जबकि सतीश और राम कुमार ग्रील को पकड़कर खड़े थे। इसी दौरान दिल्ली की ओर से आई तेज रफ्तार कार ने उन्हें सीधी टक्कर मार दी। कार को अपनी ओर आता देखकर सतीश और राम कुमार ने जान बचाने के लिए ग्रीन बेल्ट की ओर छलांग लगा दी, लेकिन कार की रफ्तार इतनी अधिक थी कि वह ग्रीन बेल्ट में भी जा घुसी और दोनों को अपनी चपेट में ले लिया। इसके बाद कार रेलिंग से जा टकराई। हादसे में चालक वेदान्त भी गंभीर रूप से घायल हो गया।

नोएडा में विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों ने की आत्महत्या, 5 की संदिग्ध अवस्था में मौत

नोएडा। नोएडा के विभिन्न जगहों पर रहने वाले तीन लोगों ने मानसिक तनाव के चलते आत्महत्या कर लिया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं विभिन्न जगहों पर रहने वाले पांच लोगों की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक राम प्रकाश शर्मा ने बताया कि बरौला गांव में रहने वाले अंकित कुमार पुत्र देव प्रकाश उम्र 33 वर्ष ने अपने घर पर मानसिक तनाव के चलते जहरीला पदार्थ खा लिया था। उन्हें उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती करवाया गया था। बीती रात को उपचार के दौरान उनकी मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि घटना की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

थाना सेक्टर- 142 के प्रभारी निरीक्षक संजय कुमार सिंह ने बताया कि शीला कुमारी पुत्री गणेश उम्र 22 वर्ष थाना सेक्टर 142 क्षेत्र में रहती थी। उन्होंने बीती रात को मानसिक तनाव के चलते अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया। उन्होंने बताया कि घटना

की सूचना पाकर मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना दनकौर क्षेत्र में रहने वाली साक्षी उम्र 23 वर्ष ने बीती रात को अज्ञात कारण से अपने घर पर पंखे से फंदा लगाकर आत्महत्या कर लिया है। थाना प्रभारी मनोज कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस मामले की जांच कर रही है।

थाना बिसरख के प्रभारी निरीक्षक रंजीत कुमार सिंह ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले अन्ना वादुल उम्र 18 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में बीती रात को मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 49 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि थाना क्षेत्र में रहने वाले देवा थापा निवासी सेक्टर 51 उम्र 46 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थाना सेक्टर 39 के प्रभारी निरीक्षक ने बताया कि एक 63 वर्षीय अज्ञात व्यक्ति की बीमारी के चलते मौत हो गई है। पुलिस शव की पहचान कराने का प्रयास कर रही है। थाना ईकोटेक -3 के प्रभारी मुनेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि राजीव कुमार उम्र 40 वर्ष की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई है। पुलिस शव का पोस्टमार्टम करवा रही है। उन्होंने बताया कि आयशा (30) पत्नी आरिफ की अज्ञात कारण से मौत हो गई है। मौत के कारण का पता लगाने के लिए पुलिस शव का

प्रधानमंत्री मोदी ने दिव्यांगजनों के हित में चलाई अनेकों योजनाएं : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद। सेवा संकल्प अभियान के शुभारंभ अवसर पर गुरुवार को सेक्टर-27 स्थित रुद्रा बैंक्वेट हॉल में दिव्यांगजनों के लिए नि:शुल्क ई-स्कूटर वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कृष्ण पाल गुर्जर ने बतौर मुख्य अतिथि शिरकत करते हुए एलिम्को एवं विभिन्न सीएसआर संस्थाओं के सहयोग से 200 दिव्यांगजनों को नि:शुल्क ई-स्कूटर वितरित किए। उन्होंने कहा कि सेवा संकल्प अभियान के तहत 5 करोड़ की लागत से कुल 500 लाभार्थियों को नि:शुल्क ई-स्कूटर उपलब्ध करवाए जाएंगे, ताकि दिव्यांगजन अधिक आत्मनिर्भर बन सकें और उन्हें आवागमन में सुविधा मिल सके। कार्यक्रम के दौरान केंद्रीय राज्यमंत्री कृष्ण पाल गुर्जर ने रक्तदान शिविर का शुभारंभ किया। उन्होंने थैलेसीमिया जैसी गंभीर बीमारी से जूझ रहे 85 बच्चों को उपहार भी वितरित किए और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। उन्होंने कहा कि समाज के कमजोर एवं जरूरतमंद वर्गों की सेवा करना हम सभी की सामूहिक जिम्मेदारी है और सेवा संकल्प अभियान इसी भावना को आगे बढ़ाने का माध्यम है। इसी कड़ी में केंद्रीय राज्यमंत्री ने मेवला महाराजपुर स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर में आयोजित स्वास्थ्य जांच शिविर का भी शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि मेवला महाराजपुर स्थित अर्बन हेल्थ सेंटर को सब-डिवीजन अस्पताल में परिवर्तित करने का प्रस्ताव स्वीकृत हो चुका है। उन्होंने कहा कि जल्द ही इसे आधिकारिक रूप से सब-डिवीजन अस्पताल के रूप में परिवर्तित करने की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे क्षेत्र के लोगों को बेहतर एवं व्यापक स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध हो सकेंगी।

डूसू चुनाव हिंसा पर हाई कोर्ट सख्त, 18 सितंबर तक कार्रवाई की जानकारी मांगी

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने दिल्ली यूनिवर्सिटी स्टूडेंट्स यूनियन (डूसू) चुनाव प्रचार के अंतिम दिन हुई हिंसा के मामले पर सख्त रुख अपनाया है। चीफ जस्टिस डीके उपाध्याय की अध्यक्षता वाली बेंच ने कहा कि लोकतंत्र को आपराधिक समाज के रुप में तब्दील नहीं किया जा सकता है। उच्च न्यायालय ने इस मामले में दिल्ली यूनिवर्सिटी , दिल्ली पुलिस और दिल्ली सरकार से कल यानि 18 सितंबर तक रिपोर्ट दाखिल करने का निर्देश दिया है। सुनवाई के दौरान कोर्ट ने दिल्ली पुलिस और दिल्ली यूनिवर्सिटी से सख्त लहजे में पूछा कि 16 सितंबर की घटना हुई और न आपने एफआईआर दर्ज किया और किसी की गिरफ्तारी की। कोर्ट ने कहा कि एनफ इज एनफ। हम इस तरह के आपराधिक बर्ताव को सहन नहीं कर सकते हैं। कोर्ट ने कहा कि ऐसी घटनाएं हर साल के छात्र संघ के चुनाव में होती हैं।

सुनवाई के दौरान याचिकाकर्ता प्रशांत मनचंदा ने कहा कि उच्च न्यायालय ने 2025 में कुछ दिशा-निर्देश जारी किए थे। इसके बावजूद 16 सितंबर को जमकर मारपीट, तोड़फोड़ हुई। गुंडा तत्वों ने पूरा नॉर्थ कैंपस पर कब्जा कर रखा था। जिसके बाद कुछ प्रोफेसर और छात्रों ने उच्च न्यायालय आने को कहा। मनचंदा ने कहा कि 16 सितंबर का दिन डूसू चुनाव के लिए इतिहास का सबसे काला दिन था। कुछ लॉ स्टूडेंट को इसलिए पीटा गया क्योंकि वे फोटोग्राफ ले रहे थे। गुंडा तत्व यूनिवर्सिटी के बाहर के थे और उनके हाथों में लाठी थी। तब कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से कहा कि आपको चुनाव रद्द करने या बाद में करने पर विचार करना होगा। छात्र संगठन भी इस याचिका में पक्षकार हैं। जब नोटिस जारी होगा तभी वे पेश होंगे। कोर्ट ने कहा कि भले की प्रशासन गैरजिम्मेदार हो, लेकिन छात्रों को जिम्मेदार होना चाहिए। हम इसकी अनुमति नहीं देंगे कि आप शिक्षकों को पीटें और बंदूकें लहराएं। कोर्ट ने दिल्ली यूनिवर्सिटी से कहा कि अगर आप स्थिति नहीं संभाल सकते तो हम चुनाव रद्द कर देंगे। चीफ जस्टिस ने कहा कि उनकी खुद की बेटी और भतीजी यूनिवर्सिटी में पढ़ती हैं। उनका क्या होगा। ये वाकया हर साल हो रहा है। सुनवाई के दौरान एएसजी चेतन शर्मा ने उच्च न्यायालय की चिंताओं से सहमति जताई। दोषियों पर कार्रवाई होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि 13 अगस्त को आदर्श आचार संहिता लागू हुआ। 16 सितंबर की शाम 5 बजे के बाद कोई कैंपेन नहीं हुआ और यूनिवर्सिटी कैंपस पूरे तरीके से शांत है।

नोएडा में विभिन्न जगहों से 11 लुटेरे गिरफ्तार, लूटे हुए 68 मोबाइल फोन, लैपटॉप और नगदी बरामद

अशोक कुमार, सद्भावना टुडे

नोएडा। नोएडा पुलिस ने विभिन्न जगहों से 11 बदमाशों को गिरफ्तार कर उनके पास से लूटे हुए 68 कीमती मोबाइल फोन, लैपटॉप, नगदी, अवैध हथियार आदि बरामद किया है। पुलिस उपायुक्त सेंट्रल जोन शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि थाना सेक्टर 63 पुलिस ने एक सूचना के आधार पर बृहस्पतिवार को गर्वित गोयल, अमन, हर्ष कुमार तथा रोहित कुमार को गिरफ्तार किया है। इनके गिरफ्तारी एफएनजी गोल चक्कर के पास से हुई है। उन्होंने बताया कि इनके पास से पुलिस ने विभिन्न जगहों से लूटे हुए 24 मोबाइल फोन, एक लैपटॉप, 8000 नगद, अवैध हथियार तथा घटना में प्रयुक्त दो मोटरसाइकिल बरामद किया है। इन बदमाशों एनसीआर में लूटपाट की दर्जनों वारदातें करनी स्वीकार की है। इन बदमाशों ने एक इंजीनियर से उसका लैपटॉप, मोबाइल फोन और एटीएम कार्ड लूट लिया था, तथा उसके खाते से रकम निकाल ली थी।

डीसीपी ने बताया कि कि एक अन्य मामले में थाना फेस दो पुलिस ने भंगेल गांव के पास से एक बाइक पर सवार दो बदमाशों को गिरफ्तार किया है।उन्होंने बताया कि पकड़े गए बदमाशों के पास से पुलिस को 22 मोबाइल फोन और दो चाकू मिला

है। बाइक के संबंध में पता चला कि वह चोरी की है। आरोपियों की पहचान बिहार के जिला सुपौल निवासी संतोष चौधरी और जिला बदायूं के बिल्सी निवासी फारूख उर्फ सफीया के रूप में हुई। संतोष वर्तमान में निठारी गांव और फारुख हल्द्वानी गांव में रहता है। पूछताछ में दोनों ने बताया कि वे एनसीआर में चोरी की बाइक से मोबाइल फोन चोरी और झपटमारी करते। नोएडा जोन की एडीसीपी मनीषा सिंह ने बताया कि पुलिस थाना सेक्टर 58 पुलिस ने बीती रात को एक सूचना के आधार पर जुबलियेंट पार्क के पास से मोबाइल फोन चोरी/झपटमारी करने वाले तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। आरोपियों की पहचान जिला फर्रुखाबाद के दौलतपुर गांव निवासी अतुल गौतम, बिहार के जिला सहरसा के जलसीमा गांव निवासी नितीश चौहान और जिला हरदोई के हसोरा गांव निवासी रिशू पांडेय के रूप में हुई।तीनों आरोपी वर्तमान में गाजियाबाद की खोड़ा कॉलोनी में किराये पर रहते हैं। उनके साथ मिले दो नाबालिगों को भी अभिरक्षा मे लिया गया। सभी के पास से झपटमारी के 22 मोबाइल फोन, चोरी की बाइक और दो चाकू बरामद हुए। पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि गिरोह के सदस्य झपटमारी के दौरान नाबालिगों को आगे रखते, ताकि किसी को उन पर शक न हो।

ताहिरपुर कुष्ठ परिसर में 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के तहत 2,000 दीप प्रज्वलित

नई दिल्ली,एजेंसी। दिल्ली के समाज कल्याण विभाग ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिवस के अवसर पर 'आशीर्वाद का दीया' अभियान के अंतर्गत आज ताहिरपुर कुष्ठ परिसर में विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और उत्तर-पूर्वी दिल्ली के सांसद मनोज तिवारी ने कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों, स्वयंसेवियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर प्रधानमंत्री मोदी के दीर्घायु, उत्तम स्वास्थ्य एवं निरंतर राष्ट्रसेवा की कामना करते हुए दीप प्रज्वलित किए। इस अवसर पर परिसर में निवास कर रहे कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों द्वारा 2,000 दीप प्रज्वलित किए गए।

कार्यक्रम में प्रधानमंत्री मोदी को शुभकामनाओं से सजी फूलों की रंगोली को सैकड़ों दीपों से समाज कल्याण मंत्री रविंद्र इंद्राज सिंह और सांसद मनोज तिवारी ने स्वयंसेवियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं के साथ मिलकर रोशन किया। इस अवसर पर मंत्री इन्द्राज सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति तक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने का निरंतर प्रयास किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिवस पर कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के बीच 'आशीर्वाद का दीया' जलाकर उनके स्वस्थ एवं दीर्घायु जीवन की कामना करना सेवा और सम्मान की भावना का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ताहिरपुर कुष्ठ परिसर समाज कल्याण विभाग के अंतर्गत एक महत्वपूर्ण परिसर है और यहां निवास कर रहे लोगों की सुविधाओं, आवास तथा अन्य आवश्यकताओं को बेहतर बनाने के लिए सरकार प्रतिबद्ध है। मंत्री इंद्राज ने कहा कि परिसर के निवासियों द्वारा उनके समक्ष रखी गई मांगों पर सरकार गंभीरता सेह्व विचार करेगी। उन्होंने पेंशन में वृद्धि, परिसर के नवीनीकरण तथा आवश्यक सुविधाओं में सुधार का आश्वासन देते हुए कहा कि कुष्ठ प्रभावित व्यक्तियों के सम्मान और कल्याण से जुड़े कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य समाज के प्रत्येक वर्ग को साथ लेकर चलना और जरूरतमंद लोगों को सम्मानजनक जीवन के लिए आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराना है।

18 दिन बाद फिर हुई एसई की निगम में वापसी

फरीदाबाद। फरीदाबाद नगर निगम के सुपरिटेंडेंट इंजीनियर (एसई) ओमवीर सिंह की 18 दिन बाद नगर निगम में वापसी हो गई है। 30 अगस्त को एक पार्षद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी वाले ऑडियो के वायरल होने के बाद उनका तबादला यमुनानगर कर दिया गया था। अब उन्हें दोबारा फरीदाबाद नगर निगम में तैनाती दी गई है। ओमवीर सिंह से जुड़ा एक ऑडियो 30 अगस्त को सोशल मीडिया पर वायरल हुआ था। इसमें एक पार्षद के खिलाफ कथित तौर पर आपत्तिजनक टिप्पणी किए जाने का आरोप लगा था। ऑडियो सामने आने के बाद मामला तेजी से चर्चा में आया और निगम अधिकारियों से लेकर राजनीतिक गलियारों तक इसकी गूंज सुनाई दी। ऑडियो वायरल होने के बाद पूर्वांचल समाज के लोग भी मामले को लेकर एकजुट हो गए थे। समाज के लोगों ने ओमवीर सिंह के खिलाफ कार्रवाई की मांग उठाई और मामले को लेकर बड़े अधिकारियों से मुलाकात की। लोगों ने अधिकारियों को ज्ञापन सौंपकर अपनी नाराजगी दर्ज कराई थी।

यातायात नियमों को लेकर सख्त हुई नूंह पुलिस, पांच माह में बिना नंबर प्लेट 12,940 चालान

नूंह। नूंह जिले में यातायात नियमों की अवहेलना करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ पुलिस ने सख्त अभियान छेड़ रखा है। पुलिस की ओर से लगातार की जा रही वाहन जांच के सकारात्मक परिणाम सामने आ रहे हैं। इसी कड़ी में यातायात पुलिस ने पिछले करीब पांच माह में बिना नंबर प्लेट चल रहे 12,940 वाहनों के चालान किए हैं, जबकि 405 वाहनों को जब्त किया गया है।

यातायात थाना प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन के निर्देश पर जिले में अलग-अलग पुलिस टीमों द्वारा नियमित रूप से वाहन जांच अभियान चलाया जा रहा है। विशेष रूप से बिना नंबर प्लेट, बिना हेलमेट, ट्रिपल राइडिंग समेत अन्य यातायात नियमों का उल्लंघन करने वाले वाहन चालकों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह अभियान एक अप्रैल से 16 सितंबर 2026 तक लगातार चलाया गया। पुलिस के अनुसार बिना नंबर प्लेट वाहनों के खिलाफ कार्रवाई से चोरी की मोटरसाइकिलों की बरामदगी में भी मदद मिली है। पुलिस का कहना है कि ऐसे वाहनों का अपराध में इस्तेमाल होने की आशंका रहती है और नंबर प्लेट नहीं होने की स्थिति में वारदात के बाद वाहन की पहचान करना मुश्किल हो जाता है। वहीं चोरी के वाहनों को बिना नंबर प्लेट चलाए जाने की संभावना से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पुलिस अधीक्षक डॉ. अर्पित जैन ने कहा कि यातायात नियमों को लेकर की जा रही सख्ती का उद्देश्य लोगों को परेशान करना नहीं, बल्कि सड़क हादसों में होने वाली मौतों को रोकना है। उन्होंने कहा कि ट्रिपल राइडिंग और बिना हेलमेट दोपहिया वाहन चलाना हादसे की स्थिति में जानलेवा साबित हो सकता है। एसपी ने बताया कि कार्यभार संभालने के शुरुआती दिनों में नूंह पहाड़ घाटी में हुए एक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हुई थी। पुलिस के अनुसार सिर में गंभीर चोट और हेलमेट नहीं पहनना उसकी मौत का प्रमुख कारण रहा। उन्होंने कहा कि मेवात क्षेत्र में बड़ी संख्या में युवा मोटरसाइकिलों का इस्तेमाल करते हैं और यातायात नियमों की अनदेखी के कारण सड़क हादसों का खतरा बढ़ जाता है।

पलवल : पूर्व सैनिक को बेहोश कर लूटा, लाइसेंसी पिस्टल व कारतूस ले गए बदमाश

पलवल। नेशनल हाईवे-19 पर मुंडकटी थाना क्षेत्र में ईको गाड़ी में सवार बदमाशों ने सेना के सेवानिवृत्त जवान से मारपीट कर उसकी लाइसेंसी पिस्टल, 19 कारतूस, मोबाइल फोन और जरूरी दस्तावेज लूट लिए। वारदात के बाद बदमाश पीड़ित को गुदराना रोड के पास सड़क किनारे घायल हालत में छोड़कर फरार हो गए। राहगीर की सूचना पर पुलिस ने पूर्व फौजी को अस्पताल पहुंचाया। मुंडकटी थाना पुलिस ने अज्ञात ईको चालक और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। मुंडकटी थाना प्रभारी कैलाशचंद ने गुरूवार को जानकारी देते हुए उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी नरेश कुमार सेना से सेवानिवृत्त हैं और वर्तमान में बल्लभगढ़ में सुरक्षाकर्मी के तौर पर काम करते हैं। नरेश कुमार ड्यूटी के सिलसिले में बल्लभगढ़ आए थे। वहां साथी सुरक्षाकर्मी नहीं मिलने पर वह अपना बैग और लाइसेंसी पिस्टल लेकर घर वापस जाने के लिए बल्लभगढ़ बस स्टैंड पहुंचे। नरेश कुमार अलीगढ़ जाने के लिए बल्लभगढ़ बस स्टैंड से एक ईको गाड़ी में सवार हुए। वह गाड़ी की कंडक्टर सीट पर बैठे थे, जबकि अपना बैग उन्होंने पीछे रख दिया था। उनके पास कमर की बेल्ट में लाइसेंसी पिस्टल, 19 कारतूस, पिस्टल का लाइसेंस, पहचान पत्र और मोबाइल फोन था।

शिकायत के अनुसार, बल्लभगढ़ से कुछ किलोमीटर आगे जाने के बाद नरेश कुमार अचानक बेहोश हो गए। उन्हें होश आया तो वह मुंडकटी थाना क्षेत्र के गुदराना रोड पर सड़क किनारे पड़े हुए थे। उनके सिर में चोट लगी हुई थी और पिस्टल सहित उनका सामान गायब था। सड़क किनारे घायल और बेहोशी की हालत में पड़े नरेश कुमार को एक राहगीर ने देखा। उसने तुरंत डायल 112 पर पुलिस को सूचना दी। पुलिस मौके पर पहुंची और घायल को उपचार के लिए सरकारी अस्पताल होडल पहुंचाया। बाद में परिजनों के पहुंचने पर उन्हें पलवल के जिला नागरिक अस्पताल में भर्ती कराया गया। मुंडकटी थाना पुलिस ने नरेश कुमार की शिकायत पर अज्ञात ईको चालक और उसके साथियों के खिलाफ मामला दर्ज कर लिया है।

पलवल : तालाब की जमीन पर निर्माण और 83 हजार के गबन का आरोप, पहाड़ी की महिला सरपंच पर धोखाधड़ी का केस

पलवल,एजेंसी। जिले के पहाड़ी गांव की वर्तमान सरपंच प्रियंका के खिलाफ सरकारी तालाब की जमीन पर अवैध निर्माण कराने और पंचायत फंड की 83 हजार रुपये की राशि अपने निजी बैंक खाते में स्थानांतरित करने के आरोप में धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। यह कार्रवाई सीएम फ्लाइंग की जांच रिपोर्ट के आधार पर हुई है। पुलिस ने मामले में पंचायत विभाग के अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच शुरू कर दी है।

सीएम फ्लाइंग के निरीक्षक भगत सिंह ने गुरुवार को बताया कि टीम को सूचना मिली थी कि पहाड़ी गांव में नियमों की अनदेखी कर विकास कार्य कराए जा रहे हैं। शिकायत के आधार पर की गई जांच में सामने आया कि शोभनाकी तालाब की जमीन को समतल कर वहां निर्माण कार्य कराए गए। जांच में यह भी सामने आया कि तालाब को पाटकर करीब 10 मरला जमीन पर जनरल चौपाल का निर्माण कराया गया और बीपीएल कॉलोनी के प्लॉटों तक पहुंचने के लिए रास्ते तैयार किए गए। जांच के अनुसार फरवरी 2021 से फरवरी 2023 के

बीच पंचायत का प्रभार बीडीपीओ और तत्कालीन ग्राम सचिव के पास था। इस दौरान जोहड़ की जमीन पर रास्ते पक्के करने के नाम पर चार लाख 85 हजार 895 रुपये खर्च किए गए। सीएम फ्लाइंग ने इन कार्यों को लेकर भी जांच की है। वहीं, वर्तमान सरपंच प्रियंका के कार्यकाल में ग्राम सचिवालय के लिए मिट्टी भराई, बीपीएल कॉलोनी के रास्तों को पक्का करने और नालियों के निर्माण सहित विभिन्न कार्यों पर 29 लाख 92 हजार 698 रुपये खर्च किए जाने का रिकॉर्ड सामने आया। जांच के दौरान पंचायत फंड से 83 हजार रुपये की राशि निजी बैंक खाते में स्थानांतरित किए जाने का मामला भी सामने आया। रिपोर्ट के अनुसार 23 मई 2025 को ग्राम सचिवालय में मिट्टी भराई के नाम पर 83 हजार रुपये सरपंच प्रियंका के निजी बैंक खाते में ट्रांसफर किए गए। सीएम फ्लाइंग की जांच में इस राशि के भुगतान से संबंधित कोई ऐसा रिकॉर्ड नहीं मिला, जिससे यह स्पष्ट हो सके कि 83 हजार रुपये का भुगतान किस व्यक्ति या संस्था को किया गया था। सीएम फ्लाइंग निरीक्षक भगत सिंह की शिकायत पर बहीन थाना पुलिस ने सरपंच प्रियंका के खिलाफ धोखाधड़ी सहित विभिन्न धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। साथ ही पंचायत विभाग से जुड़े अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जा रही है।

आतंकी मसूद पर पाकिस्तान की नई नौटंकी

सुरेश हिंदुस्तानी

आतंकवाद के प्रश्न पर पाकिस्तान की भूमिका लंबे समय से विश्व समुदाय के लिए चिंता का विषय रही है। आतंकवाद के विरुद्ध कठोर कार्रवाई का दिखावा और आतंकी संगठनों के प्रति नरम रवैया, पाकिस्तान की विदेश एवं सुरक्षा नीति के इस विरोधाभासी चरित्र ने उसकी विश्वसनीयता को लगातार कठघरे में खड़ा किया है। आतंकी सरगना मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान की हालिया कार्रवाई भी इसी विरोधाभास की एक नई कड़ी के रूप में देखी जा रही है। उसे भगोड़ा घोषित करना और उसकी गिरफ्तारी पर इनाम की घोषणा करना पहली दृष्टि में कठोर कार्रवाई का संकेत देता है, लेकिन पाकिस्तान के पिछले रिकॉर्ड को देखते हुए इसके पीछे की वास्तविक मंशा पर प्रश्न उठना स्वाभाविक है। मसूद अजहर कोई सामान्य अपराधी नहीं है। वह भारत में हुए अनेक आतंकी हमलों से जुड़े उन कुख्यात चेहरों में रहा है, जिनकी गतिविधियों ने न केवल भारत की सुरक्षा को चुनौती दी, बल्कि दक्षिण एशिया में आतंकवाद के नेटवर्क की भयावहता को भी उजागर किया। वर्ष 1999 में इंडियन एयरलाइंस के विमान के अपहरण के बाद यात्रियों की रिहाई के बदले भारत को जिन आतंकवादियों को छोड़ना पड़ा, उनमें मसूद अजहर भी शामिल था। इसके बाद उसने आतंकवादी गतिविधियों के जिस नेटवर्क को आगे बढ़ाया, उसने भारत की सुरक्षा व्यवस्था के सामने गंभीर चुनौतियां खड़ी कीं। विडंबना यह है कि जिस व्यक्ति को भारत लंबे समय से आतंकवाद का प्रमुख चेहरा मानता रहा है, उसी मसूद अजहर को लेकर पाकिस्तान अब यह दावा कर रहा है कि वह उसकी पकड़ से बाहर है और संभवत: अफगानिस्तान में छिपा हुआ है। यदि यह दावा सही है तो सवाल यह उठता है कि पाकिस्तान की सुरक्षा और खुफिया एजेंसियां इतने कुख्यात आतंकी के संबंध में इतनी अनभिज्ञ कैसे हो सकती हैं? और यदि वह पाकिस्तान से बाहर है तो उसके संगठनात्मक नेटवर्क, आर्थिक संसाधनों और संपर्कों पर कार्रवाई क्यों दिखाई नहीं देती? यहीं से पाकिस्तान की कार्रवाई पर संदेह की परतें गहरी होने लगती हैं।

पाकिस्तान की जांच एजेंसी एफआईए द्वारा मसूद अजहर को अपने अत्यंत खतरनाक आतंकवादियों की सूची में शामिल किया जाना अपने आप में महत्वपूर्ण घटनाक्रम है। लेकिन केवल किसी आतंकी को सूचीबद्ध कर देना आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कार्रवाई नहीं माना जा सकता। असली कसौटी गिरफ्तारी, न्यायिक प्रक्रिया, आतंकी नेटवर्क का विघटन और उसके वित्तीय स्रोतों पर प्रभावी प्रहार है। यदि कार्रवाई केवल कागजों तक सीमित रह जाए, तो वह आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष नहीं, बल्कि अंतरराष्ट्रीय दबाव को टालने की प्रशासनिक कवायद बनकर रह जाती है। भारत के सुरक्षा तंत्र से जुड़े इनपुट यदि यह संकेत देते हैं कि मसूद अजहर पाकिस्तान में ही छिपा हुआ है, तो पाकिस्तान के दावे की विश्वसनीयता और भी संदिग्ध हो जाती है। हालांकि ऐसे खुफिया दावों की स्वतंत्र पुष्टि आवश्यक होती है, लेकिन पाकिस्तान का अतीत उसके वर्तमान दावों पर सहज विश्वास करने की अनुमति नहीं देता। पाकिस्तान का यह दोहरा चरित्र नया नहीं है। दुनिया पहले भी देख चुकी है कि आतंकवाद के विरुद्ध कार्रवाई का दावा करने वाला पाकिस्तान अपनी ही धरती पर छिपे कुख्यात आतंकवादियों की मौजूदगी से लंबे समय तक इनकार करता रहा। ओसामा बिन लादेन का पाकिस्तान में पाया जाना इस संदर्भ में सबसे चर्चित उदाहरण है। अमेरिकी कार्रवाई में एबटाबाद में लादेन के मारे जाने के बाद पाकिस्तान के उन दावों की विश्वसनीयता पर गंभीर प्रश्न उठे थे, जिनमें वह अपनी धरती पर आतंकवादी सरगनाओं की मौजूदगी से अनभिज्ञता जताता रहा था।

आतंकी मसूद अजहर पर पाकिस्तान सरकार की कार्यवाही को इसलिए भी संदेह की दृष्टि से देखा जा रहा है, क्योंकि पाकिस्तान में आतंकी सरगनाओं पर न तो सरकार का नियंत्रण है और न ही सेना की ही चलती है। आतंकियों का अपना एक तंत्र है। जिनमें कोई भी दखल नहीं दे सकता। पाकिस्तान में तीन शक्ति केंद्र माने जाते हैं, जिनमें सरकार, सेना और आतंकवादी हैं। कई बार यह भी देखने में आता है कि वहां की सरकार किसकी होगी, यह आतंकी और सेना तय करती है। इसलिए सरकार, आतंकियों पर कठोर कार्यवाही करने का सामर्थ्य नहीं जुटा पाती। और आतंकी फलीभूत होते रहते हैं। इस पृष्ठभूमि में मसूद अजहर पर घोषित इनाम को केवल कानून-व्यवस्था की कार्रवाई के रूप में देखना कठिन है। इसके पीछे पाकिस्तान की अंतरराष्ट्रीय छवि सुधारने की मंशा भी दिखाई देती है। विशेषकर आतंकवाद के वित्तपोषण और धनशोधन से जुड़े अंतरराष्ट्रीय मानकों के संदर्भ में पाकिस्तान पर लगातार दबाव रहा है। ऐसे समय में किसी कुख्यात आतंकी के विरुद्ध सार्वजनिक कार्रवाई का प्रदर्शन अंतरराष्ट्रीय संस्थाओं को यह संदेश देने का प्रयास हो सकता है कि पाकिस्तान आतंकवाद के विरुद्ध सक्रिय है। लेकिन आज विश्व पहले की तुलना में कहीं अधिक सतर्क है। आतंकवाद के विरुद्ध संघर्ष में अब केवल घोषणाएं पर्याप्त नहीं हैं। अंतरराष्ट्रीय समुदाय यह देखता है कि आतंकवादी संगठनों की वित्तीय धमनियां कितनी प्रभावी ढंग से रोकी गईं, उनके प्रशिक्षण शिविरों और नेटवर्क पर क्या कार्रवाई हुई, आतंकी सरगनाओं को न्याय के कठघरे में कब लाया गया और आतंकवाद को संरक्षण देने वाली संरचनाओं को कितना ध्वस्त किया गया। पाकिस्तान की आर्थिक स्थिति भी उसके लिए एक बड़ी चुनौती है। विदेशी सहायता, ऋण और अंतरराष्ट्रीय वित्तीय संस्थाओं से मिलने वाली आर्थिक सहायता उसके लिए अत्यंत महत्वपूर्ण है। ऐसे में आतंकवाद के वित्तपोषण को लेकर अंतरराष्ट्रीय दबाव उसके आर्थिक हितों से सीधे जुड़ जाता है। यदि पाकिस्तान आतंकवाद पर प्रभावी कार्रवाई करने में विफल रहता है तो उस पर आर्थिक एवं वित्तीय प्रतिबंधों का दबाव बढ़ सकता है। इसलिए उसके द्वारा की जाने वाली प्रत्येक कार्रवाई को उसके आर्थिक और कूटनीतिक संदर्भ में भी परखना आवश्यक है। भारत के लिए यह समय पाकिस्तान के किसी भी दावे से प्रभावित होने के बजाय तथ्यों, प्रमाणों और अंतरराष्ट्रीय सहयोग के आधार पर अपनी आतंकवाद विरोधी नीति को और सुदृढ़ करने का है। आतंकवाद किसी एक देश की समस्या नहीं है। यह वैश्विक शांति, लोकतांत्रिक संस्थाओं और मानव सभ्यता के लिए चुनौती है। इसलिए आतंकवाद को संरक्षण देने वाली किसी भी व्यवस्था के प्रति अंतरराष्ट्रीय समुदाय को शून्य-सहनशीलता की नीति अपनानी होगी। मसूद अजहर पर इनाम की घोषणा यदि वास्तविक कार्रवाई की दिशा में पहला कदम है तो पाकिस्तान को उसे प्रमाणित करने में देर नहीं करनी चाहिए। उसे चाहिए कि वह मसूद अजहर की वास्तविक स्थिति स्पष्ट करे, यदि वह पाकिस्तान में है तो उसे गिरफ्तार करे, उसके नेटवर्क को ध्वस्त करे और उसके विरुद्ध पारदर्शी न्यायिक कार्रवाई सुनिश्चित करे। अन्यथा यह कार्रवाई भी पाकिस्तान की उन अनेक घोषणाओं की सूची में जुड़ जाएगी, जिनमें शब्द बहुत थे, लेकिन परिणाम नगण्य। आतंकवाद के विरुद्ध लड़ाई में अब दुनिया को दावों की नहीं, कार्रवाई की भाषा चाहिए। पाकिस्तान यदि वास्तव में अपनी छवि बदलना चाहता है तो उसे नौटंकी से आगे बढ़कर प्रमाण प्रस्तुत करने होंगे। क्योंकि आतंकवाद के सवाल पर अंतरराष्ट्रीय समुदाय की स्मृति अब इतनी कमजोर नहीं रही कि पुरानी चालें नए आवरण में आसानी से सफल हो जाएं।

महंगाई बढ़ने के कारण प्याज (22.54%), लहसुन (35.36%) और अदरक (83.62%) की कीमतों में भारी तेजी आई है। ईंधन और परिवहन महंगाई बढ़कर 4.43% हो गई है, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ी है। रेस्त्रां और आवास सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.72% हो गई है। देश के आम आदमी को हर दिन होने वाली कठिनाईयों से जूझना पड़ रहा है। देश का मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को जीडीपी की ग्रोथ से अंतर तब पड़ता है, जब उनकी बुनियादी सुविधाओं कोई बेहतरी नजर आए। देश में पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, सड़क, रोजगार, महंगाई जैसी बुनियादी समस्याओं की भरमार है। इनसे राहत मिलती भी है तो ऊंट के मुंह में जीरे जितनी। इससे बदलाव नजर नहीं आता। भारत की आधी से अधिक आबादी यानी करीब 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। देश के भूजल का बड़ा हिस्सा आर्सेनिक, फ्लोराइड और अन्य भारी धातुओं (हैवी मेटल्स) की वजह से दूषित हो चुका है। बारिश का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उचित हार्वेस्टिंग (संचयन) न होने के कारण पानी बेकार बह जाता है। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, साफ पीने का पानी न मिलने के कारण हर साल देश में करीब 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है।

जीडीपी से नहीं जमीन पर नजर आए बदलाव

योगेंद्र योगी

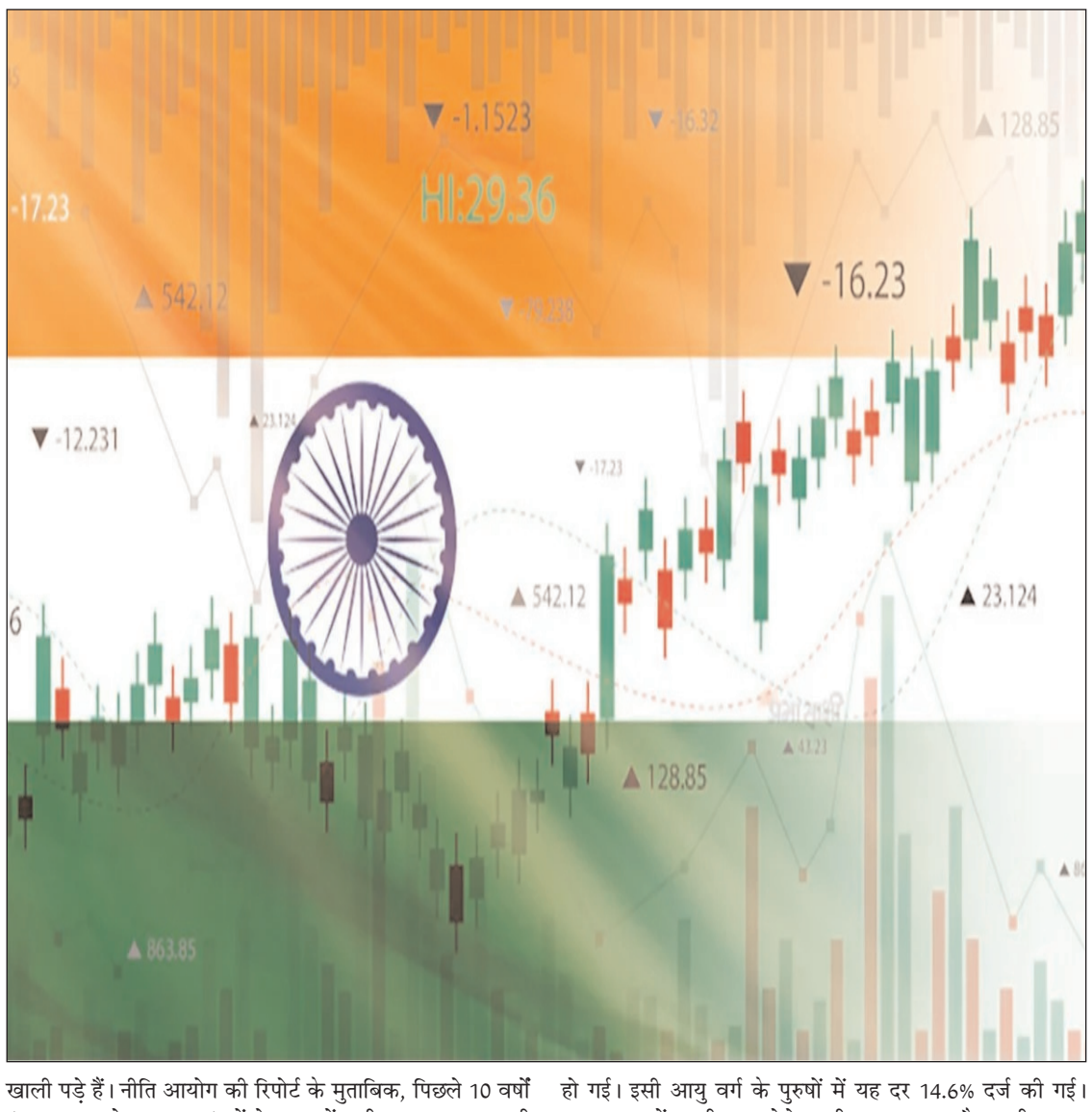

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से भारत की तरक्की का जश्न मनाने के लिए कहते हुए 7.8% की शानदार जीडीपी ग्रोथ के लिए बधाई दी। सवाल यह है कि क्या आम आदमी देश में जीडीपी ग्रोथ को समझता है। क्या जीडीपी बढ़ना देश की मौजूदा समस्याओं के समाधान का कोई पैमाना है। देश में जब प्रधानमंत्री जीडीपी बढ़ोतरी की घोषणा कर रहे थे, उसी दिन कमर्शियल एलपीजी के दाम में बढ़ोतरी हो गई है। दिल्ली में इसके दाम में 9.50 रुपये की बढ़ोतरी की गई है। दिल्ली में अब कमर्शियल सिलेंडर की कीमत 2747.50 रुपये, मुंबई में 2701 रुपये और चेन्नई में 2916.50 रुपये हो गई है। कमर्शियल सिलेंडर के महंगे होने से होटल, ढाबे आदि में खाना-पीना महंगा होना तय है। वहीं घर मिलने वाली चीजों के दाम में भी बढ़ोतरी हो सकती है। इसके अलावा 5 किलो वाले गैस सिलेंडर का भी दाम 2 रुपये बढ़कर 764 रुपये हो गया है। मुंबई और तमिलनाडु में दूध महंगा हो गया है। बॉम्बे मिल्क प्रोड्यूसर्स एसोसिएशन ने थोक दूध की कीमतों में 9 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की है। इससे दूध की थोक दर 93 रुपये से बढ़कर 102 रुपये प्रति लीटर हो गई है। भारत में जुलाई-अगस्त 2026 के दौरान खाद्य महंगाई दर बढ़कर 5.52% हो गई है, जिसके कारण चीनी, प्याज, टमाटर, दाल और खाना पकाने के तेल जैसी जरूरी रसोई की चीजें महंगी हो गई हैं. चावल और दूध के दाम भी स्थिर से लेकर उच्च स्तर पर बने हुए हैं। महंगाई बढ़ने के कारण प्याज (22.54%), लहसुन (35.36%) और अदरक (83.62%) की कीमतों में भारी तेजी आई है। ईंधन और परिवहन महंगाई बढ़कर 4.43% हो गई है, जिससे माल ढुलाई की लागत बढ़ी है। रेस्त्रां और आवास सेवाओं की महंगाई दर बढ़कर लगभग 7.72% हो गई है। देश के आम आदमी को हर दिन होने वाली कठिनाईयों से जूझना पड़ रहा है। देश का मध्यम वर्ग और निम्न वर्ग को जीडीपी की ग्रोथ से अंतर तब पड़ता है, जब उनकी बुनियादी सुविधाओं कोई बेहतरी नजर आए। देश में पानी, बिजली, स्कूल, अस्पताल, सड़क, रोजगार, महंगाई जैसी बुनियादी समस्याओं की भरमार है। इनसे राहत मिलती भी है तो ऊंट के मुंह में जीरे जितनी। इससे बदलाव नजर नहीं आता। भारत की आधी से अधिक आबादी यानी करीब 60 करोड़ लोग गंभीर जल संकट का सामना कर रहे हैं। देश के भूजल का बड़ा हिस्सा आर्सेनिक, फ्लोराइड और अन्य भारी धातुओं (हैवी मेटल्स) की वजह से दूषित हो चुका है। बारिश का पर्याप्त पानी होने के बावजूद उचित हार्वेस्टिंग (संचयन) न होने के कारण पानी बेकार बह जाता है। नीति आयोग के आंकड़ों के मुताबिक, साफ पीने का पानी न मिलने के कारण हर साल देश में करीब 2 लाख लोगों की मौत हो जाती है। वर्ष 2026 में भीषण गर्मी, रिकॉर्ड बिजली मांग (मई 2026 में 270 गीगावाट से अधिक) और स्थानीय रख-रखाव के कारण उत्तर प्रदेश, दिल्ली, राजस्थान, ओडिशा और तेलंगाना जैसे कुछ राज्यों के इलाकों में आंशिक या अस्थायी कटौती की गई।

संयुक्त राष्ट्र की रिपोर्ट के अनुसार भारत में बेघरता की दर प्रति 10,000 लोगों पर 13 है। अर्थात 17 प्रतिशत लोगों को पास अपना घर नहीं है। देश के ग्रामीण क्षेत्रों में लगभग 35 प्रतिशत गांवों में स्थानीय स्तर पर कोई भी बुनियादी चिकित्सा सुविधा या स्वास्थ्य केंद्र उपलब्ध नहीं है। ग्रामीण सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में विशेषज्ञ डॉक्टरों और सर्जनों की भारी कमी है, जो लगभग 80 प्रतिशत तक खाली पड़े हैं। नीति आयोग की रिपोर्ट के मुताबिक, पिछले 10 वर्षों (2014-15 से 2024-25) में देश भर में करीब 94,000 सरकारी स्कूल बंद या आपस में मर्ज किए गए हैं। इसका मतलब है कि औसतन हर दिन 25 स्कूलों पर ताला लगा है। इसी दशक में सरकारी स्कूलों में कुल छात्रों का नामांकन 2.26 करोड़ कम हुआ है, जो 2014-15 के 26.95 करोड़ से घटकर 2024-25 में 24.69 करोड़ रह गया है। देश के एक लाख से अधिक स्कूलों में आज भी बिजली की उचित सुविधा नहीं है, और कई स्थानों पर पीने का साफ पानी उपलब्ध नहीं है। 71,959 स्कूलों में लड़कियों के लिए और 1.12 लाख स्कूलों में लड़कों के लिए काम करने वाले शौचालय मौजूद नहीं हैं। 1.39 लाख स्कूलों में लाइब्रेरी और 2.65 लाख स्कूलों में खेल का मैदान नहीं है। डिजिटल लाइब्रेरी का अभाव तो लगभग 13.62 लाख स्कूलों में है। भारत में 15 से 29 वर्ष के युवाओं की बेरोज़गारी दर जून 2026 में बढ़कर 16.2% हो गई है, 15-29 आयु वर्ग की महिलाओं में यह दर बढ़कर 20.7% हो गई। इसी आयु वर्ग के पुरुषों में यह दर 14.6% दर्ज की गई। जून 2026 में शहरी युवा बेरोज़गारी दर 18.2% और ग्रामीण युवा बेरोज़गारी दर 15.1% रही। नीति आयोग की बहुआयामी गरीबी सूचकांक रिपोर्ट के अनुसार, सबसे अधिक गरीबी वाले राज्य बिहार में 51.91% आबादी गरीब है।

झारखंड मे 42.16% लोग गरीबी में जीवन बिता रहे हैं। उत्तर प्रदेश में 37.79% जनसंख्या गरीब है। मध्य प्रदेश में 36.65% लोग गरीब हैं। भारत में सबसे अमीर 10% लोगों के पास कुल संपत्ति का लगभग 65% हिस्सा है. सबसे ज़्यादा कमाई करने वाले 10% लोग राष्ट्रीय आय का 58% हिस्सा पाते हैं जबकि सबसे निचले 50% लोगों को सिर्फ़ 15% मिलता है। आर्थिक असमानता की यह खाई लगातार बढ़ती जा रही है। निश्चित तौर पर प्रधानमंत्री का यह हक है कि जीडीपी की ग्रोथ पर खुशी मनाने का आह्वान करें पर जब तक इसका असर देश की मूल समस्याओं के निराकरण में नजर नहीं आएगा, देश के लोगों की उदासी दूर नहीं होगी।

विचार

वडनगर से वैश्विक मंच तक नरेंद्र मोदी की राजनीतिक यात्रा

डॉ. ब्रह्मानंद राजपूत

17 सितंबर 2026 को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अपना 76वां जन्मदिन मना रहे हैं। गुजरात के छोटे से शहर वडनगर से शुरू हुई उनकी जीवन-यात्रा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के प्रचारक, भारतीय जनता पार्टी के संगठनकर्ता, गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर लगातार तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री बनने तक पहुंची। नरेंद्र मोदी का राजनीतिक जीवन भारतीय राजनीति में लंबे समय तक चर्चा और विश्लेषण का विषय रहा है। उनके समर्थक उन्हें निर्णायक नेतृत्व, विकास योजनाओं और भारत की वैश्विक भूमिका को मजबूत करने वाला नेता मानते हैं, जबकि आलोचक आर्थिक नीतियों, रोजगार और सामाजिक मुद्दों को लेकर सवाल भी उठाते रहे हैं। नरेंद्र दामोदरदास मोदी का जन्म 17 सितंबर 1950 को गुजरात के मेहसाणा जिले के वडनगर में हुआ। उनका बचपन एक सामान्य परिवार में बीता। युवावस्था में उन्होंने भारत के विभिन्न हिस्सों की यात्राएं कीं और बाद में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े। वर्ष 1972 में वे संघ के प्रचारक बने। आपातकाल के दौर में भी वे राजनीतिक गतिविधियों में सक्रिय रहे। संगठन के प्रति उनकी कार्यशैली, अनुशासन और व्यापक संपर्क क्षमता ने उन्हें धीरे-धीरे भाजपा के संगठन में महत्वपूर्ण जिम्मेदारियों तक पहुंचाया। 1987 में वे भाजपा की गुजरात इकाई में संगठन की भूमिका से जुड़े और 1990 के दशक में पार्टी के राष्ट्रीय संगठन में भी उनकी भूमिका बढ़ती गई। 1998 में वे भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव (संगठन) बने। 7 अक्टूबर 2001 को नरेंद्र मोदी ने गुजरात के मुख्यमंत्री के रूप में पद संभाला और मई 2014 तक इस पद पर रहे।

मुख्यमंत्री के रूप में उनके कार्यकाल में औद्योगिक निवेश, सड़क, बिजली, सिंचाई, शहरी विकास और प्रशासनिक सुधारों पर जोर दिया गया। वर्ष 2003 में गुजरात में 'वाइब्रेंट गुजरात ग्लोबल समिट' की शुरुआत हुई, जो आगे चलकर बड़े निवेश और व्यापार सम्मेलन के रूप में विकसित हुआ। गुजरात मॉडल को लेकर जहां समर्थकों ने आर्थिक विकास और बुनियादी ढांचे की उपलब्धियों को रेखांकित किया, वहीं आलोचकों ने विकास के लाभों के समान वितरण और सामाजिक मुद्दों पर भी सवाल उठाए। 2014 में नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भाजपा ने लोकसभा चुनाव में 282 सीटें जीतकर पूर्ण बहुमत हासिल किया और 26 मई 2014 को नरेंद्र मोदी ने पहली बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। 2019 में भाजपा ने अपना प्रदर्शन और मजबूत करते हुए 303 सीटें जीतीं। वर्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा को अकेले बहुमत नहीं मिला, लेकिन राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन को बहुमत प्राप्त हुआ और नरेंद्र मोदी ने 9 जून 2024 को लगातार तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ ली। प्रधानमंत्री के रूप में नरेंद्र मोदी के कार्यकाल की एक प्रमुख पहचान बड़े पैमाने पर लागू की गई जनकल्याणकारी योजनाएं, डिजिटल तकनीक और बुनियादी ढांचे का विस्तार रही है। प्रधानमंत्री जन-धन योजना ने बैंकिंग व्यवस्था से बाहर रहे लोगों को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ने में भूमिका निभाई। स्वच्छ भारत मिशन ने स्वच्छता और शौचालय निर्माण को राष्ट्रीय अभियान का रूप दिया। उज्ज्वला योजना के माध्यम से गरीब परिवारों की महिलाओं को एलपीजी कनेक्शन उपलब्ध कराने पर जोर दिया गया। प्रधानमंत्री आवास योजना, किसान सम्मान निधि, आयुष्मान भारत और जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने आवास, कृषि सहायता, स्वास्थ्य और पेयजल जैसे क्षेत्रों को नीति के केंद्र में रखा। इसी दौर में डिजिटल भुगतान और आधार आधारित सेवाओं का विस्तार भी तेजी से हुआ। यूपीआई ने डिजिटल लेन-देन को आम नागरिकों की रोजमर्रा की आर्थिक गतिविधियों का हिस्सा बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। मेक इन इंडिया, स्टार्टअप इंडिया, स्किल इंडिया और आत्मनिर्भर भारत जैसे अभियानों के जरिए विनिर्माण, उद्यमिता, कौशल और घरेलू उत्पादन को बढ़ावा देने का प्रयास किया गया। दूसरी ओर, इन नीतियों के प्रभाव को लेकर रोजगार, छोटे कारोबार, ग्रामीण आय और आर्थिक असमानता जैसे सवाल भी सार्वजनिक बहस में बने रहे। इससे स्पष्ट है कि मोदी सरकार के आर्थिक और कल्याणकारी कार्यक्रमों का मूल्यांकन केवल योजनाओं की संख्या से नहीं, बल्कि उनके वास्तविक और दीर्घकालिक प्रभाव से किया जाना चाहिए। बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में भी मोदी सरकार के वर्षों में सड़क, रेलवे, हवाई अड्डों, बंदरगाहों और डिजिटल नेटवर्क के विस्तार पर विशेष जोर रहा। इन परियोजनाओं ने संपर्क और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ाने में भूमिका निभाई है। साथ ही, बड़े पैमाने पर सार्वजनिक निवेश की उपयोगिता, उसके क्षेत्रीय वितरण और उससे रोजगार सृजन जैसे प्रश्न भी नीति-विश्लेषण का हिस्सा बने हुए हैं। विदेश नीति के मोर्चे पर मोदी सरकार के दौरान भारत की सक्रियता और वैश्विक प्रभाव दोनों बढ़े। जी-20 और ब्रिक्स जैसे मंचों पर भारत की भूमिका मजबूत हुई, वहीं रूस-यूक्रेन युद्ध से लेकर ईरान-इजरायल संघर्ष और अमेरिका के साथ बदलते संबंधों के बीच भारत ने रणनीतिक संतुलन बनाए रखने की कोशिश की।

एक नजर

सड़क दुर्घटना में युवक की मौत, शव गांव पहुंचते ही मचा कोहराम

नवादा,एजेंसी। जिले में नारदीगंज थाना क्षेत्र के पड़रिया गांव के समीप गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में नरहट थाना क्षेत्र के करमा गांव निवासी अभिषेक कुमार (25) की मौत हो गई। शव गांव पहुंचते ही परिजनों में कोहराम मच गया। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। बताया जाता है कि अभिषेक कुमार अकबरपुर के समीप फतेहपुर बाजार में बर्तन की दुकान चलाता था। तीज पर्व को लेकर वह अपने ससुराल रजौन गया था। बुधवार को वह अपने साले के साथ वापस लौट रहा था। इसी दौरान नारदीगंज के पड़रिया गांव के समीप सड़क दुर्घटना में उसकी मौत हो गई। युवक लगभग दो साल पूर्व शादी हुआ था। अभिषेक की मौत की खबर मिलते ही करमा गांव में चल रहे पूजा के उत्सव का माहौल गम में बदल गया। गांव में पूजा के अवसर पर तीन दिवसीय नाटक का मंचन किया जा रहा था। घटना के बाद नाटक कार्यक्रम को स्थगित कर दिया गया और पूरे गांव में मातम पसर गया। अभिषेक तीन भाइयों में दूसरे नंबर पर था। घटना की जानकारी मिलने के बाद समाजसेवी प्रवीण चंद्रवंशी ने गहरा दुख जताया। उन्होंने शोकाकुल परिजनों से मिलकर उन्हें सांत्वना दी और हरसंभव सहयोग का भरोसा दिलाया।

होटल-रेस्टोरेंट समेत खाद्य प्रतिष्ठानों की जांच की मांग

किशनगंज। शहर में संचालित होटल, रेस्टोरेंट, ढाबा, मिठाई दुकान, फास्ट-फूड सेंटर एवं अन्य खाद्य प्रतिष्ठानों में खाद्य सुरक्षा और स्वच्छता मानकों की जांच कराने की मांग उठी है। जिला युवा कांग्रेस कमिटी, किशनगंज के जिलाध्यक्ष मो. आजाद साहिल ने गुरुवार को जिलाधिकारी नवीन कुमार को पत्र लिखकर शहर के खाद्य प्रतिष्ठानों में व्यापक जांच अभियान चलाने का अनुरोध किया है। पत्र के माध्यम से उन्होंने कहा कि किशनगंज शहर में बड़ी संख्या में होटल, रेस्टोरेंट और अन्य खाद्य प्रतिष्ठान संचालित हैं। इन प्रतिष्ठानों में प्रतिदिन बड़ी संख्या में लोग खाद्य पदार्थों का सेवन करते हैं। ऐसे में आम लोगों के स्वास्थ्य और सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता की नियमित जांच आवश्यक है। उन्होंने प्रशासन से खाद्य सुरक्षा पदाधिकारियों के माध्यम से प्रतिष्ठानों की जांच कराने की मांग की है। जांच के दौरान खाद्य सामग्री के सुरक्षित भंडारण, शुद्ध पेयजल की उपलब्धता, रसोईघर की साफ-सफाई, खाद्य पदार्थों को उचित तापमान पर रखने तथा एक्सपायरी डेट वाली सामग्री के उपयोग की भी जांच करने का आग्रह किया गया है। मो. आजाद साहिल ने कहा कि खाद्य प्रतिष्ठानों में स्वच्छता और खाद्य सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित करना जनस्वास्थ्य के लिए जरूरी है। उन्होंने कहा कि यह मांग किसी विशेष प्रतिष्ठान को निशाना बनाने के उद्देश्य से नहीं, बल्कि शहरवासियों को सुरक्षित, स्वच्छ और गुणवत्तापूर्ण भोजन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से की गई है। उन्होंने नियमों का उल्लंघन पाए जाने पर संबंधित प्रतिष्ठानों के खिलाफ प्रचलित कानून एवं नियमों के तहत आवश्यक कार्रवाई करने की मांग की। साथ ही समय-समय पर ऐसे जांच अभियान चलाते रहने का भी अनुरोध किया है। युवा कांग्रेस कमिटी ने उम्मीद जताई कि जिला प्रशासन इस मामले में शीघ्र संज्ञान लेकर आवश्यक कार्रवाई करेगा।

किशनगंज में धूमधाम से मनाई गई विश्वकर्मा पूजा

किशनगंज। जिले में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई गई। शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक विभिन्न स्थानों पर पूजा पंडाल बनाए गए, जहां सुबह से ही श्रद्धालुओं की भीड़ जुटने लगी। लोगों ने अपने वाहनों, मशीनों, औजारों और दुकानों में भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि एवं कारोबार में सफलता की कामना की। किशनगंज शहर के रेलवे कॉलोनी, धरमगंज सहित कई इलाकों में आकर्षक पूजा पंडाल बनाए गए थे। पंडालों को रंग-बिरंगी रोशनी, फूलों और सजावटी सामग्री से सजाया गया था। पूजा स्थलों पर भक्ति गीतों के बीच श्रद्धालु भगवान विश्वकर्मा की आराधना करते नजर आए। ग्रामीण क्षेत्रों में भी विश्वकर्मा पूजा को लेकर खासा उत्साह रहा। परिवार के साथ लोग पूजा स्थलों पर पहुंचे और विधि-विधान से पूजा की। ऑटोमोबाइल वर्कशॉप, गैराज, परिवहन प्रतिष्ठानों और उद्योगों में भी विशेष आयोजन किए गए। वाहन मालिकों और चालकों ने ट्रक, बस, ऑटो, ट्रैक्टर, मोटरसाइकिल सहित अन्य वाहनों की साफ-सफाई कर उनकी पूजा की। कई स्थानों पर श्रद्धालुओं के बीच प्रसाद का वितरण किया गया। कुछ जगहों पर भंडारे का भी आयोजन हुआ। पूजा समितियों की ओर से कई स्थानों पर मेले लगाए गए हैं। मेला परिसर में झूले, खाने-पीने की दुकानें और विभिन्न प्रकार के स्टॉल आकर्षण का केंद्र बने रहे। बच्चों और युवाओं की भीड़ भी मेले में पहुंची। पूजा पंडालों और मेला क्षेत्रों में सुरक्षा के मद्देनजर सीसीटीवी कैमरे लगाए गए हैं। विश्वकर्मा पूजा को लेकर प्रशासन की ओर से भी सुरक्षा व्यवस्था को लेकर सतर्कता बरती गई।प्रमुख पूजा स्थलों और भीड़भाड़ वाले इलाकों में पुलिस बल की तैनाती की गई। संवेदनशील क्षेत्रों में भी सुरक्षा बढ़ाई गई है। प्रशासन ने पूजा समितियों से सुरक्षा मानकों का पालन करने तथा भीड़ प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की अपील की है।

सोनपुर में उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव ने की जिला कार्यक्रम क्रियान्वयन समिति की बैठक

सारण,एजेंसी। सोनपुर स्थित प्लस टू सेमिनरी हाई स्कूल के सभाकक्ष में आज शाम प्रभारी मंत्री-सह-उपमुख्यमंत्री विजेंद्र प्रसाद यादव की अध्यक्षता में जिला कार्यक्रम कार्यान्वयन समिति 20 सूत्री की बैठक हुई। बैठक में जिले के विभिन्न नगर निकायों के गठन, उत्क्रमण तथा क्षेत्र विस्तार से जुड़े महत्वपूर्ण प्रस्तावों पर विस्तृत विचार-विमर्श किया गया। बैठक की शुरुआत से पहले जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव एवं वरीय पुलिस अधीक्षक रोशन कुमार ने प्रभारी मंत्री का पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया, जिसके बाद उन्हें गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। कार्यवाही के दौरान जिला पंचायती राज पदाधिकारी ने पूर्व में भेजे गए प्रस्तावों के साथ-साथ दो नए प्रस्तावों को समिति के समक्ष रखा। इस दौरान प्रस्तावित क्षेत्रों के क्षेत्रफल, जनसंख्या, नजरी नक्शा और भौगोलिक स्थिति की जानकारी साझा की गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि नगर निकायों के मानक हेतु जनसंख्या नगर पंचायत के लिए 12-40 हजार, नगर परिषद के लिए 40 हजार से 2 लाख और नगर निगम के लिए 2 लाख से अधिक, भौगोलिक स्वरूप तथा आजीविका के स्रोतों को मुख्य आधार बनाया गया है।

कुल 15 प्रस्तावों पर हुआ मंथन जिसमें क्षेत्र विस्तार के लिए नगर निगम छपरा एवं नगर परिषद सोनपुर, नगर परिषद में उत्क्रमण के लिए रिविलगंज, मढ़ौरा, परसा एवं दिघवारा नगर पंचायत तथा नए नगर पंचायत गठन के लिए दरियापुर बेला, तरैया, बनियापुर, इसुआपुर, नगरा, पानापुर, गरखा एवं मकेर को नगर पंचायत तथा अमनौर को नगर परिषद बनाने का प्रस्ताव पर चर्चा हुआ। बैठक में 20 सूत्री समिति के उपाध्यक्ष-सह-सोनपुर विधायक विनय सिंह, तरैया विधायक जनक सिंह, विधान पार्षद सुनील कुमार सिंह, विधान पार्षद वीरेंद्र नारायण यादव, 20 सूत्री उपाध्यक्ष रंजीत कुमार सिंह , नगर निगम के मेयर लक्ष्मी नारायण गुप्ता सहित सभी जिला व अनुमंडल स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित रहे। इन प्रस्तावों की स्वीकृति से जिले में नागरिक सुविधाओं और बुनियादी ढांचे के विकास को गति मिलने की उम्मीद है।

वंचितों के चेहरे पर खिली मुस्कानः विशेष शिविर में बंटे सहायक उपकरण, 26 को मिला पेंशन स्वीकृति पत्र

कटिहार। समाज कल्याण विभाग के तत्वावधान में आज प्रखंड कार्यालय कटिहार परिसर में जिला स्तरीय विशेष शिविर का आयोजन किया गया। गरीब, वंचित और जरूरतमंद वर्ग के जीवन स्तर में सुधार लाने के उद्देश्य से आयोजित इस शिविर में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग और जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं के तहत दर्जनों लाभुकों को सीधे लाभ प्रदान किया गया।

शिविर में जिला सामाजिक सुरक्षा कोषांग द्वारा 10 वृद्धजनों, 9 दिव्यांगजनों और 7 विधवा महिलाओं को विभिन्न पेंशन योजनाओं के स्वीकृति पत्र प्रदान किए गए। इसके साथ ही सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने के उद्देश्य से अंतरजातीय विवाह प्रोत्साहन योजना के 5 लाभुकों और मुख्यमंत्री नि:शक्तजन विवाह प्रोत्साहन योजना के तहत 1 लाभुक को लाभान्वित किया गया। जिला दिव्यांगजन सशक्तिकरण कोषांग की ओर से 18 दिव्यांगजनों को उनकी सुगमता के लिए आवश्यक सहायक उपकरण वितरित किए गए, जबकि 1 लाभुक को विशेष बैटरी चालित ट्राईसाइकिल सौंपी गई।

वहीं, समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित 'सक्षम' की 'उज्ज्वल दृष्टि योजना' के तहत 3 जरूरतमंद लाभुकों को चश्मा प्रदान किया गया।इस अवसर पर कटिहार सदर विधायक तारकिशोर प्रसाद और जिलाधिकारी आशुतोष द्विवेदी ने संयुक्त रूप से लाभुकों को स्वीकृति पत्र व उपकरण वितरित किए। शिविर में वरीय उप समाहर्ता श्री अभिषेक रंजन, कोशी क्षेत्रीय वृद्ध/विधवा/विकलांग समिति के सचिव शिव शंकर रमाणी, सामाजिक सुरक्षा कोषांग की सहायक निदेशक श्रीमती यशस्वी तथा बुनियाद केंद्र व सामाजिक सुरक्षा विभाग के कर्मी मौजूद रहे।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर कचहरी दुर्गा मंदिर में गूंजे वैदिक मंत्र, भाजपा कार्यकर्ताओं ने किया हवन-पूजन

सीवान। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के जन्मदिन के अवसर पर गुरुवार की सुबह भारतीय जनता पार्टी सीवान की ओर से कचहरी रोड स्थित दुर्गा मंदिर में विशेष हवन-पूजन का आयोजन किया गया। वैदिक मंत्रोच्चार के बीच भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हवन कुंड में आहुति देकर प्रधानमंत्री के स्वस्थ, दीर्घायु एवं यशस्वी जीवन की कामना की। इस दौरान मंदिर परिसर में धार्मिक और भक्तिमय माहौल बना रहा।

कार्यक्रम का नेतृत्व भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने किया। हवन-पूजन में बड़ी संख्या में पार्टी पदाधिकारी, कार्यकर्ता और स्थानीय लोग शामिल हुए। कार्यकर्ताओं ने कहा कि प्रधानमंत्री का जन्मदिन केवल उत्सव के रूप में नहीं, बल्कि सेवा, समर्पण और जनकल्याण के संकल्प के रूप में मनाया जा रहा है। भाजपा जिलाध्यक्ष राहुल तिवारी ने कहा कि नरेंद्र मोदी का सार्वजनिक जीवन राष्ट्र और समाज की सेवा के लिए समर्पित रहा है। उनके सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होना महत्वपूर्ण पड़ाव है। जन्मदिन के अवसर पर जिले में सेवा और जनकल्याण से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। दरौंदा विधायक कर्णजीत सिंह उर्फ व्यास सिंह ने कहा कि प्रधानमंत्री का जीवन देश के प्रति समर्पण और सेवा की भावना का उदाहरण है। हवन-पूजन के माध्यम से कार्यकर्ताओं ने प्रधानमंत्री के स्वस्थ जीवन के साथ देश की उन्नति की भी कामना की।पूर्व एमएलसी मनोज कुमार सिंह ने कहा कि नरेंद्र मोदी की 25 वर्षों की सार्वजनिक यात्रा संघर्ष, सेवा और राष्ट्रहित के प्रति प्रतिबद्धता से जुड़ी रही है। जन्मदिन पर आयोजित हवन-पूजन कार्यकर्ताओं की शुभकामना और श्रद्धा का प्रतीक है। भाजपा प्रदेश मंत्री मुकेश सिंह कुशवाहा ने कहा कि प्रधानमंत्री के जन्मदिन को भाजपा कार्यकर्ता सेवा और समर्पण की भावना के साथ मना रहे हैं। सीवान में भी विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से जनसेवा का संदेश दिया जा रहा है। हवन के दौरान देश की सुख-समृद्धि, शांति और प्रगति के लिए भी प्रार्थना की गयी। कार्यक्रम में संजय पाण्डेय, प्रमिल कुमार गुप्ता, देवेंद्र गुप्ता, भाजपा मीडिया प्रभारी आदित्य कुमार पाठक, पंकज किशोर सिंह, सुभाष सिंह कुशवाहा, अर्जुन गुप्ता, प्रिंस चौहान, राजन साह सहित सैकड़ों कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

नाथनगर के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों में बुनियादी सुविधाओं की भारी कमी, सभी पीड़ितों को मिले जीआर की राशिः जेड हसन

भागलपुर,एजेंसी। जिले के नाथनगर विधानसभा क्षेत्र से राजद प्रत्याशी रहे वरिष्ठ नेता शेख ज्याउल हसन उर्फ जेड हसन ने क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित इलाकों का व्यापक दौरा कर स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने नगर निगम के वार्ड संख्या 1, 2, 3 और 4 सहित सबौर प्रखंड के रजनदीपुर और बाबूपुर के बाढ़ग्रस्त क्षेत्रों का दौरा कर पीड़ितों से मुलाकात की और उनकी समस्याएं सुनीं। दौरे के बाद राजद नेता जेड हसन ने कहा कि वे पिछले एक सप्ताह से नाथनगर विधानसभा क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित सबौर और नाथनगर प्रखंड की करीब 20 से अधिक पंचायतों का लगातार दौरा कर रहे हैं।

उन्होंने जमीनी हकीकत बयां करते हुए कहा कि स्थिति बेहद चिंताजनक है। कई स्थानों पर पीड़ितों को अब तक पॉलिथीन सीट तक नसीब नहीं हुई है। जिन इलाकों से पानी धीरे-धीरे निकल रहा है, वहां न तो स्वास्थ्य विभाग की टीमें पहुंची हैं और न ही संक्रमण से बचाव के लिए चूना या ब्लीचिंग पाउडर का छिड़काव कराया जा रहा है। जेड हसन ने राहत राशि के वितरण पर सवाल उठाते हुए कहा कि प्राप्त जानकारी के अनुसार सबौर प्रखंड के लगभग 14 हजार और नाथनगर प्रखंड के 19 हजार परिवारों को ही जीआर की राशि उपलब्ध कराई गई है। उन्होंने इन आंकड़ों को बेहद कम बताते हुए कहा कि जमीनी स्तर पर शिकायतों का अंबार है। जब आप गांवों के चौराहों और गलियों में जाएंगे, तो हर दूसरा व्यक्ति जीआर राशि न मिलने की शिकायत कर रहा है। उन्होंने मांग की कि जितने परिवारों को अब तक राशि

मिली है, कम से कम उतने ही और प्रभावित परिवारों को चिन्हित कर तुरंत सहायता राशि भेजने की जरूरत है। शहरी क्षेत्र के वार्ड नंबर 1, 2, 3 और 4 के भ्रमण का जिक्र करते हुए राजद नेता ने कहा कि स्थानीय बुनकर परिवारों की हालत बदतर है। बाढ़ प्रभावित बुनकरों ने उन्हें बताया कि वर्ष 2015 में उन्हें आखिरी बार जीआर की राशि मिली थी। तब से लेकर आज तक हर साल वे कमर भर पानी में डूबने को मजबूर हैं, लेकिन सरकार या प्रशासन की तरफ से कोई वित्तीय सहायता या जीआर की राशि नहीं दी जा रही है। उन्होंने कहा कि भागलपुर जिले के लगभग 14 प्रखंड बाढ़ की चपेट में हैं, अत: सभी प्रभावित क्षेत्रों के पीड़ितों को समान रूप से सहायता मिले। जिन इलाकों से पानी निकल रहा है, वहां जलजनित बीमारियों और महामारी को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग की विशेष टीम, मोबाइल एंबुलेंस तथा बुनियादी दवाएं तुरंत तैनात की जाएं। जब तक प्रभावित क्षेत्रों में पूर्ण रूप से कीचड़ की सफाई और सैनिटाइजेशन का कार्य पूरा नहीं हो जाता, तब तक पीड़ितों के लिए सामुदायिक रसोई और राहत शिविरों का संचालन लगातार जारी रखा जाए।

बार-बार प्राकृतिक आपदाओं से घायल हो रहा भागलपुर, बुनियादी ढांचे की कमजोरी और मानवीय लापरवाही ने बढ़ाया संकट

भागलपुर,एजेंसी। बिहार का भागलपुर जिला इन दिनों एक बार फिर प्रकृति के भीषण प्रहार और प्रशासनिक विफलता के दोहरे संकट से जूझ रहा है। गंगा और उसकी सहायक नदियों के बढ़ते जलस्तर, तेज कटाव और तटबंधों पर बढ़ते दबाव ने पूरे जिले को सहमा दिया है। सितंबर महीने में जिले के कई इलाकों में तटबंध टूटने से बाढ़ की स्थिति भयावह हो गई है। लेकिन यह पहली बार नहीं है; बुनियादी ढांचे की मजबूती, तट सुरक्षा और आपदा से निपटने की तैयारियों पर उठ रहे गंभीर सवाल अब स्थानीय प्रशासन को कटघरे में खड़ा कर रहे हैं।

भागलपुर की भौगोलिक स्थिति जहां इसका सबसे बड़ा गौरव है, वहीं इसकी सबसे बड़ी चुनौती भी बन चुकी है। कुछ महीने पहले, 3 मई की रात, जिले की जीवनरेखा कहे जाने वाले विक्रमशिला सेतु का करीब 33 मीटर का एक बड़ा हिस्सा क्षतिग्रस्त होकर गंगा नदी में समा गया था। इस हादसे के बाद नवगछिया और सीमांचल के इलाकों से संपर्क पूरी तरह टूट गया, जिससे दूध, सब्जी, केला और मछली जैसी रोजमर्रा की आवश्यक वस्तुओं की आपूर्ति ठप हो गई। हालांकि सरकार ने तत्काल जांच और मरम्मत के निर्देश दिए थे, लेकिन बाढ़ के पानी के कारण काम में देरी हो रही है। मशीनें साइट पर पहुंचने के बावजूद काम शुरू न हो पाना आपदा के बीच दीर्घकालिक रणनीति के अभाव को दर्शाता है। हर साल आने वाली बाढ़ और कटाव को सिर्फ 'प्राकृतिक आपदा' कहकर पल्ला नहीं झाड़ा जा सकता। स्थानीय रिपोर्टों के अनुसार, राघोपुर बांध के आसपास नदी के बढ़ते दबाव को लेकर तकनीकी विशेषज्ञों ने वर्षों पहले चेतावनी दी थी। इसके बावजूद समय रहते सुरक्षात्मक कदम नहीं उठाए गए। यह मानवीय लापरवाही और लचर तैयारियों का ही नतीजा

है कि आज दियारा क्षेत्र की एक बड़ी आबादी अपने घर, खेत और आजीविका बचाने के लिए दर-दर भटक रही है। आपदा के इस हाहाकार के बीच कहलगांव से आई एक तस्वीर ने पूरी व्यवस्था की संवेदनशीलता को तार-तार कर दिया है। यहां सार्वजनिक स्थल पर लगा राष्ट्रीय ध्वज क्षतिग्रस्त पाया गया, जो घंटों तक जिम्मेदारों की नजरों से दूर पड़ा रहा। इस पर कुछ अधिकारियों की बचकानी दलीलों ने आग में घी का काम किया है।

स्थानीय राष्ट्रप्रेमियों ने इस पर तीखी प्रतिक्रिया व्यक्त की है। नागरिकों का कहना है, 'राष्ट्रीय ध्वज कोई मामूली कपड़ा नहीं, बल्कि शहीदों की आन-बान-शान और देश का गौरव है। आपदा के समय भी ऐसी लापरवाही अक्षम्य है। हमें उन लोगों पर शर्म आती है जो इसे हल्के में ले रहे हैं। भागलपुर की त्रासदी सिर्फ बाढ़ का आना नहीं है, बल्कि हर आपदा के बाद जागने की प्रशासनिक आदत है। जिले को अब अस्थायी कम्युनिटी किचन और नावों के सहारे नहीं छोड़ा जा सकता। विशेषज्ञों के अनुसार, भागलपुर को बचाने के लिए संवेदनशील तटबंधों और कटाव वाले क्षेत्रों का तुरंत साइंटिफिक सर्वे हो। पुराने पुलों और महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचों का नियमित रूप से स्ट्रक्चरल ऑडिट किया जाए। जिन इलाकों में पहले से खतरे की चेतावनी दी गई है, वहां सुरक्षा कार्य प्राथमिकता के आधार पर पूरे हों। अगर इन चेतावनियों को महज प्राकृतिक संयोग मानकर भुला दिया गया, तो अगली बार नुकसान इससे भी कहीं अधिक भयावह होगा। भागलपुर को अब मरम्मत नहीं, बल्कि एक ठोस और स्थायी समाधान की दरकार है। प्रदेश महामंत्री डॉ प्रीति शेखर ने हिन्दुस्थान समाचार से बातचीत में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी एवं बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी के संयुक्त प्रयासों से केंद्रीय टीम ने भागलपुर समेत पूरे बिहार के बाढ़ग्रस्त इलाकों का दौरा किया है। आने वाले दिनों में बाढ़ से बचाव के लिए ठोस एवं स्थाई समाधान किए जाएंगे। कांग्रेस की राष्ट्रीय प्रवक्ता ज्योति कुमार सिंह ने बातचीत में कहा कि दिल्ली और बिहार में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) की सरकार है। फिर भी समस्या का स्थाई समाधान नहीं है। ये सरकार लूट के लिए आपदा का इंतजार करती है। विपक्षी पार्टियों और विशेषज्ञों के द्वारा बार अगाह किए जाने के बावजूद इसका स्थाई समाधान नहीं किया जाता है। मतलब एक ही आपदा को अवसर समझकर लूटना है।

एक नजर

अभिषेक शर्मा का तूफानी शतक, 30 गेंदों में सैकड़ा जड़कर रचा इतिहास

नई दिल्ली,एजेंसी। अफगानिस्तान के खिलाफ तीसरे टी-20 मुकाबले में भारतीय सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा ने तूफानी बल्लेबाजी करते हुए इतिहास रच दिया है। अभिषेक ने महज 30 गेंदों में अपना टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक पूरा किया और टेस्ट खेलने वाले देशों के खिलाफ सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाने वाले बल्लेबाज बन गए। शतक पूरा करने के दौरान उन्होंने नौ चौके और 10 छक्के लगाए। अभिषेक की पारी का अंत 10वें ओवर में राशिद खान ने विकेटकीपर गुरबाज के हाथों कैच कराकर किया। अभिषेक ने 34 गेंदों पर 108 रन बनाए। उन्होंने 11 छक्के और 9 चौके लगाए। अभिषेक शुरुआत से ही अलग लय में नजर आए। उन्होंने शुरुआती तीन ओवर में ही चार चौके और चार छक्के जड़ दिए। भारत ने महज 3.3 ओवर में 50 रन पूरे किए, जो इस सीरीज में टीम का सबसे तेज अर्धशतक है। भारत ने पहले टी-20 में 4.2 ओवर और दूसरे टी-20 में 4.4 ओवर में 50 रन पूरे किए थे। पांचवें ओवर की तीसरी गेंद पर संजू सैमसन को जीवनदान मिला। मोहम्मद नबी की गेंद पर इब्राहिम जादरान ने संजू का कैच छोड़ दिया। उस समय संजू 22 रन बनाकर खेल रहे थे। कैच छूटने के साथ संजू ने एक रन लिया और टी-20 क्रिकेट में अपने 9,000 रन भी पूरे कर लिए। इसके बाद अगली ही गेंद पर अभिषेक शर्मा ने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। उन्होंने केवल 16 गेंदों में 50 रन पूरे किए, जिसमें पांच चौके और पांच छक्के शामिल रहे। नबी के इस ओवर में भारत ने कुल 29 रन बटोरे। पावर प्ले की समाप्ति तक भारत ने 100 रन पूरे कर लिए। भारतीय बल्लेबाजों ने शुरुआती छह ओवर में आठ चौके और 10 छक्के लगाए। अभिषेक के बल्ले से आठ चौके और सात छक्के आए, जबकि संजू सैमसन ने तीन छक्के जड़े। इसके बाद अभिषेक ने अपनी आक्रामक बल्लेबाजी जारी रखते हुए सिर्फ 30 गेंदों में शतक पूरा कर लिया। उनके शतक में नौ चौके और 10 छक्के शामिल हैं। यह टेस्ट खेलने वाले किसी देश के खिलाफ टी-20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट का सबसे तेज शतक है।

टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे तेज शतक
साहिल चौहान — 27 गेंद, साइप्रस के खिलाफ, 2024
मुहम्मद फहद — 29 गेंद, बुल्गारिया के खिलाफ, 2025
अभिषेक शर्मा — 30 गेंद, अफगानिस्तान के खिलाफ, 2026
जान निकोल लॉफ्टी-ईटन — 33 गेंद, नेपाल के खिलाफ, 2024
सिकंदर रजा — 33 गेंद, गांबिया के खिलाफ, 2024
फिन एलन — 33 गेंद, दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ, 2026
कुशल मल्ला — 34 गेंद, मंगोलिया के खिलाफ, 2023

एशियाई खेलः पाकिस्तान ने थाईलैंड को तीन विकेट से हराकर महिला क्रिकेट के सेमीफाइनल में बनाई जगह

निसिन,एजेंसी। पाकिस्तान ने एशियाई खेल 2026 में महिला क्रिकेट के क्वार्टर फाइनल मुकाबले में थाईलैंड को तीन विकेट से हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। निसिन के कोरोगी स्पोर्ट्स पार्क में बारिश के कारण मुकाबला 11-11 ओवर का कर दिया गया था। सेमीफाइनल में पाकिस्तान का सामना शुक्रवार को होने वाले श्रीलंका और मलेशिया के बीच क्वार्टर फाइनल के विजेता से होगा। पहले बल्लेबाजी करते हुए थाईलैंड ने 11 ओवर में चार विकेट पर 91 रन बनाए। नन्नापत कोंचारोएनकाई ने सर्वाधिक 49 रन की पारी खेली। उन्होंने 38 गेंदों का सामना किया। पाकिस्तान की कप्तान फातिमा सना ने दो विकेट हासिल किए। लक्ष्य का पीछा करते हुए पाकिस्तान ने अच्छी शुरुआत की। सलामी बल्लेबाज गुल फिरोजा और शवाल जुल्फिकार ने पहले विकेट के लिए 36 रन जोड़े। दोनों के आउट होने के बाद थाईलैंड के गेंदबाजों ने दबाव बनाए रखा और पाकिस्तान के विकेट नियमित अंतराल पर गिरते रहे। पाकिस्तान की स्थिति उस समय मुश्किल हो गई, जब आठवें ओवर में कप्तान फातिमा सना 13 गेंदों पर 21 रन बनाकर आउट हो गईं। उस समय पाकिस्तान का स्कोर पांच विकेट पर 70 रन था। इसके बाद तुबा हसन, ईमान नसीर और उम्म-ए-हानी ने धैर्य बनाए रखा और टीम को लक्ष्य तक पहुंचाया। पाकिस्तान ने दो गेंद शेष रहते जीत हासिल कर ली। इससे पहले दिन में बांग्लादेश ने चीन के खिलाफ उसका क्वार्टर फाइनल मुकाबला बारिश के कारण रद्द होने के बाद सेमीफाइनल में प्रवेश किया था।

मेसी के गोल और असिस्ट से इंटर मियामी ने कैम्पेओनेस कप का खिताब जीता

मियामी। लियोनेल मेसी के गोल और असिस्ट की बदौलत इंटर मियामी ने बुधवार को क्रूज अजुल को 2-0 से हराकर पहली बार कैम्पेओनेस कप का खिताब जीत लिया। यह मुकाबला मेजर लीग सॉकर और मैक्सिकन लीगा एमएक्स के चैंपियन के बीच खेला जाता है। इंटर मियामी के लिए यह कैम्पेओनेस कप में पहली खिताबी जीत है। वहीं, टीम के नए मुख्य कोच क्रिस्टियन 'किली' गोंजालेज के कार्यकाल का भी यह पहला मुकाबला था। मेसी ने बेहतरीन हेडर के जरिए इंटर मियामी को बढ़त दिलाई। छोटे कद के अर्जेंटीनी स्टार ने लुइस सुआरेज के क्रॉस पर विलर डिट्टा के ऊपर छलांग लगाकर शानदार हेडर से गेंद को गोल में पहुंचाया। मेसी ने इसके बाद खुद दूसरा गोल करने की कोशिश की। सुआरेज के पास पर आगे बढ़ते हुए उन्होंने गेंद को गोल में डाल दिया, लेकिन उन्हें ऑफसाइड करार दिया गया। हालांकि, मेसी ने कुछ ही देर बाद दूसरे गोल में अहम भूमिका निभाई। उन्होंने कॉर्नर से शानदार गेंद भेजी, जिस पर कासेमिरो ने हेडर के जरिए गोल कर इंटर मियामी की बढ़त 2-0 कर दी। यह कैम्पेओनेस कप का आठवां संस्करण था और इसकी मेजबानी हमेशा मेजर लीग सॉकर की टीम करती है। इंटर मियामी की जीत से पहले पिछले तीन संस्करणों में मैक्सिको की टीमों ने खिताब जीता था। मैक्सिको की दिग्गज टीम क्रूज अजुल अब तक कैम्पेओनेस कप का खिताब नहीं जीत सकी है। टीम को 2021 के फाइनल में भी हार का सामना करना पड़ा था।

भारत ने अफगानिस्तान को तीसरे टी-20 में 127 रनों से रौंदा

तीन मैचों की सीरीज 3-0 से जीती

नई दिल्ली,एजेंसी। भारत ने यहां अरुण जेटली स्टेडियम में 26230 दर्शकों की भारी भीड़ के सामने तीसरे और अंतिम टी-20 मैच में अफगानिस्तान को 127 रन से हराकर तीन मैचों की सीरीज 3-0 से अपने नाम कर ली। भारत ने पहले बल्लेबाजी करते हुए अभिषेक शर्मा के बेहतरीन शतक की बदौलत अफगानिस्तान के सामने 222 रनों का लक्ष्य रखा था, जवाब में अफगानिस्तान की टीम 14.1 ओवर में केवल 94 रनों पर सिमट गई। 222 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानी टीम को रहमानुल्लाह गुरबाज और इब्राहिम जादरान ने सधी शुरुआत दिलाई। पहले दो मैचों में खाता नहीं खोल सके गुरबाज ने इस मैच में अच्छी शुरुआत की और शुरु में कुछ अच्छे शॉट लगाए। हालांकि वो अपनी पारी ज्यादा दूर तक नहीं ले जा सके। चौथे ओवर की पहली ही गेंद पर अक्षर पटेल ने 31 के कुल स्कोर पर गुरबाज़ को बोल्ड कर दिया। गुरबाज़ ने 11 गेंदों पर 3 चौके की बदौलत 15 रन बनाए।

अक्षर पटेल ने इसी ओवर में 33 के कुल स्कोर पर सेदुकुल्लाह अटल को अभिषेक शर्मा को हाथों कैच कराकर अफगानिस्तान को दूसरा झटका दिया। अगले ही ओवर में 39 के कुल स्कोर पर जसप्रीत बुमराह ने दरविश रसूली (00) को बोल्ड कर भारत को तीसरी सफलता दिलाई। कप्तान इब्राहिम जादरान भी अपनी पारी को कुछ खास आगे नहीं ले जा सके और छठे ओवर में 47 के कुल स्कोर पर यश ठाकुर ने उन्हें ईशान किशन के हाथों कैच कराकर पवेलियन भेज दिया। जादरान ने 16 गेंदों पर 1 छक्के और 4 चौके की बदौलत 25 रन बनाए। अफगानिस्तान ने पावर प्ले की समाप्ति पर 4 विकेट पर 51 रन बना लिए। आठवें ओवर की पहली गेंद पर अक्षर पटेल की गेंद पर तिलक वर्मा ने नूर उल रहमान का आसान से कैच छोड़ दिया। रहमान उस समय 6 रन पर बल्लेबाजी कर रहे थे। रहमान ने लॉन्ग ऑफ की तरफ हवा में शॉट खेलने की कोशिश की लेकिन टाइमिंग सही नहीं रही, वहां तिलक ने एक आसान सा कैच छोड़ दिया, गेंद सीधे उनके हाथों में आई और फिसल गई। अगली ही गेंद पर संजू सैमसन ने भी रहमान को जीवन दान दे दिया और आसान सा स्टम्प छोड़ दिया। हालांकि नूर रहमान अपनी पारी को ज्यादा दूर तक नहीं ले जा सके और नौवें ओवर में रवि बिश्नोई ने उन्हें अपना शिकार बनाया। रवि बिश्नोई से रहमान को नीतीश रेड्डी ने कैच आउट किया! रहमान ने 15 गेंदों पर 2 चौकों की बदौलत 11 रन बनाए। 12वें ओवर में नीतिश कुमार रेड्डी ने 81 के कुल स्कोर पर मोहम्मद नबी को बोल्ड कर अफगानिस्तान को छठा झटका दिया। नबी ने 9 गेंद पर 8 रन बनाए। रेड्डी ने इसी ओवर में अजमतुल्लाह ओमरजई को आउट कर अफगानी टीम को सातवां झटका दिया। यह विकेट 82 के कुल स्कोर पर गिरा। ओमरजई ने 13 गेंदों पर 17 रन बनाए। रेड्डी ने इसी ओवर में मुजीब उर रहमान (00) को भी बोल्ड कर दिया और अफगानिस्तान को आठवां झटका दिया। यह इस ओवर में रेड्डी का तीसरा विकेट रहा। बिश्नोई ने 13वें ओवर में 89 के कुल स्कोर पर राशिद खान (06) को बोल्ड कर अफगानिस्तान को नौवां झटका दिया। 15वें ओवर की पहली गेंद पर रवि बिश्नोई से अब्दुल्ला अहमदजई, को अक्षर पटेल के हाथों कैच आउट करा कर अफगानी पारी का अंत किया। यह विकेट 94 रनों के स्कोर पर गिरा। इस तरह भारत ने यह मैच 127 रनों से जीत लिया, जो अफगानिस्तान के खिलाफ भारत की टी-20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे बड़ी जीत रही। भारत की तरफ से नीतिश कुमार रेड्डी और रवि बिश्नोई ने 3-3, अक्षर पटेल ने 2, जसप्रीत बुमराह और यश ठाकुर ने 1-1 विकेट लिया। इससे पहले सलामी बल्लेबाज अभिषेक शर्मा के तूफानी शतक और संजू सैमसन के अर्धशतक की बदौलत भारत ने तीसरे और आखिरी टी-20 अंतरराष्ट्रीय में अफगानिस्तान के सामने जीत के लिए 222 रनों का लक्ष्य रखा है। गुरुवार को यहां अरुण जेटली स्टेडियम में अफगानिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी करने का फैसला किया। भारत ने अभिषेक के 108 और संजू के 50 रनों की बदौलत निर्धारित 20 ओवर में 7 विकेट पर 221 रन बनाए अभिषेक शर्मा आज अलग ही लय में दिखे। उन्होंने पहले ही तीन ओवर में 4 चौके और 4 छक्के जड़ दिये। भारत ने 3.3 ओवर में अपने 50 रन पूरे कर लिये, जो सीरीज में सबसे तेज 50 रन थे, भारत ने पहले टी-20 में 50 रन 4.2 ओवर और दूसरे टी-20 में 4.4 ओवर में 50 रन पूरे किये थे। पांचवें ओवर ओवर की तीसरी गेंद पर संजू सैमसन को एक जीवनदान भी मिला, जब नबी की गेंद पर इब्राहिम जादरान ने उनका कैच छोड़ा। उस समय संजू 22 रन बनाकर खेल रहे थे, कैच छूटने के साथ ही संजू ने 1 रन लिया और टी-20 क्रिकेट में अपने 9000 रन भी पूरे किये। हालांकि अगली ही गेंद पर अभिषेक ने छक्का लगाकर अपना अर्धशतक पूरा किया। अभिषेक ने 16 गेंद पर 50 रन पूरे किये और 5 चौके और 5 छक्के लगाए। नबी के इस ओवर में 29 रन बने। पावर प्ले की समाप्ति पर भारत ने अपने 100 रन पूरे किये। इस दौरान भारतीय बल्लेबाजों ने 8 चौके और 10 छक्के लगाए। अभिषेक ने 8 चौके और 7 छक्के लगाए, जबकि संजू सैमसन ने 3 छक्के जड़े। अभिषके शर्मा ने टेस्ट क्रिकेट खेलने वाले देशों के खिलाफ सबसे तेज टी-20 अंतरराष्ट्रीय शतक लगाया। अभिषेक ने केवल 30 गेंदों पर अपना शतक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने 9 चौके और 10 छक्के लगाए। हालांकि शतक लगाने के बाद अभिषेक अपनी पारी को ज्यादा दूर नहीं ले जा सके और 10वें ओवर में 142 के कुल स्कोर पर राशिद खान ने विकेटकीपर गुरबाज के हाथों कैच कराकर उनकी पारी का अंत किया। अभिषेक ने 34 गेंदों पर 108 रन बनाए। उन्होंने 11 छक्के और 9 चौके लगाए। अभिषेक के आउट होने के बाद 12वें ओवर में तिलक वर्मा भी 2 रन बनाकर राशिद खान के सीधे थ्रो पर रन आउट हो गए। 14वें ओवर में 164 के कुल स्कोर पर संजू सैमसन भी अपना अर्धशतक पूरा करने के बाद पवेलियन लौट गए। संजू सैमसन ने 35 गेंदों पर 2 चौके और 4 छक्के की बदौलत 50 रन बनाए। संजू को अजमतुल्लाह ओमरजई ने राशिद खान के हाथों कैच आउट कराया। ओमरजई ने 16वें ओवर में 186 के कुल स्कोर पर शिवम दुबे को भी अपना शिकार बना लिया। शिवम ने 10 गेंदों पर 1 चौके और 1 छक्के की बदौलत 14 रन बनाए।

भारतीय जूडो खिलाड़ी जापान में ले रहे प्रशिक्षण, साई की पहल पर दो अक्टूबर तक चलेगा कार्यक्रम

नई दिल्ली। भारतीय पुरुष और महिला जूडो टीम के खिलाड़ियों को 2026 के एशियाई खेलों और विश्व जूडो चैंपियनशिप की तैयारियों के लिए जापान में अंतरराष्ट्रीय प्रशिक्षण का अवसर मिला है। भारतीय खेल प्राधिकरण (साई) की पहल के तहत जापान की त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में यह प्रशिक्षण कार्यक्रम दो अक्टूबर तक चलेगा। दल में 11 जूडो खिलाड़ी शामिल हैं, जिनमें एक पुरुष और 10 महिला खिलाड़ी हैं। इनके अलावा तीन कोच भी दल का हिस्सा हैं।

11 खिलाड़ियों में से तीन खिलाड़ी एशियाई खेलों की भारतीय टीम में शामिल हैं। इनमें महिला 48 किलोग्राम वर्ग की अस्मिता डे, 57 किलोग्राम वर्ग की यामिनी मौर्य और 70 किलोग्राम वर्ग की तखेल्लंबम इनुंगनबी शामिल हैं। अस्मिता 30 सितंबर को मुकाबले में उतरेंगी, जबकि यामिनी और इनुंगनबी एक अक्टूबर को नागोया के आइची इंटरनेशनल एरीना में मैट पर उतरेंगी।जापान में यह विदेशी प्रशिक्षण शिविर अंतरराष्ट्रीय कैलेंडर के बेहद महत्वपूर्ण चरण में आयोजित किया जा रहा है। आइची-नागोया एशियाई खेलों के तुरंत बाद चार से 11 अक्टूबर तक बाकू में विश्व जूडो चैंपियनशिप का आयोजन होना है। बाकू प्रतियोगिता में भारत के कुल 10 जुडो खिलाड़ी हिस्सा लेंगे, जिनमें एक पुरुष और नौ महिला खिलाड़ी शामिल हैं। त्सुकुबा यूनिवर्सिटी में प्रशिक्षण ले रहे भारतीय दल में पुरुष वर्ग में 60 किलोग्राम भारवर्ग के हर्ष सिंह शामिल हैं। महिला खिलाड़ियों में राष्ट्रमंडल खेल 2026 की स्वर्ण पदक विजेता 48 किलोग्राम वर्ग की अस्मिता डे, 52 किलोग्राम वर्ग की श्रद्धा के. चोपड़े और एल. नुंगशिथोई चानू, 57 किलोग्राम वर्ग की यामिनी मौर्य, 63 किलोग्राम वर्ग की लिंथोई चनंबम, उन्नति शर्मा और हिमांशी टोकस, 70 किलोग्राम वर्ग की तखेल्लंबम इनुंगनबी और के.एच. ताइबांगनबी तथा 78 किलोग्राम वर्ग की इशरूप नरंग शामिल हैं।

दल के कोचिंग स्टाफ में जीवन कुमार शर्मा, बिरेंद्र सिंह और राजविंदर कौर शामिल हैं। यह विदेशी प्रशिक्षण कार्यक्रम युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय की राष्ट्रीय खेल महासंघों को सहायता योजना के तहत स्वीकृत किया गया है। विदेशी प्रशिक्षण और अन्य व्यवस्थाओं के समन्वय की जिम्मेदारी भारतीय जूडो महासंघ की है।

रक्षा खडसे ने कोलकाता में खेल विकास की समीक्षा की, जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत करने का दिया भरोसा

कोलकाता,एजेंसी। केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल राज्य मंत्री रक्षा खडसे ने गुरुवार को साल्ट लेक स्थित भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय केंद्र का दौरा कर खेल बुनियादी ढांचे, खिलाड़ियों के विकास और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने जमीनी स्तर पर खेलों को मजबूत करने और युवा खिलाड़ियों के लिए बेहतर अवसर उपलब्ध कराने में भारतीय खेल प्राधिकरण के निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया।

इस दौरान रक्षा खडसे ने नेताजी सुभाष की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इसके बाद उन्होंने हॉकी मैदान का निरीक्षण किया और प्रशिक्षण ले रहे खिलाड़ियों तथा प्रशिक्षकों से बातचीत कर उनकी प्रशिक्षण व्यवस्था, सुविधाओं और प्रतियोगिताओं से जुड़ी जरूरतों के बारे में जानकारी ली। उन्होंने जिम्नास्टिक और टेबल टेनिस की इनडोर सुविधाओं का भी निरीक्षण किया और खिलाड़ियों व प्रशिक्षकों से बातचीत की। मंत्री ने खेल विज्ञान विभाग का भी दौरा किया और वहां कार्यरत विशेषज्ञों से खिलाड़ियों के विकास में वैज्ञानिक सहयोग की भूमिका पर चर्चा की। उन्होंने खिलाड़ियों की शारीरिक क्षमता, रिकवरी और प्रदर्शन में सुधार के लिए खेल विज्ञान के महत्व की समीक्षा की। इस दौरान भारतीय खेल प्राधिकरण के क्षेत्रीय निदेशक सिबानंद मिश्रा, ओलंपियन सोमा बिस्वास और पौलमी घटक, माय भारत के क्षेत्रीय निदेशक देव कुमार चटर्जी तथा भारतीय महिला रग्बी टीम की सदस्य मौजूद रहीं। रक्षा खडसे ने गुणवत्तापूर्ण कोचिंग के साथ खेल विज्ञान, पोषण, पुनर्वास और प्रदर्शन संबंधी सहायता को जोड़ने तथा खिलाड़ियों को नियमित प्रतियोगिताओं का अनुभव दिलाने पर जोर दिया। रक्षा खडसे ने नए 300 बिस्तरों वाले खेलो इंडिया छात्रावास का भी निरीक्षण किया और खिलाड़ियों के लिए विकसित की जा रही आवासीय तथा अन्य सहायता सुविधाओं की जानकारी ली। इसके बाद उन्होंने तीरंदाजी मैदान और एथलेटिक्स सुविधाओं का निरीक्षण किया तथा प्रशिक्षकों और खिलाड़ियों से उनकी प्रशिक्षण संबंधी जरूरतों के बारे में बातचीत की। सुविधाओं के निरीक्षण के बाद रक्षा खडसे ने भारतीय खेल प्राधिकरण के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की। बैठक में क्षेत्रीय केंद्र के कामकाज, खिलाड़ियों के विकास, बुनियादी ढांचे, कोचिंग, खेल विज्ञान और खिलाड़ियों को उपलब्ध सहायता प्रणालियों पर चर्चा हुई। रक्षा खडसे ने जमीनी स्तर पर खेलों के अवसरों को मजबूत करने और युवा खिलाड़ियों के लिए उच्च स्तर की प्रतियोगिताओं तक पहुंचने के बेहतर रास्ते तैयार करने में भारतीय खेल प्राधिकरण के निरंतर सहयोग का भरोसा दिलाया। उन्होंने कहा कि पश्चिम बंगाल की समृद्ध खेल संस्कृति और प्रतिभा के आधार को बेहतर बुनियादी ढांचे, वैज्ञानिक प्रशिक्षण, गुणवत्तापूर्ण कोचिंग और अधिक प्रतियोगिता अनुभव के जरिए और मजबूत किया जा सकता है। उन्होंने युवा खिलाड़ियों को खेलों में उत्कृष्टता हासिल करने के लिए जरूरी सुविधाएं, प्रशिक्षण और सहयोग उपलब्ध कराने के महत्व पर भी जोर दिया।

मप्र के मुख्य प्रशिक्षक शिव कुमार को टीम चयन के लिए अंतरराष्ट्रीय चयन समिति में मिली महत्वपूर्ण जिम्मेदारी

भोपाल,एजेंसी। मध्य प्रदेश खेल एवं युवा कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित मध्य प्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के मुख्य प्रशिक्षक शिव कुमार प्रसाद को अंतरराष्ट्रीय स्कूल खेल प्रतियोगिता आईएसएफ जिम्नेसियाड 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के चयन के लिए चयन समिति का सदस्य नामित किया गया है। यह जानकारी स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (एसजीएफआई) के मुख्य कार्यकारी अधिकारी पार्थ सुरेश दोषी द्वारा जारी आधिकारिक पत्र के माध्यम से दी गई है। जनसंपर्क अधिकारी दुर्गेश रायकवार ने गुरुवार को बताया कि ब्राजील के रियो डी जेनेरियो में 3 से 8 दिसंबर तक आयोजित होने वाली इस अंतर्राष्ट्रीय प्रतियोगिता के लिए भारतीय टीम के चयन में प्रसाद अपनी भूमिका निभाएंगे। गोवा में 6 एवं 7 अक्टूबर को होने वाले अंडर-18 बालक एवं बालिका वर्ग के चयन ट्रायल के माध्यम से भारतीय टीम का चयन किया जाएगा। शिव कुमार प्रसाद को सौंपी गई यह जिम्मेदारी भारतीय एथलेटिक्स टीम के चयन की प्रक्रिया में उनके अनुभव एवं विशेषज्ञता के माध्यम से योगदान देने का अवसर प्रदान करेगी।

खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य एथलेटिक्स अकादमी, भोपाल के मुख्य प्रशिक्षक शिव कुमार प्रसाद को अंतर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतिष्ठित स्कूल खेल प्रतियोगिता आईएसएफ जिम्नेसियाड 2026 के लिए भारतीय एथलेटिक्स टीम के चयन हेतु चयन

समिति का सदस्य नामित किया गया है। इंटरनेशनल स्कूल स्पोर्टस् फेडरेशन (आईएसएफ) द्वारा आईएसएफ जिम्नेसियाड 2026 का आयोजन 3 से 8 दिसंबर 2026 तक रियो डी जेनेरियो, ब्राजील में किया जाएगा। प्रतियोगिता में भारत का प्रतिनिधित्व करने वाली एथलेटिक्स टीम के चयन के लिए अंडर-18 बालक एवं बालिका वर्ग के चयन ट्रायल आयोजित किए जाएंगे। अंतर्राष्ट्रीय स्कूल खेल मंच पर होने वाली इस प्रतियोगिता के लिए चयन प्रक्रिया में शिव कुमार प्रसाद की सहभागिता महत्वपूर्ण रहेगी। भारतीय एथलेटिक्स टीम के चयन हेतु निर्धारित ट्रायल 6 एवं 7 अक्टूबर 2026 को अटल स्टेडियम, गुजीरा, बम्बोलिम, नॉर्थ गोवा में आयोजित किए जाएंगे। एसजीएफआई द्वारा जारी पत्र के अनुसार शिव कुमार प्रसाद को चयन समिति के सदस्य के रूप में भारतीय टीम को अंतिम रूप देने की प्रक्रिया में जिम्मेदारी सौंपी गई है। उन्हें 5 से 8 अक्टूबर 2026 तक कार्यमुक्त कर 5 अक्टूबर को चयन स्थल पर रिपोर्ट करने के निर्देश दिए गए हैं। मध्यप्रदेश की खेल अकादमियों से जुड़े एथलेटिक्स खिलाड़ियों ने राष्ट्रीय एवं अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बनाई है। अकादमी के खिलाड़ियों देव मीणा, कुलदीप कुमार और समरदीप सिंह गिल ने एथलेटिक्स के विभिन्न आयोजनों में उल्लेखनीय प्रदर्शन किया है। देव मीना एवं कुलदीप कुमार पोल वॉल्ट तथा समरदीप सिंह गिल शॉट पुट में अपनी खेल प्रतिभा का प्रदर्शन कर चुके हैं। शिव कुमार प्रसाद के प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन से जुड़े खिलाड़ियों की उपलब्धियां मध्य प्रदेश में एथलेटिक्स प्रशिक्षण और खेल प्रतिभाओं के विकास की दिशा में किए जा रहे प्रयासों को रेखांकित करती हैं। खिलाड़ियों की तकनीकी क्षमता, शारीरिक तैयारी और प्रतिस्पर्धात्मक प्रदर्शन को बेहतर बनाने में प्रशिक्षकों की भूमिका महत्वपूर्ण होती है। जनसंपर्क अधिकारी ने बताया कि खेल एवं युवा कल्याण विभाग, मध्यप्रदेश द्वारा प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करने, प्रशिक्षण सुविधाओं के विस्तार और खिलाड़ियों को उच्च स्तरीय प्रतिस्पर्धाओं के लिए तैयार करने की दिशा में निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। राज्य की खेल अकादमियों में विभिन्न खेल विधाओं के खिलाड़ियों को प्रशिक्षण एवं आवश्यक खेल सुविधाएं उपलब्ध कराने पर ध्यान दिया जाता है।

एशियाई खेल : भारतीय सर्फिंग कोच समाई रेबूल बोले-2028 का ओलंपिक हमारा अंतिम लक्ष्य

नई दिल्ली। भारतीय सर्फिंग टीम के मुख्य कोच समाई रेबूल ने कहा है कि 2026 एशियाई खेल भारतीय सर्फिंग के विकास की दिशा में महत्वपूर्ण कदम हैं, लेकिन उनका अंतिम लक्ष्य 2028 लॉस एंजिल्स ओलंपिक में भारतीय सर्फरों को पहुंचाना है। फ्रांस में जन्मे रेबूल 2024 से भारतीय सर्फिंग महासंघ के मुख्य कोच हैं और चार सदस्यीय भारतीय टीम की तैयारियों का नेतृत्व कर रहे हैं। आइची-नागोया एशियाई खेलों में सर्फिंग छह नए खेलों में शामिल है। प्रतियोगिता 25 सितंबर से प्रसिद्ध पैसिफिक लॉन्ग बीच पर होगी। भारत पुरुषों और महिलाओं की शॉर्टबोर्ड स्पर्धा में दो-दो खिलाड़ियों के साथ उतरेगा। पुरुष वर्ग में किशोर कुमार और सिवाराज बाबू तथा महिला वर्ग में तमिलनाडु की कमाली मूर्ति और गोवा की शुगर शांति बनारसे भारत का प्रतिनिधित्व करेंगी। एशियाई खेलों में सर्फिंग के जरिए 2028 ओलंपिक के लिए कोटा स्थान भी उपलब्ध होंगे। रेबूल के साथ संजय सेल्वामणि कोचिंग स्टाफ में उनके डिप्टी की भूमिका निभा रहे हैं। सेल्वामणि कोवलम से जुड़े भारतीय प्रतिस्पर्धी सर्फिंग के अग्रदूत और पेशेवर सर्फ प्रशिक्षक हैं। वह भारत की पहली राष्ट्रीय टीम के सदस्य के रूप में आईएसए विश्व सर्फिंग खेलों में हिस्सा ले चुके हैं और अब अपने अंतरराष्ट्रीय अनुभव से खिलाड़ियों की तैयारी में योगदान दे रहे हैं।

41 वर्षीय रेबूल के पास फ्रांस का पासपोर्ट है, लेकिन वह खुद को भारतीय मानते हैं। उन्होंने बताया कि उन्होंने अपनी जिंदगी का आधे से ज्यादा समय पुडुचेरी के ऑरोविल में बिताया है। उन्होंने साई मीडिया के हवाले से कहा, 'मेरे पिता फ्रांसीसी हैं और मां बास्क हैं। उत्तरी स्पेन के एक दूरदराज इलाके में रहते हुए उन्होंने पहली बार दोस्तों के जरिए श्री अरविंद और ऑरोविल के बारे में सुना। वे तुरंत इसकी ओर आकर्षित हुए। मेरे पिता सबसे पहले खुद यह देखने आए कि यह जगह आखिर है क्या और वापस लौटने के कुछ ही समय बाद हमने अपना सामान पैक कर लिया और भारत आ गए। ऑरोविल में अपने शुरुआती दिनों को याद करते हुए रेबूल ने कहा, 'हमें दोस्त बनाने और यहां घर जैसा महसूस करने में ज्यादा समय नहीं लगा। सर्फिंग ने मुझे सहज महसूस करने की जगह देने में बड़ी भूमिका निभाई। समुद्र में रहना मुझे घर जैसा लगता था और मैं जितना संभव हो उतना समय पानी में बिताता था, जिससे मेरे माता-पिता और शिक्षक काफी परेशान होते थे। भारत में सर्फिंग को आगे बढ़ाने के अपने सफर पर रेबूल ने कहा कि यह जुनून, अनुभव और संयोग से हुई स्वाभाविक प्रगति का परिणाम है। उन्होंने कहा, 'वहां तक पहुंचना जुनून, अनुभव और संयोग के मेल से हुई स्वाभाविक प्रगति का परिणाम था। मैंने 10 साल से अधिक समय तक प्रशिक्षक के रूप में काम किया और कल्लियालय सर्फ स्कूल का प्रबंधन किया। इस अनुभव के दौरान मैं हमेशा एक प्रशिक्षक के रूप में खुद को विकसित करना और आगे बढ़ना चाहता था तथा मैंने आईएसए की कोचिंग और जजिंग योग्यताएं हासिल कीं। 2024 में मालदीव में आयोजित एशियाई सर्फिंग चैंपियनशिप में राष्ट्रीय टीम को कोचिंग देना और भारत को ऐतिहासिक कांस्य पदक दिलाने में भूमिका निभाना रेबूल के लिए बड़ा पड़ाव रहा। उनके अनुसार, इस सफलता से भारतीय सर्फरों में बेहतर प्रदर्शन करने की क्षमता और विश्वास पैदा हुआ।

एक नजर

नेपाल के वित्त मंत्री वाग्ले और वित्त मंत्री सीतारमण के बीच दिल्ली में मुलाकात, पुनर्निर्माण पर चर्चा

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल के वित्त मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और भारत की वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के बीच हुई मुलाकात में नेपाल में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण तथा नेपाल-भारत के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत करने के उपायों पर चर्चा हुई। भारत दौरे पर गए मंत्री स्वर्णिम वाग्ले और उनकी समकक्ष निर्मला सीतारमण के बीच गुरुवार शाम 5 बजे नई दिल्ली स्थित कर्तव्य भवन परिसर में भारतीय वित्त मंत्रालय में मुलाकात हुई। बैठक में दोनों देशों के सरकारी प्रतिनिधिमंडलों के सदस्य भी मौजूद रहे। बैठक के दौरान दोनों मंत्रियों ने विकास सहयोग और दोनों देशों के बीच लंबे समय से कायम आर्थिक साझेदारी से जुड़े विभिन्न मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की। दौरे में शामिल प्रतिनिधिमंडल के एक सदस्य ने यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि बातचीत में बाढ़ के बाद पुनर्निर्माण, व्यापार, निवेश, ऊर्जा और कनेक्टिविटी समेत आपसी हित से जुड़े अन्य विषयों को शामिल किया गया। इसके अलावा नेपाल और भारत के बीच आर्थिक सहयोग को और मजबूत तथा व्यापक बनाने के अवसरों पर भी दोनों पक्षों के बीच चर्चा हुई।

होर्मुज़ जलडमरूमध्य में शिपिंग में रुकावट से दुनिया भर में उर्वरक की कमी

मॉस्को। संयुक्त राष्ट्र के खाद्य और कृषि संगठन (एफएओ) ने कहा है कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य में अमेरिका और ईरान के बीच युद्ध के कारण समुद्री यातायात बाधित होने के कारण विश्व भर में उर्वरक की कमी हो रही है और इसके फलस्वरूप ऊर्जा क्षेत्र सहित पूरे बाज़ार की स्थिति को चिंताजनक हो गयी है। एफएओ के रूसी संघ स्थित संपर्क कार्यालय के निदेशक ओलेग कोबियाकोव ने रिया नोवोस्ती से बातचीत में कहा कि होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाज़ों की आवाजाही में रुकावट के कारण दुनिया भर में उर्वरक की कमी हो रही है और बाज़ार की स्थिति खराब हो रही है, जिसमें ऊर्जा क्षेत्र भी शामिल है।

कोबियाकोव ने कहा, 'होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाज़ों की आवाजाही में रुकावट के कारण दुनिया भर में उर्वरक की कमी हो रही है, जिससे उर्वरक बाज़ार में स्थिति बिगड़ रही है और ऊर्जा की कीमतें बढ़ रही हैं।' उन्होंने आगे कहा कि ईरान से जुड़ा संकट अब 'कुछ समय के लिए भड़के तनाव' से बदलकर एक लंबी चलने वाली बड़ी समस्या बन गया है। 28 फरवरी को, अमेरिका और इज़राइल ने ईरान में ठिकानों पर हमले शुरू किए, जिसके जवाब में ईरान की तरफ से भी हमले किए गए। जून के मध्य में, तेहरान और वाशिंगटन ने लड़ाई रोकने के लिए एक समझौते पर हस्ताक्षर किए, हालांकि बाद में उन्होंने फिर से एक-दूसरे पर हमले किए। फिलहाल, यह संघर्ष सुलझा नहीं है। संघर्ष बढ़ने के कारण होर्मुज़ जलडमरूमध्य से जहाज़ों की आवाजाही लगभग ठप हो गई है। यह तेल, पेट्रोलियम उत्पादों और द्रवीकृत प्राकृतिक गैस (एलएनजी) के वैश्विक बाज़ार के लिए एक अहम सप्लाई रूट है। नतीजतन, दुनिया भर के ज़्यादातर देशों में ईंधन की कीमतें बढ़ गई हैं।

संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार, रूस- यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत की पक्षधर

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र महासचिव पद की उम्मीदवार कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट ने कहा कि अगर वह चुनी जाती हैं, तो शांति की दिशा में काम करने के लिए रूस और यूक्रेन के बीच सीधी बातचीत की पक्षधर हैं। रोड्रिग्स-बिर्केट ने रियानोवोस्ती को बताया, 'जैसा कि मैंने कई मौकों पर कहा है, मैं अधिकारियों से बात करने में नहीं हिचकिचाऊंगी-चाहे वे यूक्रेन में हों, रूस में हों या किसी अन्य संघर्ष में शामिल हों-मेरा मकसद हमेशा शांति की दिशा में काम करना होगा। उनकी राय है कि संयुक्त राष्ट्र महासचिव को एक निष्पक्ष मध्यस्थ के तौर पर काम करना चाहिए और न केवल संघर्ष में शामिल सभी पक्षों से बात करनी चाहिए, बल्कि इसे होने से रोकने की कोशिश भी करनी चाहिए। फिलहाल, संयुक्तराष्ट्रके इस शीर्ष पद के लिए आठ उम्मीदवार हैं। इनमें इंटरनेशनल एटॉमिक एनर्जी एजेंसी के डायरेक्टर जनरल राफेल ग्रॉसी, युगांडा के पूर्व विदेश मंत्री ओलारा ओटुन्नू और सेनेगल के पूर्व राष्ट्रपति मैकी साल शामिल हैं। महिला उम्मीदवारों में चिली की पूर्व राष्ट्रपति मिशेल बाचेलेट, इक्वाडोर की पूर्व विदेश मंत्री मारिया फर्नांडा एस्पिनोसा, इक्वाडोर की राजनयिक इवोन ए-बाकी, संयुक्तराष्ट्रकॉन्फ्रेंस ऑन ट्रेड एंड डेवलपमेंट की महासचिव रेबेका ग्रिनस्पैन, गुयाना की पूर्व विदेश मंत्री कैरोलिन रोड्रिग्स-बिर्केट और बच्चों और सशस्त्र संघर्ष के लिए संयुक्त राष्ट्र महासचिव की विशेष प्रतिनिधि वर्जीनिया गैम्बा शामिल हैं। मौजूदा संयुक्तराष्ट्रप्रमुख एंटोनियो गुटेरेस का दूसरा और आखिरी कार्यकाल 31 दिसंबर को खत्म होगा।

बलोचिस्तान : तुर्बत में पाकिस्तानी सेना के काफिले पर हमला, कई जवान हताहत

तुर्बत। पाकिस्तान के बलोचिस्तान प्रांत के केच जिले के मुख्यालय तुर्बत में बुधवार को पाकिस्तानी फोर्स के एक काफिले पर हमले की खबर सामने आई है। स्थानीय सूत्रों के अनुसार, डबोक मैनो क्रॉस के पास हथियारबंद लोगों ने काफिले को निशाना बनाया। बलोचिस्तान की ऑनलाइन समाचार नेटवर्क 'द बलोचिस्तान पोस्ट' ने बताया कि शुरुआती स्थानीय रिपोर्टों में दावा किया गया है कि हमले में कई जवान मारे गए। स्थानीय लोगों के मुताबिक, घटना के बाद मौके पर चार शव देखे गए और इलाके में सुरक्षा बलों की अतिरिक्त टुकड़ियां भेजी गईं। सूत्रों ने हमले में मारे गए फ्रंटियर कॉर्प्स (एफसी) के दो जवानों की पहचान खालिद महमूद और रमजान जट्ट के रूप में की है। बताया गया है कि दोनों पंजाब के मियांवाली जिले के रहने वाले थे। हालांकि, रिपोर्ट सामने आने तक घटना को लेकर पाकिस्तानी अधिकारियों की ओर से कोई आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है और ना ही किसी संगठन ने हमले की जिम्मेदारी ली है।

लाल सागर में तनाव के बीच मस्कट में अमेरिका-हूती के बीच हुई गुप्त बैठक

मस्कट,एजेंसी। लाल सागर में बढ़ते तनाव के बीच अमेरिकी राजनयिकों ने ओमान की राजधानी मस्कट में हूती प्रतिनिधियों के साथ बैठक की। मामले की जानकारी रखने वाले एक क्षेत्रीय सूत्र के मुताबिक, यह बैठक सप्ताहांत में ओमान स्थित अमेरिकी दूतावास में हुई। बैठक में अमेरिका और हूतियों के बीच मई 2025 के युद्धविराम को बनाए रखने और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य को खुला रखने पर चर्चा हुई। अमेरिकी समाचार एजेंसी एक्सिओस ने सूत्रों के हवाले से बताया है कि बैठक ओमान सरकार की मदद से आयोजित की गई थी। अमेरिका की कोशिश है कि वह यमन में सऊदी अरब और हूतियों के बीच चल रहे संघर्ष में सीधे सैन्य रूप से शामिल हुए बिना लाल सागर के इस महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में आवाजाही जारी रखे। वॉशिंगटन ने अब तक सऊदी अरब की ओर से सैन्य सहयोग के अनुरोधों को स्वीकार नहीं किया है।

सूत्र ने बताया कि अमेरिका की ओर से बैठक में अमेरिकी दूतावास के राजनयिक शामिल हुए, लेकिन अमेरिकी राजदूत इसमें मौजूद नहीं थे। बैठक के दौरान हूती प्रतिनिधियों ने कथित तौर पर कहा कि वे अमेरिका के साथ मई 2025 में हुए युद्धविराम को जारी रखना चाहते हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि हाल में फिर शुरू हुई उनकी कार्रवाई केवल सऊदी जहाजों को निशाना बना रही है। साथ ही हूतियों ने बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य से अन्य जहाजों की आवाजाही की स्वतंत्रता बनाए रखने का आश्वासन भी दिया। अमेरिकी विदेश विभाग ने बैठक की खबरों पर सीधे टिप्पणी करने से इनकार किया। विभाग के प्रवक्ता ने कहा कि

मध्य पूर्व में अमेरिका के प्रमुख हितों में लाल सागर और क्षेत्र में आवाजाही की स्वतंत्रता सुनिश्चित करना तथा आतंकवाद के प्रसार को रोकना शामिल है। प्रवक्ता ने कहा कि अमेरिका यमन को लेकर अपने क्षेत्रीय सहयोगियों और साझेदारों के साथ नियमित संपर्क में है। उन्होंने कहा कि अमेरिका हूतियों और अन्य आतंकवादी समूहों के खिलाफ साझा आतंकवाद-रोधी लक्ष्यों पर ध्यान केंद्रित कर रहा है। बैठक के एक दिन बाद अमेरिकी उपराष्ट्रपति जेडी वेंस ने पत्रकारों से कहा कि अमेरिका हूतियों के साथ बातचीत कर रहा है। उन्होंने कहा कि अमेरिका सीधे तौर पर हूतियों से बातचीत में शामिल रहा है और प्रशासन का मानना है कि वह स्थिति को नियंत्रित करने की कोशिश कर रहा है। इसी बीच, अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने ओमान के विदेश मंत्री सैयद बद्र अल-बुसैदी से क्षेत्रीय तनाव कम करने के प्रयासों को लेकर बातचीत की। लाल सागर संकट के बीच यमन में हूती विद्रोहियों और सऊदी अरब के बीच तनाव हाल के दिनों में बढ़ा है। हूतियों की ओर से सऊदी अरब पर ड्रोन और मिसाइल हमलों की खबरें सामने आई हैं। इनमें मक्का की दिशा में ड्रोन हमले और सऊदी अरब के अन्य शहरों को निशाना बनाने वाले मिसाइल हमले भी शामिल हैं। सऊदी अरब ने यमन में हूती ठिकानों के खिलाफ हवाई हमले तेज किए हैं। हालांकि, सऊदी समर्थित यमनी बलों को अब तक जमीन पर हूतियों के खिलाफ निर्णायक बढ़त हासिल नहीं हुई है।

ट्रंप अगले हफ़्ते खाड़ी देशों के नेताओं के साथ ईरान पर करेंगे वार्ता

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के अगले मंगलवार को न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा से इतर खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) के देशों के नेताओं या विदेश मंत्रियों से मुलाकात करने की उम्मीद है। बैठक में ईरान के साथ युद्ध की स्थिति और युद्ध खत्म होने के बाद अमेरिका की रणनीति पर चर्चा हो सकती है। अमेरिकी न्यूज वेब पोर्टल एक्सिओस ने सूत्रों के हवाले से बताया कि ट्रंप प्रशासन ईरान युद्ध के बाद पश्चिम एशिया के लिए एक व्यापक रणनीति तैयार कर रहा है। इस योजना में ईरान को रोकने के लिए अमेरिकी सहयोगियों का क्षेत्रीय गठबंधन बनाने और अमेरिका की ओर से सुरक्षा गारंटी देने जैसे विकल्प शामिल हैं। युद्ध के बाद की संभावित रणनीति में बीते 7 अक्टूबर 2023 के हमलों के बाद क्षेत्र में पैदा हुए संकट को खत्म करने के प्रयास भी शामिल बताए जा रहे हैं। इनमें गाजा के लिए ट्रंप की योजना के अगले चरण को आगे बढ़ाना, इजराइल और सीरिया के बीच सुरक्षा समझौता तथा इजराइल-लेबनान समझौते को लागू करना शामिल हो सकता है। इसके अलावा, प्रशासन अब्राहम समझौते के विस्तार और सऊदी अरब तथा इजराइल के बीच संभावित सामान्यीकरण समझौते को आगे बढ़ाने पर भी विचार कर रहा है। बैठक में संभावित रूप से इन छह देशों के प्रतिनिधि शामिल होंगे जिसमें सऊदी अरब, संयुक्त अरब अमीरात, कतर, बहरीन, कुवैत तथा ओमान शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक, बैठक का दायरा बढ़ाकर अन्य अरब और मुस्लिम देशों के नेताओं को भी शामिल किया जा सकता है। वहीं, व्हाइट हाउस ने प्रस्तावित बैठक पर टिप्पणी करने से इनकार किया है। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के भी न्यूयॉर्क में ट्रंप से मिलने की इच्छा जताई गई है। हालांकि, इजराइली सूत्र के अनुसार दोनों नेताओं के बीच अभी कोई बैठक तय नहीं हुई है। ट्रंप ने बुधवार को कहा कि उम्मीद है कि हम युद्ध के अंत की ओर बढ़ रहे हैं। उन्होंने यह भी दावा किया कि ईरान समझौता करना चाहता है और अमेरिका को यह बात सीधे ईरान की ओर से सुनने को मिली है। रिपोर्ट के मुताबिक, युद्ध के बाद की रणनीति अभी अंतिम रूप में नहीं आई है। ट्रंप और उनके वरिष्ठ सलाहकारों के बीच इस मुद्दे पर हाल के हफ्तों में कम से कम दो बैठकें हुई हैं। रणनीति तैयार करने में अभी कुछ और सप्ताह लग सकते हैं।

ट्रंप ने कनाडा की 'एसोसिएट मेंबरशिप' को लेकर यूरोपीय संघ को दी चेतावनी

वाशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने यूरोपीय संघ (ईयू) को चेतावनी दी है कि यदि कनाडा को ब्लॉक का 'सहयोगी सदस्य' बनाने की योजना आगे बढ़ती है तो अमेरिका यूरोप पर भारी टैरिफ लगा सकता है और कुछ क्षेत्रों में व्यापार रोकने पर भी विचार कर सकता है। ट्रंप ने ईयू के इस प्रस्ताव को संभावित रूप से 'शत्रुतापूर्ण कदम' बताया है। ट्रंप ने कहा कि यदि ईयू की मंशा अच्छी हुई तो स्थिति अलग होगी, लेकिन खराब इरादे होने पर यूरोप को भारी शुल्क का सामना करना पड़ सकता है।

यूरोपीय आयोग की अध्यक्ष उर्सुला वॉन डेर लेयेन ने बुधवार को कनाडा के प्रधानमंत्री मार्क कार्नी की मौजूदगी में कनाडा को ईयू का पहला 'सहयोगी सदस्य' बनाने का प्रस्ताव रखा। यह पहल ईयू और कनाडा के संबंधों को मौजूदा व्यापार समझौते से आगे बढ़ाने की योजना का हिस्सा है। वॉन डेर लेयेन ने रक्षा, प्रौद्योगिकी, ऊर्जा, महत्वपूर्ण खनिज, कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई), साइबर सुरक्षा और आर्कटिक सहित रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की बात कही है। कनाडा पहले से ही ईयू के साथ व्यापक आर्थिक एवं व्यापार समझौते (सीईटीए) के तहत व्यापारिक संबंध रखता है। हालांकि, प्रस्तावित 'सहयोगी सदस्यता' की विस्तृत शर्तें अभी तय नहीं हुई हैं। यह भी स्पष्ट नहीं है कि नई व्यवस्था के तहत कनाडा को ईयू के एकल बाजार तक कितनी पहुंच मिलेगी और उसे किन यूरोपीय नियमों को अपनाना होगा। कनाडाई सरकार ने ईयू के साथ संबंधों को और मजबूत करने तथा रणनीतिक क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने की इच्छा जताई है।

कार्नी और वॉन डेर लेयेन के बीच महत्वपूर्ण खनिज, रक्षा उद्योग, ऊर्जा, एआई, अंतरिक्ष और वित्तीय सेवाओं में सहयोग को लेकर भी चर्चा हुई है। कनाडा और अमेरिका के बीच जारी व्यापारिक तनाव के बीच ओटावा यूरोप के साथ अपने आर्थिक और सुरक्षा संबंधों को विस्तार देने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। ऐसे में ट्रंप की चेतावनी से अमेरिका और ईयू के बीच व्यापार संबंधों को लेकर तनाव बढ़ने की संभावना है। कनाडाई प्रधानमंत्री कार्नी गुरुवार को यूरोपीय संसद को संबोधित करेंगे। इसके बाद कनाडा और ईयू के बीच प्रस्तावित नए संबंधों की रूपरेखा को लेकर आगे की बातचीत होने की उम्मीद है।

क्षेत्रीय तनाव के बीच ईरानी राष्ट्रपति ने कहा- पड़ोसियों के साथ विवाद सुलझाने को तैयार

तेहरान,एजेंसी। ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने कहा है कि उनका देश अपने पड़ोसी देशों के साथ बातचीत, आपसी समझ और सम्मान के जरिए मतभेदों को सुलझाने के लिए तैयार है। उन्होंने क्षेत्रीय देशों से सहयोग बढ़ाने और अस्थिरता के कारणों को कम करने का आह्वान किया। ईरान सरकार की अंतरराष्ट्रीय समाचार नेटवर्क प्रेस टीवी के अनुसार, इराक के पैट्रियटिक यूनियन ऑफ कुर्दिस्तान (पीयूके) के प्रमुख बाफेल तलबानी के साथ बैठक में राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियन ने ईरान और इराकी कुर्दिस्तान के लोगों के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और सामाजिक संबंधों को महत्वपूर्ण बताया।

पेज़ेशकियन ने आरोप लगाया कि अमेरिका और इजराइल क्षेत्रीय देशों को कमजोर करने और उनके संसाधनों का फायदा उठाने के लिए विभाजन और संघर्ष को बढ़ावा दे रहे हैं। उन्होंने कहा कि ऐसे प्रयासों का मुकाबला करने के लिए क्षेत्र के देशों को आपसी सहयोग और संवाद बढ़ाना चाहिए। ईरानी राष्ट्रपति ने कहा कि यदि किसी समूह की जायज मांगें हैं, तो ईरान बातचीत और आपसी सम्मान के दायरे में उन मुद्दों को सुलझाने के लिए तैयार है। साथ ही उन्होंने पड़ोसी देशों से भी अनुचित व्यवहार और अत्यधिक मांगों से बचने की अपील की। उन्होंने मुस्लिम देशों के बीच साझा धार्मिक और सांस्कृतिक मूल्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि क्षेत्रीय समस्याओं का समाधान सहयोग, बातचीत, निष्पक्षता और न्याय के जरिए किया जा सकता है। बैठक के दौरान पेज़ेशकियन ने

ईरान और इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र के बीच आर्थिक और राजनीतिक संबंधों को मजबूत करने पर भी जोर दिया। वहीं, बाफेल तलबानी ने ईरान को इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र का करीबी मित्र बताते हुए दोनों पक्षों के बीच सहयोग बढ़ाने की प्रतिबद्धता जताई। तलबानी ने सीमा सुरक्षा को महत्वपूर्ण बताते हुए कहा कि कुर्दिस्तान क्षेत्र से लगी ईरान की सीमा पर सुरक्षा मजबूत करने के प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि ईरान और इराक के बीच हुए सुरक्षा समझौते के तहत सीमावर्ती इलाकों में सक्रिय सरकार-विरोधी समूहों से निपटने और क्षेत्र में स्थिरता बढ़ाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं। तलबानी के साथ एक आर्थिक टीम भी ईरान पहुंची, जिसका उद्देश्य व्यापार और आर्थिक सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा करना था। तलबानी की ईरान के सुप्रीम नेशनल सिक्योरिटी काउंसिल के सचिव मोहसेन रेज़ाई के साथ भी बैठक हुई। रेज़ाई ने सीमा सुरक्षा और आतंकवादी समूहों से निपटने को प्राथमिकता देने की बात कही। उन्होंने इराकी कुर्दिस्तान क्षेत्र में इजराइल की गतिविधियों को लेकर भी चेतावनी दी। अमेरिका के साथ संबंधों पर रेज़ाई ने कहा कि ईरान को अमेरिका पर भरोसा नहीं है और विश्वास बहाल करने के लिए वॉशिंगटन को व्यावहारिक कदम उठाने होंगे। वहीं, तलबानी ने ईरान के साथ आर्थिक, सुरक्षा और कूटनीतिक सहयोग बढ़ाने का समर्थन किया।

हिमालयी पर्वत शिखर लांगटांग लिरुंग पर हिमनदी का हिस्सा अभी भी मौजूद, खिसकना बाकी

काठमांडू,एजेंसी। नेपाल और तिब्बत की सीमा पर स्थित हिमालयी पर्वत शिखर लांगटांग लिरुंग के जिस हिस्से से हिमनदी और चट्टानें खिसक कर नेपाली क्षेत्र में विनाशकारी बाढ़ का कारण बनी थीं, वहां अभी भी हिमनदी और पहाड़ का कुछ हिस्सा अस्थिर अवस्था में मौजूद है। यह कभी भी खिसक सकता है।

नेपाल में 26 अगस्त को आई विनाशकारी बाढ़ के बाद चीन की ओर से उपलब्ध कराए जा रहे सैटेलाइट चित्रों और आंकड़ों में लांगटांग लिरूंग को लेकर दो महत्वपूर्ण संकेत सामने आए हैं। इसके अनुसार जिस हिस्से से हिमनदी और चट्टानें खिसककर विनाशकारी बाढ़ की वजह बनी थीं, वहां अभी भी हिमनदी और पहाड़ का कुछ हिस्सा अस्थिर अवस्था में मौजूद है। इसके अलावा उसी क्षेत्र में बर्फ से ढकी रहने वाली एक झील अब स्पष्ट रूप से दिखाई देने लगी है। जल विज्ञान तथा जलस्रोत अनुसंधान केंद्र के उप कार्यकारी निदेशक विक्रम श्रेष्ठ के अनुसार, चीन से प्राप्त हालिया सैटेलाइट तस्वीरों से पता चलता है कि हिमनदी का कुछ हिस्सा अभी भी लटका हुआ है और भविष्य में खिसक सकता है। हालांकि, यह हिस्सा कितना बड़ा है और कब खिसकेगा, इसका अभी निश्चित आकलन नहीं किया जा सका है। इसलिए केवल इन संकेतों के आधार पर तत्काल एक और बड़े हिमस्खलन की भविष्यवाणी नहीं की जा सकती। चीनी एकेडमी ऑफ साइंसेज के तिब्बती पठार अनुसंधान संस्थान

के अध्ययन के अनुसार, 26 अगस्त को लांगटांग लिरूंग से खिसका बर्फ और चट्टान का हिस्सा करीब 980 मीटर चौड़ा और 780 मीटर लंबा था। इसका क्षेत्रफल लगभग 0.76 वर्ग किलोमीटर और मात्रा 7 करोड़ घनमीटर से अधिक आंकी गई है। नीचे की ओर बढ़ते समय इस विशाल मलबे ने रास्ते में अन्य चट्टानों और सामग्री को भी अपने साथ बहाया। विशेषज्ञों के अनुसार, सैटेलाइट विश्लेषण में संकेत मिला है कि 12 से 24 अगस्त के बीच उस पहाड़ी हिस्से में असामान्य हलचल बढ़ गई थी और चट्टानी हिस्सा प्रतिदिन करीब 0.4 मीटर की दर से खिसक रहा था। हालांकि, यह विश्लेषण घटना के बाद किया गया है और इससे यह नहीं कहा जा सकता कि उस समय हिमस्खलन की सटीक भविष्यवाणी की गई थी। सैटेलाइट तस्वीरों में उसी इलाके में पहले बर्फ से ढकी रहने वाली एक झील अब स्पष्ट दिखाई दे रही है।

इसका क्षेत्रफल करीब 0.19 वर्ग किलोमीटर, यानी लगभग 27 अंतरराष्ट्रीय फुटबॉल मैदानों के बराबर है। अभी झील की गहराई और उसमें मौजूद पानी की मात्रा के बारे में पर्याप्त जानकारी उपलब्ध नहीं है। विशेषज्ञों के मुताबिक, इस झील से पानी रिसकर यदि पहाड़ की दरारों में पहुंच रहा है तो इससे चट्टानी हिस्से की स्थिरता प्रभावित हो सकती है। इसलिए झील और हिमनदी क्षेत्र की लगातार सैटेलाइट निगरानी जरूरी मानी जा रही है। फिलहाल वैज्ञानिक निष्कर्ष यह है कि पर्वत शिखर लांगटांग लिरूंग में कुछ बर्फ और चट्टानी हिस्सा अभी भी अस्थिर है, लेकिन उसके खिसकने का समय, आकार और संभावित प्रभाव का निश्चित अनुमान अभी उपलब्ध नहीं है। इसी वजह से क्षेत्र की नियमित निगरानी को महत्वपूर्ण माना जा रहा है।

आईएईए की परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को उत्तर कोरिया ने ठुकराया

सियोल। उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन की बहन और वरिष्ठ अधिकारी किम यो-जोंग ने अंतरराष्ट्रीय परमाणु निरस्त्रीकरण की मांग को खारिज करते हुए कहा है कि उत्तर कोरिया का परमाणु हथियार संपन्न देश का दर्जा स्थायी है। दक्षिण कोरिया की सरकारी समाचार एजेंसी योनहाप के मुताबिक, किम यो-जोंग ने गुरुवार को जारी बयान में अंतरराष्ट्रीय परमाणु ऊर्जा एजेंसी (आईएईए) की मांगों को खारिज किया। उनका बयान ऑस्ट्रिया के वियना में चल रहे आईएईए के 70वें जनरल कॉन्फ्रेंस सत्र के दौरान आया है। आईएईए सम्मेलन में उत्तर कोरिया की बढ़ती परमाणु क्षमताओं पर चिंता जताई गई है। एजेंसी ने प्योंगयांग से परमाणु अप्रसार संधि (एनपीटी) के तहत अपने परमाणु हथियार कार्यक्रम को पूरी तरह, सत्यापन योग्य और स्थायी रूप से खत्म करने की मांग की है।

सम्मेलन से पहले जारी आईएईए की सेफगार्ड्स रिपोर्ट में उत्तर कोरिया की यूरेनियम संवर्धन क्षमता में बढ़ोतरी और प्रमुख परमाणु सुविधाओं के विस्तार का भी उल्लेख किया गया था। किम यो-जोंग ने इन मांगों को खारिज करते हुए कहा कि आईएईए और पश्चिमी देशों की बैठकों तथा परमाणु निरस्त्रीकरण की मांगों का उत्तर कोरिया की नीति पर कोई असर नहीं पड़ेगा। उन्होंने कहा कि देश अपने राष्ट्रीय हितों और सुरक्षा की रक्षा के लिए आवश्यक कदम उठाता रहेगा। किम यो-जोंग ने कहा कि उत्तर कोरिया का परमाणु हथियार संपन्न देश का दर्जा अटल है और इसे किसी बाहरी दबाव से बदला नहीं जा सकता।

उन्होंने यह भी कहा कि देश की परमाणु क्षमता में हुए बदलावों को कोई पीछे नहीं ले जा सकता। उनकी यह टिप्पणी ऐसे समय आई है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने उत्तर कोरियाई नेता किम जोंग-उन के साथ संभावित शिखर वार्ता में रुचि दिखाई है। दक्षिण कोरिया के एकीकरण मंत्रालय के एक अधिकारी ने कहा कि मंत्रालय किम यो-जोंग के बयान पर नजर रख रहा है। अधिकारी के अनुसार, बयान को संभावित अमेरिका-उत्तर कोरिया शिखर वार्ता में परमाणु निरस्त्रीकरण के मुद्दे पर प्योंगयांग की स्थिति स्पष्ट करने के संकेत के तौर पर देखा जा रहा है। इस बीच, उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्रालय के एक प्रवक्ता ने अमेरिका और दक्षिण कोरिया के बीच बड़े पैमाने पर विनाशकारी हथियारों (डब्ल्यूएमडी) से निपटने को लेकर हुई हालिया बैठक की आलोचना की। पिछले सप्ताह हुई संयुक्त डब्ल्यूएमडी काउंटरमेज़र्स कमेटी की वार्षिक बैठक में सियोल और वॉशिंगटन ने उत्तर कोरिया के परमाणु और मिसाइल कार्यक्रमों को देखते हुए डब्ल्यूएमडी से संबंधित जानकारी साझा करने की प्रक्रिया को मजबूत करने पर सहमति जताई थी।

एक नजर

पुतिन ने मोदी को जन्मदिन की बधाई दी, भारत-रूस रणनीतिक साझेदारी मजबूत करने में योगदान की सराहना की

नई दिल्ली,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन पर रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन, इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू और भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउसीनो ने उन्हें बधाई और शुभकामनाएं दीं। तीनों संदेशों में भारत के साथ अपने-अपने देशों के संबंधों को मजबूत करने में मोदी की भूमिका का उल्लेख किया गया। राष्ट्रपति पुतिन ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की तस्वीर इंस्टाग्राम पर साझा करते हुए अपने संदेश में कहा कि प्रधानमंत्री मोदी को अपने देशवासियों का गहरा सम्मान और वैश्विक मंच पर व्यापक प्रतिष्ठा प्राप्त है। भारत और रूस के बीच विशेष एवं विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में मोदी के व्यक्तिगत योगदान को कम करके नहीं आंका जा सकता। पुतिन ने पिछले सप्ताह नई दिल्ली में अपनी यात्रा के दौरान मिले गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य के लिए प्रधानमंत्री मोदी का आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि दोनों नेताओं के बीच हुई बातचीत सार्थक, स्पष्ट और उत्पादक रही।

रूसी राष्ट्रपति ने कहा कि दोनों देशों के हित में द्विपक्षीय और अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर रचनात्मक सहयोग आगे भी जारी रहेगा। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने प्रधानमंत्री मोदी के साथ अपनी पुरानी मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए 'एक्स' पर जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि मोदी के नेतृत्व ने भारत को विश्व शक्ति में बदल दिया है। नेतन्याहू ने भारत और इजराइल के बीच साझेदारी को अभूतपूर्व बताते हुए कहा कि दोनों देशों की मित्रता पहले से अधिक मजबूत है और इसे आगे नई ऊंचाइयों तक ले जाया जाएगा। भारत में अर्जेंटीना के राजदूत मारियानो काउसीनो ने प्रधानमंत्री मोदी को जन्मदिन की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने मोदी के साथ मुलाकात की तस्वीर साझा करते हुए अर्जेंटीना की सरकार और जनता की ओर से शुभकामनाएं प्रेषित कीं। प्रधानमंत्री मोदी को उनके जन्मदिन पर विभिन्न देशों के नेताओं और राजनयिक प्रतिनिधियों की ओर से शुभकामनाएं मिली हैं।

महेंद्रगढ़ में मुख्यमंत्री ने 135 करोड़ की परियोजनाओं का किया शुभारंभ

नारनौल,एजेंसी। मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी गुरुवार को महेंद्रगढ़ के खेल स्टेडियम में आयोजित राज्य स्तरीय विश्वकर्मा जयंती समारोह में पहुंचे। इससे पहले उन्होंने कैंची चौक पर महाराजा शूरसैनी की प्रतिमा का अनावरण किया। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने लाडो लक्ष्मी योजना का दायरा बढ़ाने की घोषणा की। सरकार के अनुसार अब एक लाख 80 हजार रुपये तक वार्षिक पारिवारिक आय वाली पात्र महिलाओं को भी योजना में शामिल किया जाएगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले एक लाख रुपये तक वार्षिक आय वाले परिवारों की महिलाएं योजना का लाभ ले रही थीं। इससे करीब 10 लाख महिलाएं लाभान्वित हो रही थीं। आय सीमा बढ़ाए जाने के बाद करीब 17 लाख नई पात्र महिलाओं को योजना से जोड़ने की प्रक्रिया आगे बढ़ेगी। कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने योजना की पहली पांच लाभार्थी महिलाओं के साथ फोटो भी खिंचवाई। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम स्थल से महेंद्रगढ़ क्षेत्र के लिए 135 करोड़ 82 लाख रुपये की विभिन्न परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास किया। इनमें दुलोठ अहीर से राजस्थान के सोहली बॉर्डर तक सड़क तथा सोहला ढांढोत में 15 करोड़ रुपये की लागत से वाटर बॉडी का निर्माण शामिल है।

इसके अलावा अन्य गांवों में भी 15 करोड़ रुपये की लागत से वाटर बॉडी विकसित करने की घोषणा की गई। उन्होंने जांगिड़ धर्मशाला महेंद्रगढ़ में छात्रावास निर्माण के लिए 31 लाख रुपये देने की घोषणा की। नगर पालिका चेयरमैन शूर सैनी चौक के लिए भी 21 लाख रुपये की ग्रांट देने की बात कही। मुख्यमंत्री ने विश्वकर्मा समाज और श्रमिकों के योगदान का उल्लेख करते हुए विकास कार्यों को गति देने की बात कही। राज्य सरकार के अनुसार लाडो लक्ष्मी योजना के नए पात्र लाभार्थियों का पंजीकरण 17 सितंबर से शुरू किया जाना है और पात्र महिलाओं को प्रतिमाह 2100 रुपये की सहायता मिलेगी। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष अर्चना गुप्ता, स्वास्थ्य मंत्री आरती राव, सहकारिता मंत्री डॉ. अरविंद शर्मा, सांसद चौधरी धर्मवीर सिंह, विधायक ओमप्रकाश यादव, विधायक कंवर सिंह यादव और पूर्व विधायक डॉ. अभय सिंह सहित अनेक लोग मौजूद रहे।

निजाम के शासनकाल में तेलंगाना सामंती शोषण और उत्पीड़न से प्रभावित था : रेवंत रेड्डी

हैदराबाद,एजेंसी। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेड्डी ने कहा कि निज़ाम के शासनकाल के दौरान ग्रामीण तेलंगाना सामंती शोषण, बंधुआ मजदूरी और उत्पीड़न से प्रभावित था। तेलंगाना सरकार ने गुरुवार को नामपल्ली पब्लिक गार्डेन्स में अपना 'प्रजा पालना दिनोत्सवम' कार्यक्रम किया। इस मौके पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने राष्ट्रीय ध्वज फहराया और परेड की सलामी ली।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री रेड्डी ने निज़ाम शासन के अधीन हैदराबाद के इतिहास और भारतीय संघ में इसके विलय का कारण बनने वाली घटनाओं को याद किया। उन्होंने कहा कि निज़ाम के शासनकाल के दौरान हैदराबाद ने उद्योग, कृषि, शिक्षा और चिकित्सा क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की थी और वैश्विक पहचान बनाई थी। साथ ही, उन्होंने कहा कि ग्रामीण तेलंगाना सामंती शोषण, बंधुआ मजदूरी और उत्पीड़न से प्रभावित था। उन्होंने कहा कि निज़ाम शासन के सशस्त्र समर्थकों, रज़ाकारों द्वारा किए गए अत्याचारों ने अंतिम चरण में लोगों को घोर संकट और संघर्ष में धकेल दिया। उन्होंने आंध्र महासभा और हैदराबाद स्टेट कांग्रेस की उन आंदोलनों में भूमिका का भी ज़िक्र किया, जिनका उद्देश्य हैदराबाद को भारत का अभिन्न अंग बनाना था, जबकि कम्युनिस्टों ने रज़ाकारों के अत्याचारों के खिलाफ सशस्त्र संघर्ष आयोजित किया था। विलय को याद करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि देश के पहले प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू और पहले

उप-प्रधानमंत्री सरदार वल्लभभाई पटेल ने हैदराबाद के लोगों की आकांक्षाओं को समझा और 1948 में 'ऑपरेशन पोलो' के नाम से जानी जाने वाली सैन्य कार्रवाई शुरू की। उन्होंने राज्य की विकास योजनाओं पर भी बात की और कहा कि सरकार दिसंबर में ' तेलंगाना ग्लोबल समिट-2026' के दौरान 'भारत फ्यूचर सिटी' का मास्टर प्लान पेश करेगी। उन्होंने बताया कि फ्यूचर सिटी में विशिष्ट क्षेत्र होंगे, जिनमें यंग इंडिया स्किल्स यूनिवर्सिटी, लाइफ साइंसेज हब, ईवी पार्क, एआई सिटी, हेल्थ सिटी और एजुकेशन सिटी शामिल हैं। उल्लेखनीय है कि 17 सितंबर,1948 को भारतीय संघ में हैदराबाद रियासत के विलय को अलग अलग तरीके से याद किया जाता है। भाजपा इस दिन को निज़ाम शासन के अंत और रज़ाकार प्रतिरोध से जोड़ते हुए ' हैदराबाद मुक्ति दिवस' कहती है। कांग्रेस इसे राजशाही से लोकतंत्र में परिवर्तन का प्रतीक मानते हुए 'प्रजा शासन दिवस' कहती है। वहीं बीआरएस ने सत्ता में रहते हुए इसे 'राष्ट्रीय एकता दिवस' कहा था।

ओडिशा में धूमधाम से मनाई जा रही विश्वकर्मा पूजा, कारखानों और कार्यस्थलों पर विशेष आयोजन

भुवनेश्वर। ओडिशा में गुरुवार को भगवान विश्वकर्मा की पूजा पारंपरिक श्रद्धा और उत्साह के साथ मनाई जा रही है। राज्यभर में कारखानों, कार्यस्थलों, वर्कशॉप और विभिन्न संस्थानों में विशेष पूजा-अर्चना का आयोजन किया गया है। ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों में लोग भगवान विश्वकर्मा के साथ अपने काम में इस्तेमाल होने वाले औजारों, वाहनों, मशीनों और अन्य उपकरणों की भी पूजा कर रहे हैं। मान्यता है कि भगवान विश्वकर्मा की पूजा करने से व्यवसाय में समृद्धि आती है और कार्यस्थलों पर प्रगति एवं सुचारू संचालन सुनिश्चित होता है। हिंदू पौराणिक कथाओं के अनुसार, भगवान विश्वकर्मा को देवताओं का दिव्य वास्तुकार माना जाता है। मान्यता है कि उन्होंने प्राचीन काल में देवताओं के लिए विभिन्न महलों, अस्त्र-शस्त्रों और अन्य संरचनाओं का निर्माण किया था।

अनुगोल जिले के नाल्को नगर सहित विभिन्न क्षेत्रों में विश्वकर्मा पूजा बड़े पैमाने पर आयोजित की जा रही है। अंगुल शहर में कुल 19 पूजा मंडप स्थापित किए गए हैं, जहां भगवान विश्वकर्मा की पूजा-अर्चना की जा रही है। विभिन्न उद्योगों, व्यवसायों और कार्यस्थलों से जुड़े श्रमिक, कारीगर, व्यापारी और अन्य लोग पूजा में शामिल होकर अपने काम में प्रगति, समृद्धि और कार्यों के सुचारू संचालन की कामना कर रहे हैं। बंदरगाह नगरी पारादीप में भी विश्वकर्मा पूजा को लेकर खासा उत्साह देखा जा रहा है। विभिन्न श्रमिक संगठनों के अलावा ट्रॉलर ओनर्स एसोसिएशन और ट्रक ओनर्स एसोसिएशन की ओर से बड़े पैमाने पर पूजा का आयोजन किया गया है। पारादीप में करीब 15 बड़े और छोटे पूजा मंडप बनाए गए हैं, जहां धार्मिक अनुष्ठान आयोजित किए जा रहे हैं। शाम को विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन किया जाएगा। विश्वकर्मा पूजा विशेष रूप से औद्योगिक श्रमिकों, मैकेनिकों, इंजीनियरों, कारीगरों, परिवहन क्षेत्र से जुड़े लोगों और विभिन्न व्यावसायिक प्रतिष्ठानों के लिए महत्वपूर्ण मानी जाती है। इस अवसर पर लोग अपने कार्य और आजीविका में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले औजारों एवं मशीनों के प्रति सम्मान और कृतज्ञता व्यक्त करते हैं।

प्रधानमंत्री के जन्मदिन पर काशी से वडनगर के लिए रवाना हुए 500 बाइकर्स, प्रत्येक पड़ाव पर होंगी विविध सेवा गतिविधियां

वाराणसी,एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 76वें जन्मदिन और सार्वजनिक जीवन के 25 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित 'सेवा संकल्प बाइक यात्रा' के तहत गुरुवार को काशी से 500 बाइकर्स वडनगर के लिए रवाना हुए। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सिगरा स्थित रुद्राक्ष कन्वेंशन सेंटर में आयोजित कार्यक्रम में 250 बाइक पर सवार युवाओं को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। काशी से वडनगर के लिए 10 अलग-अलग मार्गों पर यात्रा शुरू हुई। कार्यक्रम में आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू, केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, यात्रा संयोजक एवं खजुराहो सांसद विष्णुदत्त शर्मा, आंध्र प्रदेश के सांसद लवु श्रीकृष्ण और सतीश बाबू तथा भाजपा के राष्ट्रीय मंत्री एवं उत्तर प्रदेश के सह प्रभारी जगदीश भाई पटेल सहित कई जनप्रतिनिधि मौजूद रहे।

17 सितंबर से 7 अक्टूबर तक चलने वाली 'वाराणसी से वडनगर सेवा यात्रा' में देशभर के 500 से अधिक युवा हिस्सा लेंगे। यात्रा 20 मार्गों से होकर 10 राज्यों के 193 जिलों, 773 तहसीलों और 1,159 गांवों से गुजरेगी। प्रत्येक पड़ाव पर करीब 25 प्रकार की सेवा गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। इसी तरह वडनगर से वाराणसी की ओर भी बाइकर्स यात्रा करेंगे। भाजयुमो के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं वडोदरा से लोकसभा सांसद डॉ. हेमांग जोशी ने कहा कि यह आयोजन केवल बाइक यात्रा नहीं, बल्कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के 25 वर्षों के सार्वजनिक जीवन से प्रेरणा लेकर युवाओं को सेवा, समाज और राष्ट्र निर्माण से जोड़ने का अभियान है। उन्होंने कहा कि वाराणसी से वडनगर तक की यह यात्रा सेवा और समर्पण की भावना को युवा शक्ति के संकल्प में बदलने का प्रयास है। हेमांग जोशी ने बताया कि तमिलनाडु, असम, पश्चिम बंगाल, जम्मू-कश्मीर, गुजरात, बिहार और पूर्वोत्तर समेत देश के विभिन्न हिस्सों से युवा यात्रा में शामिल होंगे।

अलग-अलग भाषाओं, क्षेत्रों और संस्कृतियों से आने वाले युवा एक साथ सेवा गतिविधियों में भाग लेंगे। यात्रा के प्रत्येक पड़ाव पर वृक्षारोपण, सेवा वाटिका, स्वच्छता अभियान, नशामुक्त भारत अभियान, टीबी मुक्त भारत अभियान, साधु-संत सम्मान, सफाई कर्मचारियों का सम्मान, जल संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त जागरूकता जैसी गतिविधियां आयोजित की जाएंगी। डॉ. जोशी ने कहा कि यात्रा का संदेश है 'स्वागत फूल-मालाओं से नहीं, सेवा और स्वच्छता से होगा।' इसी उद्देश्य से 'स्वच्छता से स्वागत' पहल शुरू की गई है। इसके तहत यात्रा के किसी स्थान पर पहुंचने से दो दिन पहले स्थानीय भाजयुमो कार्यकर्ताओं की ओर से स्वच्छता अभियान चलाया जाएगा।

जंतर-मंतर पर धरने की अनुमति न मिलना अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर अंकुश: एआईएमपीएलबी

नई दिल्ली,एजेंसी। ऑल इंडिया मुस्लिम पर्सनल लॉ बोर्ड (एआईएमपीएलबी) ने जंतर-मंतर पर आज प्रस्तावित धरना-प्रदर्शन की अंतिम समय में दिल्ली पुलिस से अनुमति न मिलने पर गहरी चिंता व्यक्त करते हुए इसकी कड़ी निंदा की है। बोर्ड ने कहा कि शांतिपूर्ण विरोध-प्रदर्शन और अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता नागरिकों के मौलिक संवैधानिक अधिकार हैं और प्रशासनिक निर्णयों के माध्यम से इन पर अंकुश नहीं लगाया जाना चाहिए।

प्रेस क्लब ऑफ़ इंडिया में संवाददाता सम्मेलन में बोर्ड के उपाध्यक्ष सैयद सआदतुल्लाह हुसैनी, मौलाना ओबैदुल्लाह खान आज़मी, मौलाना असगर अली इमाम महदी सलाफी, महासचिव मौलाना मोहम्मद फजलुर्रहीम मुजद्दिदी, सचिव मौलाना मोहम्मद उमरैन महफ़ूज़ रहमानी, प्रवक्ता डॉ. कासिम रसूल इलियास ने बताया कि बोर्ड प्रवक्ता और ' 'संविधान बचाओ, देश बचाओ'' अभियान के संयोजक डॉ. सैयद कासिम रसूल इलियास पिछले दस दिनों के दौरान तीन बार पार्लियामेंट स्ट्रीट पुलिस स्टेशन गए और थाना प्रभारी (एसएचओ) तथा पुलिस उपायुक्त (डीसीपी) को आश्वासन दिया कि धरने में शामिल होने वाले लोगों की संख्या निर्धारित सीमा के भीतर रहेगी। इसके बावजूद निर्धारित कार्यक्रम से ठीक एक दिन पहले यह कहते हुए धरने की अनुमति वापस ले ली गई कि पुलिस को बड़ी संख्या में लोगों के शामिल होने की आशंका है।

बोर्ड ने इस निर्णय को एकतरफा और अनुचित बताया तथा कहा कि वह पहले भी निर्धारित सभी नियमों और शर्तों का पालन करते हुए जंतर-मंतर पर कई शांतिपूर्ण प्रदर्शन आयोजित कर चुके हैं। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि प्रस्तावित धरना उसके राष्ट्रव्यापी संविधान बचाओ, देश बचाओ अभियान का पहला चरण था। इस अभियान का उद्देश्य समाज के वंचित और हाशिए पर पड़े वर्गों तथा अल्पसंख्यकों विशेषकर मुसलमानों के मौलिक अधिकारों के उल्लंघन, भीड़ द्वारा पीट-पीटकर हत्या की घटनाओं, जीवन, संपत्ति, गरिमा और सम्मान पर हमलों, मस्जिदों, मदरसों और मुस्लिम बस्तियों के विरुद्ध बुलडोज़र कार्रवाई, धार्मिक और सांस्कृतिक स्वतंत्रताओं पर प्रतिबंध, मुस्लिम पर्सनल लॉ की सुरक्षा, समान नागरिक संहिता लागू करने के प्रयासों तथा वंदे मातरम् को अनिवार्य बनाने के प्रयासों जैसे मुद्दों की ओर जनता का ध्यान आकर्षित करना है। बोर्ड ने कहा कि केंद्रीय गृह मंत्री के वर्ष 2029 तक भाजपा-शासित सभी राज्यों में समान नागरिक संहिता (यूसीसी) लागू करने संबंधी बयान ने भारत की धार्मिक और सांस्कृतिक विविधता तथा नागरिकों के मौलिक अधिकारों को लेकर नई चिंताएं पैदा कर दी हैं। मुसलमान मुस्लिम पर्सनल लॉ की सुरक्षा को अपने धार्मिक और संवैधानिक अधिकारों का हिस्सा मानते हैं। भारत विभिन्न धर्मों, संस्कृतियों और भाषाओं वाला देश है तथा संविधान इस विविधता को संरक्षण प्रदान करता है। बोर्ड ने कहा कि इस विविधता पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली कोई भी नीति गंभीर संवैधानिक प्रश्न खड़े करती है।बोर्ड ने कहा कि आंदोलन अपने तय कार्यक्रम के तहत जारी रहेगा।

सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय ने लगाए 76 शिविर, 58 दिव्यांगजन और बुजुर्गों को दिए गए सहायक उपकरण

नई दिल्ली,एजेंसी। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय के दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने अल्मिको के सहयोग से गुरुवार को 21 राज्यों के 76 स्थानों पर एक साथ शिविर आयोजित किए। इन शिविरों में 58 हजार से ज्यादा दिव्यांगजनों और वरिष्ठ नागरिकों को करीब 68 करोड़ रुपये के सहायक उपकरण मुफ्त दिए गए। ये उपकरण लोगों की जरूरत के हिसाब से बांटे गए। इनसे उन्हें चलने-फिरने, रोजमर्रा के काम करने और आत्मनिर्भर बनने में मदद मिलेगी।

लालकिला स्थित लव कुश रामलीला मैदान में गुरुवार को शिविर का उद्घाटन करते हुए सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्री डॉ. वीरेंद्र कुमार ने कहा कि सहायक उपकरण सिर्फ मदद करने वाली चीजें नहीं हैं, बल्कि इनसे दिव्यांगजन और बुजुर्गों को आत्मविश्वास, सम्मान और स्वतंत्र रूप से जीवन जीने में मदद मिलती है। सरकार की कोशिश है कि जरूरतमंद लोगों तक सरकारी योजनाओं और सहायता का लाभ सीधे पहुंचे। मंत्री ने बताया कि देशभर में 109 प्रधानमंत्री दिव्याशा-वयोश्री केंद्र चल रहे हैं। इन केंद्रों के जरिए दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को जरूरी सेवाएं उनके नजदीक उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। देश में 28 सिंगल विंडो क्रॉस-डिसएबिलिटी अर्ली इंटरवेंशन सेंटर शुरू

किए गए हैं। इन केंद्रों के जरिए दिव्यांग बच्चों और उनके परिवारों को जरूरी सहायता और पुनर्वास सेवाएं उपलब्ध कराने का प्रयास किया जा रहा है। इसके अलावा दिव्यांग खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए भी कई योजनाएं चलाई जा रही हैं। ग्वालियर में दिव्यांग खिलाड़ियों के लिए खेल केंद्र भी बनाया गया है। नई दिल्ली में आयोजित शिविर में 463 लोगों को 2,450 सहायक उपकरण दिए गए। इनमें 446 बुजुर्ग और 17 दिव्यांगजन शामिल थे। इन उपकरणों की कुल कीमत करीब 34.96 लाख रुपये थी। लाभार्थियों को उनकी जरूरत के अनुसार मोटर वाली ट्राइसाइकिल, ट्राइसाइकिल, व्हीलचेयर, बैसाखी, छड़ी, वॉकर, सुनने की मशीन, कमोड व्हीलचेयर, कमोड चेयर, घुटने के ब्रेस और अन्य उपकरण दिए गए। इन शिविरों से पहले लाभार्थियों की जरूरत की जांच की गई थी। इसके बाद उनकी जरूरत के अनुसार उपकरण दिए गए।

मंत्री ने कहा कि दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को समाज की मुख्यधारा से जोड़ने के लिए सरकार के साथ-साथ राज्य सरकारों, जिला प्रशासन, सामाजिक संगठनों, और अन्य संस्थाओं को भी मिलकर काम करना चाहिए। उन्होंने सरकारी कार्यालयों, अस्पतालों, स्कूलों, सार्वजनिक स्थानों और परिवहन व्यवस्था को दिव्यांगजनों के लिए आसान और सुविधाजनक बनाने पर भी जोर दिया। अल्मिको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार ने कहा कि संस्था अच्छी गुणवत्ता वाले सहायक उपकरण उपलब्ध कराने और डिजिटल तकनीक के जरिए सेवाओं को आसान बनाने पर काम कर रही है। जरूरतमंद दिव्यांगजनों और बुजुर्गों तक सही उपकरण समय पर पहुंचाना अल्मिको की प्राथमिकता है। इन सामाजिक अधिकारिता शिविरों का उद्देश्य दिव्यांगजनों और बुजुर्गों को जरूरी सहायता उपलब्ध कराकर उन्हें सम्मान के साथ और अधिक आत्मनिर्भर जीवन जीने में मदद करना है। कार्यक्रम में चांदनी चौक के सांसद प्रवीण खंडेलवाल, राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के अध्यक्ष किशोर मकवाना, मंत्रालय की अपर सचिव मनमीत नंदा और अल्मिको के अध्यक्ष एवं प्रबंध निदेशक प्रवीण कुमार सहित कई अधिकारी मौजूद रहे।

यूपी इंटरनेशनल ट्रेड शो : मुरादाबाद के पीतल के उत्पादों से चमकेंगे 78 स्टॉल

मुरादाबाद। पीतल की नगरी मुरादाबाद के हस्तशिल्प, मेटल आर्टवेयर और स्थानीय दस्तकारी को अंतरराष्ट्रीय पटल पर सीधे नए बाजार और खरीदार दिलाने के लिए खाका तैयार हो चुका है। ग्रेटर नोएडा स्थित इंडिया एक्सपो सेंटर एंड मार्ट में 25 से 29 सितंबर तक आयोजित होने वाले चौथे 'उत्तर प्रदेश इंटरनेशनल ट्रेड शो' में मुरादाबाद जनपद से कुल 78 कारोबारी, नए व स्थापित निर्यातक, महिला एवं युवा उद्यमी और ओडीओपी दस्तकार अपनी मजबूत मौजूदगी दर्ज कराएंगे।

मुरादाबाद के संयुक्त आयुक्त उद्योग योगेश कुमार ने बताया कि 1,10,000 वर्ग मीटर से अधिक क्षेत्रफल में लगने वाले इस महाआयोजन में देश-दुनिया से करीब 1.50 लाख बिजनेस खरीदार और 4.50 लाख से अधिक आम उपभोक्ता जुटेंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में प्रदेश सरकार की निर्यात प्रोत्साहन नीति, एमएसएमई नीति और श्एक जनपद-एक उत्पादश् (ओडीओपी) योजना के तहत यह वैश्विक मंच मुरादाबाद के उत्पादों को अंतरराष्ट्रीय खरीदारों से सीधे जोड़कर स्थानीय कारोबार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। ट्रेड शो के ले-आउट के अनुसार, इस बार सबसे क्रांतिकारी बदलाव नए निर्यातकों के रूप में सामने आया है। पहली बार सीधे विदेशी खरीदारों के सामने अपने उत्पादों की प्रदर्शनी लगाने जा रहे नए कारोबारियों के लिए तय हॉल नंबर 14 (न्यू एक्सपोर्टर्स) में अकेले मुरादाबाद के 42 नए निर्यातकों ने अपने स्टॉल सुरक्षित कराए हैं। संयुक्त आयुक्त उद्योग के अनुसार, यह भागीदारी दर्शाती है कि शहर की नई पीढ़ी अब सिर्फ बिचौलियों या बड़े घरानों पर निर्भर रहने के बजाय सीधे वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला (ग्लोबल सप्लाई चेन) का हिस्सा बनने को तैयार है। इसके साथ ही, हॉल नंबर 15 (रेगुलर एक्सपोर्टर्स) में मुरादाबाद के 14 बड़े और स्थापित निर्यातक विदेशी बायर्स के साथ पहले से चल रहे अनुबंधों को विस्तार देंगे और बड़े वॉल्यूम के ऑर्डर हासिल करेंगे। इस अंतरराष्ट्रीय एक्सपो से मुरादाबाद के आर्थिक परिदृश्य को बड़ा लाभ पहुंचेगा। सीधे विदेशी बायर्स और अंतरराष्ट्रीय रिटेल चेन्स से जुड़ने से बीच के बिचौलियों का कमीशन खत्म होगा, जिससे कारखानों से लेकर जमीनी दस्तकारों तक को अपने उत्पादों का पूरा और उचित मूल्य मिल सकेगा। शहर के छोटे कारखानों और ढलाई इकाइयों को नए एक्सपोर्ट ऑर्डर मिलने से स्थानीय स्तर पर हजारों कारीगरों के लिए रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे।

मुद्रक, प्रकाशक, स्वामी, सैफुल्लाह सिद्दिकी द्वारा आरडी प्रिंटिंग एंड पब्लिशर्स प्राइवेट लिमिटेड, ए-24, सेक्टर-08, नोएडा (यूपी), से छपवा कर एन-81, बटला हाउस, जामिया नगर पुलिस स्टेशन, जामिया नगर, नई दिल्ली-110025 से प्रकाशित किया। सर्वाधिकार सुरक्षित, किसी भी विवाद की स्थिति में न्यायिक क्षेत्र दिल्ली होगा। (संपादक- सैफुल्लाह सिद्दिकी)